रांची, गुरुवार
12.12.2024
वर्ष : 10, अंक : 12 पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरे हमारी, विश्वास आपका

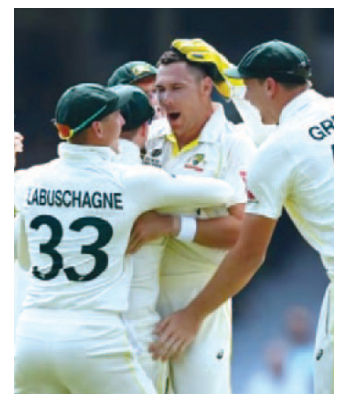

website : www.bihanbharat.org bihanbharat@gmail.com @bihan_bharat Bihan Bharat RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल ने विधानसभा अध्यक्ष के पिता के निधन पर जताया शोक

रांची। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बुधवार को झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो के रांची के काके रोड स्थित आवास पर जाकर उनके पिता गोलक बिहारी महतो के निधन पर दुःख और शोक व्यक्त किया। राज्यपाल ने दिवगंत आत्मा की चिरशांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही शोकाकुल परिवारजनों के प्रति संवेदना प्रकट की।

लोकसभा : रेलवे (संशोधन) विधेयक, ध्वनिमत से पारित

नई दिल्ली। लोकसभा ने बुधवार को रेलवे (संशोधन) विधेयक, 2024 ध्वनिमत से पारित कर दिया। विधेयक 1905 के रेलवे बोर्ड अधिनियम और 1989 के रेलवे विधेयक को एकीकृत करेगा। केन्द्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने आज विधेयक पर पिछले दिनों हुई चर्चा का उत्तर दिया। उन्होंने कहा कि रेलवे बोर्ड और रेलवे से जुड़े विधेयक को एकीकृत करने से रेलवे का विकास और कार्यदक्षता बढ़ेगी। विधेयक के माध्यम से कानूनी ढांचे का सरलीकरण होगा। रेल मंत्री ने विपक्ष को रक्षा और रेलवे को राजनीति से दूर रखने की अपील करते हुए उसके केन्द्रीकरण और निजीकरण से जुड़े आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में रेलवे में विकेन्द्रीकरण का कार्य हुआ है। काम में तेजी आई है। वैष्णव ने कई मुद्दों पर चरणबद्ध तरीके से विपक्ष के प्रश्नों का जवाब दिया। उन्होंने बताया कि रेलवे में एसी और नॉन एसी कोच का अनुपात लगातार बरकरार रखा गया है। साथ ही नॉन एसी श्रेणी में अमृत भारत ट्रेन लाई गई हैं। आज इनके माध्यम से 400 रुपये में एक हजार किमी की यात्रा की जा सकती है।

राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार प्रदान किये

नई दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बुधवार को यहां सतत और समावेशी विकास के विषयों में अनुकरणीय योगदान देने वाली पंचायतों के विभिन्न श्रेणियों में चुने गए 45 पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार प्रदान किए। राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे देश की लगभग 64 प्रतिशत आबादी गांवों में रहती है इसलिए, भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए गांवों तथा ग्रामीणों का विकास और सशक्तिकरण महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि एक दशक में सरकार ने पंचायतों के सशक्तिकरण के लिए गंभीर प्रयास किए हैं।

विधानसभा में अनुभवी और नए सदस्यों का समागम

आदर्श परंपराओं और कीर्ति को मिलकर बढ़ाना है : राज्यपाल

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा के छठे सत्र के तीसरे दिन बुधवार को सदन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार का अभिभाषण हुआ। राज्यपाल ने सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए सबसे पहले सत्र में मौजूद सभी सदस्यों का स्वागत किया। इसके बाद संतोष गंगवार ने विधानसभा चुनाव जीतकर आये नवनिर्वाचित विधायकों को बधाई दी।

राज्यपाल ने कहा कि आप में से कई सदस्य पूर्व में भी विधानसभा के सदस्य रहे हैं जबकि कई सदस्य पहली बार निर्वाचित होकर विधानसभा पहुंचे हैं। इस विधानसभा में अनुभवी और नये सदस्यों का समागम हुआ है। सबको मिलकर जनादेश का सम्मान करते हुए जनभावनाएं और जनआकांक्षाओं के अनुरूप कार्य करना है। उन्होंने कहा कि जनता के कल्याण और राज्य के विकास के लिए पूरी लगन, निष्ठा और समर्पण से कार्य करना है। विधानसभा की आदर्श परंपराओं और कीर्ति को आप सबको मिलकर आगे बढ़ाना है।

राज्यपाल ने कहा कि केंद्र और राज्य के परस्पर सहयोग से ही राज्य की जनता का चहुंमुखी विकास संभव है, इस अवधारणा के हम पक्षधर हैं। हमारी सरकार संघीय ढांचे की स्वस्थ परंपरा को आगे बढ़ाने का काम करेगी तथा भारत की गरिमामयी विरासत का सम्मान करते हुए कल्याणकारी राज्य की परिकल्पना के अनुरूप जनहित के व्यापक कार्य करेगी। आप सभी के माध्यम से राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए गरिमामय और गौरवपूर्ण चचाओं का साक्षी बनेगा। यह सदन अपने विधायी कार्यों से झारखण्ड राज्य को प्रगति के शिखर तक ले जायेगा।

राज्यपाल ने कहा कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधि, जन आकांक्षाओं की अभिव्यक्ति के प्रतीक होते हैं। षष्ठम विधानसभा के शांतिपूर्ण चुनाव प्रक्रिया की समाप्ति के बाद राज्य में एक मजबूत और स्थिर सरकार के गठन का जनादेश जनता ने दिया है। यह सरकार झारखंड की मूल चेतना के साथ समावेशी विकास का ध्येय लेकर आगे बढ़ेगी। हमारी सरकार बिना किसी द्वेष के वंचितों को विशेष महत्व देने के मानवीय सोच के साथ सबको उचित अधिकार, सबको सुरक्षा और हर द्वार तक समृद्धि पहुंचाने को प्रतिबद्ध है।

राज्यपाल ने कहा कि हमारी सरकार एक व्यापक दृष्टिकोण के साथ समाज के वंचितों, दलितों, आदिवासियों, अल्पसंख्यकों एवं गरीबों की खुशहाली के लिए संकल्पित है। उन्होंने कहा कि सरकार शहीदों के त्याग और बलिदान को हृदय में आत्मसात करते हुए द्वेष, घृणा, अहंकार, प्रतिशोध से दूर रहने का प्रण लेकर कार्य करेगी। झारखंडी अस्मिता को केंद्र में रखकर सजग, सुलम, स्वच्छ, पारदर्शी और संवेदनशील प्रशासन के माध्यम से राज्य को प्रगति के उच्च शिखर पर ले जाने के लिए संकल्पित है।

शेष पेज 5 पर

जेपीएससी अध्यक्ष की नियुक्ति शीघ्र करे राज्य सरकार: झारखंड हाईकोर्ट

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने एक मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि राज्य सरकार अति शीघ्र जेपीएससी अध्यक्ष पद पर नियुक्ति करे। कोर्ट ने यह बात बुधवार को जेपीएससी 11 से 13 सिविल सेवा परीक्षा का साक्षात्कार एवं रिजल्ट जल्द प्रकाशन करने को लेकर दाखिल पवन कुमार वर्मा की रिट याचिका की सुनवाई के दौरान कही।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने झारखंड सरकार को जल्द से जल्द जेपीएससी अध्यक्ष के रिक्त पद को भरने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि जेपीएससी में अध्यक्ष का पद पिछले तीन माह से रिक्त रहने से कई नियुक्ति प्रक्रिया बाधित हो रही है। झारखंड वेलफेयर स्टेट है। यहां विधानसभा चुनाव होने के बाद एक पॉपुलर सरकार भी बन चुकी है। एक बेहतर स्टेट होने के नाते झारखंड में जेपीएससी अध्यक्ष के रिक्त पद को जल्द से जल्द भरे जाने की उम्मीद की जा रही है।

कोर्ट ने कहा कि जेपीएससी के कैलेंडर के तहत अगस्त माह में साक्षात्कार प्रक्रिया पूरी हो जानी थी। जेपीएससी के अध्यक्ष के पद रिक्त होने से कई अभ्यर्थियों को उम्र सीमा के नुकसान होने एवं उनके करियर पर असर पड़ने की भी संभावना है। झारखंड में नई सरकार का गठन हो चुका है। कैबिनेट की बैठक भी हो रही है और सदन की कार्रवाई भी चल रही है। इसके अलावा संवैधानिक पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। ऐसे में जेपीएससी के अध्यक्ष पद पर क्यों अब तक नियुक्ति नहीं हो रही है?

सुनवाई के दौरान जेपीएससी की ओर से अधिवक्ता संजय पिपरवाल ने कोर्ट को बताया कि जेपीएससी नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने के उचित कार्रवाई कर रही है। ऐसे में जेपीएससी अध्यक्ष का रिक्त पद जैसे ही भरा जाएगा। नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने की कार्रवाई तत्काल शुरू हो जाएगी। सुनवाई के दौरान प्रार्थी के अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने पक्ष रखा।

संजय मल्होत्रा बने आरबीआई के 26वें गवर्नर, संभाला कार्यभार

नीति में स्थिरता और निरंतरता की जरूरत: आरबीआई गवर्नर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। संजय मल्होत्रा ने बुधवार को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के 26वें गवर्नर के तौर पर बुधवार को कार्यभार संभाल लिया। मल्होत्रा ने छह साल तक आरबीआई के गवर्नर रहे शक्तिकांत दास की जगह ली है। इस मौके पर मल्होत्रा ने आरबीआई की विरासत को कायम रखकर इसे आगे ले जाने का वादा किया।

संजय मल्होत्रा ने आरबीआई गवर्नर का पदभार संभालने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि वे आरबीआई की विरासत को कायम रखेंगे और इसे आगे ले जाएंगे। शक्तिकांत दास से पदभार ग्रहण करने के बाद मल्होत्रा ने कहा, नीति में स्थिरता और निरंतरता बहुत महत्वपूर्ण है। इस संस्था में विश्वास बनाए रखने के लिए जनहित में निर्णय लिए जाएंगे। उनके साथ डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. एम राजेश्वर राव और टी. रबी शंकर भी मौजूद रहे।

इससे पहले रिजर्व बैंक हेड क्वार्टर पहुंचने पर संजय मल्होत्रा का आरबीआई के वरिष्ठ कर्मचारियों ने स्वागत किया। मल्होत्रा ने 3 सालों के लिए आरबीआई के गवर्नर का पदभार संभाला है। राजस्थान के 1990 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी मल्होत्रा के पास बिजली, वित्त तथा कराधान जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ सार्वजनिक नीति में तीन दशक से अधिक का अनुभव है।

हालांकि, मल्होत्रा ऐसे समय में आरबीआई के गवर्नर का पद संभाल रहे हैं, जब देश महंगाई के साथ-साथ सुस्त अर्थव्यवस्था का सामना कर रहा है। अक्टूबर महीने में खुदरा महंगाई दर बढ़कर 14 महीने के उच्चतम स्तर 6.21 फीसदी पर पहुंच गई है। चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में देश की आर्थिक वृद्धि दर घटकर सात तिमाहियों के नीचले स्तर 5.4 फीसदी पर आ गई है। इसको ट्रैक पर लाने की जिम्मेदारी नए आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की होगी।

झामुमो संघर्ष से उपजी पार्टी है: हेमंत

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बुधवार को पार्टी के नेताओं-कार्यकताओं की हौसला अफजाई की। उन्होंने रांची में झामुमो केंद्रीय समिति की विस्तारित बैठक में कहा कि झामुमो संघर्ष से उपजी पार्टी है। यही कारण है कि हमने हमेशा हक-अधिकार के लिए लड़ाई लड़ी है। लड़कर जीत हासिल की है और कभी हार नहीं मानी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गत विधानसभा चुनाव में आप सभी कर्मठ नेताओं और जुझारू कार्यकताओं की कड़ी मेहनत के साथ करोड़ों राज्यवासियों के आशीर्वाद से झारखंड में मजबूत अबुआ सरकार का गठन हुआ। आप सभी को इसके लिए हार्दिक बधाई और जोहार। आने वाले समय में हमें झामुमो परिवार की जड़ों को राज्य के प्रत्येक कोने में पंहुचाकर मजबूत करने का काम करना है। वंचित और शोषित सहित समाज के सभी वर्गों को हक-अधिकार देने का काम करना है।

विधानसभा सत्र का तीसरा दिन हंगामेदार, सदन में 11,697 करोड़ का अनुपूरक बजट पेश

बिभा संवाददाता

रांची: झारखंड विधानसभा के विशेष सत्र का आज तीसरा दिन है। झारखंड विधानसभा में वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर ने 11 हजार 697 करोड़ 45 लाख का अनुपूरक बजट पेश किया। इसके अलावा आज सदन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार का अभिभाषण हुआ। विशेष सत्र के तीसरे दिन मांडू से आजसू के विधायक निर्मल महतो ने विधानसभा के बाहर बैठकर धरना दिया। निर्मल महतो ने हाथ में जेएसएससी सीजीएल परीक्षा रद्द की जाए की तख्ती लेकर नारेबाजी की। हजारीबाग में बीते मंगलवार को हुए लाठीचार्ज को लेकर निर्मल महतो आक्रोशित है। उनका कहना है कि वर्तमान सरकार छात्रों को लेकर संवेदनशील नहीं है। जेएसएससी- सीजीएल परीक्षा रद्द की जानी चाहिए। विधायक निर्मल महतो ने आगे कहा कि जेएसएससी सीजीएल रद्द करना पड़ेगा नहीं तो झारखंड जलेगा और इसकी जिम्मेदार सरकार होगी। उन्होंने इस मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। वहीं, सदन की कार्यवाही कल यानी गुरुवार की सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा के लिए हस्तक्षेप करे केंद्र सरकार: ममता

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बांग्लादेश में हिंसा प्रभावित अल्पसंख्यकों (हिंदुओं) को सुरक्षा प्रदान करने की मांग की है। उन्होंने बुधवार को दिघा में कहा कि केंद्र सरकार को बांग्लादेश के उन अल्पसंख्यकों को वापस लाना चाहिए जो भारत लौटना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि बांग्लादेश की स्थिति को लेकर कुछ समूह जानबूझकर फर्जी वीडियो फैला रहे हैं, ताकि सांप्रदायिक तनाव उत्पन्न किया जा सके। उन्होंने कहा, हम बांग्लादेश के अल्पसंख्यकों के लिए सुरक्षा चाहते हैं। केंद्र सरकार को कदम उठाना चाहिए और जो लोग भारत लौटना चाहते हैं, उन्हें वापस लाना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू, जो लगभग आठ प्रतिशत हैं, पांच अगस्त को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से हिंसा का शिकार हो रहे हैं। बांग्लादेश के करीब 50 जिलों में इन समुदायों पर हमले किए गए हैं।

ममता बनर्जी इन दिनों दिघा के दो दिवसीय दौरे पर हैं, जहां उन्होंने जगन्नाथ मंदिर के निर्माण कार्य की समीक्षा की।

कांग्रेस ने लोकसभा में आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक का किया विरोध

एजेंसी

नई दिल्ली : कांग्रेस ने लोकसभा में आज आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि इस विधेयक में प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन सही नहीं हैं इसलिए इससे कोई फायदा नहीं होगा।

कांग्रेस के शशि थरूर ने आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक 2024 पर चर्चा की शुरूआत करते हुए कहा कि सरकार को आपदा प्रबंधन को बेहतर करने की आवश्यकता है। इसमें इतनी जटिलता है कि इसे किसी प्रभावित क्षेत्र में लागू होने में बहुत समय लग जाता है। इससे पीड़ितों को समय पर लाभ नहीं मिल पाता है। इस विधेयक में जटिलता बहुत है और सारी शक्तियां केंद्र सरकार के पास रखी गयी है। इससे राहत कार्यों में देरी होगी।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गृह मंत्रालय के अधीन होगा जिसमें छोटे से छोटे कामों के लिए गृह मंत्रालय से अनुमति लेनी पडेगी जो बहुत जटिल काम है। इसमें साफ नहीं किया गया है कि किस प्रकार प्राधिकरण काम करेगा। इसमें कार्यो को विकेंद्रीकरण करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि हम केरल के वायनाड में आई आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग करते रहे लेकिन इसकी अनदेखी कर दी गई।उन्होंने कहा कि शहरी विकास आपदा समिति बनाने के साथ ही उसको वित्तीय शक्तियां भी होनी चाहिए ताकि वह बेहतर काम कर सके। उन्होंने कहा कि आपदा राहत अभी भी मूल अधिकार नहीं है। यह एक मुद्दा है इसलिए इसे ठीक करने की जरूरत है। आपदा राहत सभी नागरिकों का मूल अधिकार होना चाहिए।

उन्होंने कहा कि उनके संसदीय क्षेत्र में आपदा में 65 किलोमीटर समुद्री तट खो दिया लेकिन सरकार इस पर बात भी नहीं करती है जो सही नहीं है। बाढ और भूकंप को हम रोक सकते हैं लेकिन सरकार इसे रोकने में रुचि नहीं दिखाती है। जलवायु परिवर्तन की वजह से भीषण स्थिति पैदा हो रही है। केरल में अब भी भूस्खलन हो सकता है इसलिए सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। इस विधेयक में प्रशासनिक और वित्तीय प्रबंधन सही नहीं हैं इसलिए इससे कोई फायदा नहीं होगा। सरकार को नीति गत ढांचा ठीक करना चाहिए और शक्तियों का विकेन्द्रीकरण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार को इस विधेयक को वापस ले लेना चाहिए।

भाजपा के त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि इस विधेयक में शहरी आपदा प्रबंधन प्राधिकरण स्थापित करने का प्रस्ताव है जो नई अवधारणा है। निश्चित रूप से यह बहुत कारगर साबित होगा। राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल के गठन से राज्यों को फायदा होगा। राज्य की परिस्थितियां स्थानीय प्रशासन बेहतर ढंग से समझते हैं। इससे सभी राज्यों को फायदा होगा और खासकर पहाड़ी राज्यों को अधिक फायदा होगा। सरकार ने व्यवस्था को विकेन्द्रीकरण करने की कोशिश की है जिससे स्थानीय स्तर पर फायदा होगा।

युवा इनोवेटर्स से सीखने को मिलता है : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 के प्रतिभागियों से वर्चुअल माध्यम से संवाद में कहा कि आज का भारत सबके प्रयास से ही आगे बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि युवा इनोवेटर्स से सीखने को मिलता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि युवा इनोवेटर के पास 21वीं सदी के भारत को देखने का अलग नजरिया है, इसलिए आपके समाधान भी अलग होते हैं। ऐसे में जब आपको नई चुनौतियां मिलती हैं तो उनके नये और अनोखे समाधान खोजकर दिखाते हैं। उन्होंने कहा कि वह पहले भी हैकथॉन में भाग ले चुके हैं और युवा इनोवेटर्स ने उन्हें कभी निराश नहीं किया। उन्होंने मनोबल बढ़ाया है। मोदी ने कहा कि हर बच्चा खास होता है और उसे बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिलना चाहिए। किसी को भी पीछे नहीं छोड़ा जाना चाहिए या खुद को उपेक्षित महसूस नहीं करना चाहिए। इसे हासिल करने के लिए लगातार नए-नए समाधानों की जरूरत होती है। इनोवेटर्स की टीम के समाधान लाखों बच्चों के जीवन को बदल देंगे। आपकी पिछली टीमों द्वारा प्रस्तुत समाधान अब विभिन्न मंत्रालयों में उपयोग किए जा रहे हैं, जिससे पूरे देश में महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ रहा है।

संक्षिप्त खबरें

पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान के तीसरे दिन कुल 12 मामलों में मिली सफलता

रांची/बिभा संवाददाता। माननीय झालसा के निर्देश पर माननीय न्यायायुक्त- सह-अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के मार्गदर्शन में पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान का शुभारम्भ 09 से 13 दिसंबर तक चलेगा। इस अभियान के पहले दिन विभिन्न न्यायालयों से 18 मामले हस्तांतरित होकर मध्यस्थता केंद्र, रांची में आये थे, जिसमें 16 मामलों को सुलझाये गये थे। दूसरे दिन 19 मामले विभिन्न न्यायालयों से भेजे गये थे, जिसमें 14 मामलों को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के मध्यस्थों के द्वारा सुलझाया गया था। ज्ञात हो कि बुधवार को मध्यस्थता केंद्र, रांची में विभिन्न न्यायालयों से 12 मामले भेजे गये थे, जिसमें सभी 12 मामलों को मध्यस्थों के सुझबुझ तथा अथक प्रयास से सुलझा लिया गया और दोनों पक्ष राजी-खुशी से अपने मामले को समाप्त करने के लिए तैयार हो गये। अन्य मामलों में अभी अंतिम स्तर की बात-चीत बाकी है, इसलिए वे मामले विशेष मध्यस्थ के पास अगले स्तर के सुनवाई के लिए लंबित है। मालूम हो कि पांच दिवसीय विशेष मध्यस्थता अभियान का आज तीसरा दिन था।

सीपीएम का तीन दिवसीय राज्य सम्मेलन 9 से 11 जनवरी तक रांची में

रांची/बिभा संवाददाता। प्रसिद्ध साहित्यकार और ट्राइबल रिसर्च संस्थान के पूर्व निदेशक डा.रणेन्द्र होंगे स्वागत समिति के चेयरमैन एक बेहतर झारखंड के लिए समर्पित सीपीएम का तीन दिवसीय राज्य सम्मेलन 9 से 11 जनवरी तक नामकोम रांची में होगा. सम्मेलन में पुरे राज्य से जिला सम्मेलनों से निर्वाचित 347 प्रतिनिधि और 19 दर्शक शामिल होंगें। जो राज्य भर में फैले सीपीएम के 5505 पार्टी सदस्यों का प्रतिनिधित्व करेंगें जिनमें 67 महिला प्रतिनिधि होंगी. सम्मेलन की तैयारी के लिए प्रसिद्ध साहित्यकार और भारतीय प्रशासनिक सेवा के पूर्व अधिकारी व ट्राइबल रिसर्च संस्थान के पूर्व निदेशक डा. रणेन्द्र की अध्यक्षता में 115 सदस्यीय स्वागत समिति का गठन किया गया है. स्वागत समिति में प्रगतिशील और जनवादी साहित्य कला एवं संस्कृति के क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों , ट्रेड यूनियनों, महिलाओं, युवाओं और छात्रों के जनसंगठनो व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया है। स्वागत समिति के सचिव पार्टी की रांची (पश्चिम) जिला कमिटी के जिला सचिव प्रफुल्ल लिंडा एवं संयुक्त सचिव रांची (पूर्वी) के जिला सचिव दिवाकर सिंह मुंडा तथा कोषाध्यक्ष अमल आजाद होंगे. सम्मेलन स्थल का नाम पार्टी के दिवंगत महासचिव सीताराम येचुरी के नाम पर होगा. सम्मेलन के सभागार का नाम पं. बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य के स्मृति पर रखा गया है. सम्मेलन के मंच का नाम शहीद सुभाष मुंडा मंच होगा। 9 -10 दिसम्बर को रांची मे संपन्न हुई राज्य कमिटी की बैठक जिसमें पार्टी के दो पोलिट ब्यूरो सदस्य और पूर्व सांसद बृंदा कारात और डा.रामचंद्र डोम भी दिशानिर्देश के लिए उपस्थित थे. जिसमें विधानसभा चुनाव की समीक्षा की गई. झारखंड में भाजपा गठबंधन को पराजित कर राज्य में एक धर्मनिरपेक्ष सरकार के गठन के काम को पुरा किए जाने के लिए राज्य के मतदाताओं का अभिनंदन किया गया।

इस्कॉन रांची द्वारा गीता जयंती महामहोत्सव का आयोजन

रांची/बिभा संवाददाता। कांके रोड स्थित इस्कॉन रांची द्वारा गीता जयंती के शुभ अवसर पर विश्व शान्ति और गीता के ज्ञान के प्रचार प्रसार के लिए विशेष यज्ञ संपन्न किया गया। इसमें 300 से अधिक भक्तों ने भाग लिया और गीता के श्लोकों का उच्चारण किया। इस्कॉन रांची ने इस शुभ अवसर पर 21000 भगवद्गीता वितरण करने का संकल्प लिया है और साथ ही भगवद्गीता के शिक्षाओं पर आधारित स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए विशेष क्विज कंपटीशन का आयोजन कराने जा रही है। इसमें 30 से अधिक स्कूल और 10 से अधिक कॉलेज के 4000 से अधिक विद्यार्थी भाग ले रहे है। जीतने वाले विद्यार्थियों को आकर्षक पुरस्कार दिया जाएगा। इस्कॉन रांची के प्रबंधक मधुसुदन मुकुंद दास ने कहा कि हमारे जीवन में संस्कार, सफलता, शान्ति तभी आएगी जब हम भगवद्गीता के शिक्षाओं को अपने जीवन में उतारेंगे। हम सभी देश वासियों का यह कर्तव्य है कि हम भगवद्गीता के इस दिव्य ज्ञान को खुद पड़े और दूसरों को भी भगवद्गीता गीता पढ़े और वितरण कर ने के लिए प्रोत्साहित करे। इस संदेश के परिणाम स्वरूप कई भक्तों ने अपनी अपनी क्षमतानुसार विभिन्न संख्याओं में भगवद्गीता वितरण के लिए स्पॉन्सरशिप का संकल्प लिया। कार्यक्रम के बाद सभी भक्तों में स्वादिष्ट प्रसाद का वितरण किया गया।

प्रतिनिधि मंडल ने ग्रामीण विकास विभाग मंत्री दीपिका पांडे से मुलाकात किया

रांची/बिभा संवाददाता। झारखंड जिला परिषद के अध्यक्षों का प्रतिनिधि मंडल ने बुधवार को प्रोजेक्ट भवन में ग्रामीण विकास विभाग मंत्री दीपिका पांडे से मुलाकात किया। प्रतिनिधि मंडल ने मंत्री से जिला परिषद एवं झारखंड के सभी पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकार एवं पंचायती राज व्यवस्था को सख्त बनाने की मांग की। इस प्रतिनिधि मंडल में शांति देवी गढ़वा अध्यक्ष, सरला सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष धनबाद, निर्मला भगत रांची, शांति देवी गढ़वा, पूनम देवी आदि लोगों ने मुलाकात की है।

नायक फिल्म के हीरो की तरह फूल एक्शन में नजर आए मंत्री योगेंद्र प्रसाद

कांके रोड के एक शराब दुकान में मारी छापेमारी, मचा हड़कंप

बिभा संवाददाता

रांची। पीएचईडी, उत्पाद तथा मद्द निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद फूल एक्शन में हैं। वे शाम में नायक फिल्म के हीरो किरदार की तरह कांके रोड स्थित एक शराब दुकान में छापेमारी करते दिखे। जहां उन्होंने स्टॉक का मिलान करवाया। रजिस्टर में व्हाइटनर दिखने पर उन्होंने गड़बड़ी का संदेह प्रकट किया और वरीय पदाधिकारियों को जांच करने का निर्देश दिया। दरअसल, उन्होंने बुधवार को उत्पाद एवं मद्द निषेध विभाग के अपने कार्यालय में अधिकारियों के साथ मीटिंग की। जिसमें राजस्व प्राप्ति के लक्ष्यों से संबंधित चर्चाएं की। राजस्व प्राप्ति को प्रभावित करने वाले कारकों को उन्होंने चिन्हित करने को लेकर अधिकारियों से स्टॉक और संबंधित जानकारियां ली। लेकिन संतोष नहीं होने पर एवं शिकायतों के आलोक में उन्होंने कांके रोड स्थित एफएलएक्स 38 शराब दुकान के औचक निरीक्षण पर पहुंच गए 5:45 और स्टॉक एवं अन्य चीजों को टटोलन किया जा रहा है स्टॉक जांच में काफी समय लग सकता है। जांच में उत्पाद विभाग के उपायुक्त राकेश कुमार, संजय मेहता, इंस्पेक्टर रजनीश कुमार और संजय कुमार उपस्थित थे।

मंत्री से मिले झारखंड शराब व्यापारी संघ के महासचिव

झारखंड शराब व्यापारी संघ के महासचिव सुबोध कुमार जायसवाल ने उत्पाद मंत्री के उत्पाद विभाग में पद भर लेने के दौरान उन्होंने विभाग के अधिकारियों से मिलने के बाद अचानक दुकान के निरीक्षण के लिए कांके रोड पहुंचने पर संघ ने बहुत सराहनीय कदम मंत्री का बताया गया और साथ ही उम्मीद है कि बहुत सारी जांच यह मंत्री द्वारा अभी की जाएगी और बहुत जल्द ही संघ के प्रतिनिधि उत्पाद मंत्री से मिलकर स्थिति से अवगत कराएंगे और राज्य में नई नीति आगामी वितीय वर्ष 25 से लाने की मांग करेंगे निरीक्षण के दौरान उन्होंने राज्य के जनता को विश्वास होने लगा है। बहुत जल्द ही संघ के प्रतिनिधि मंत्री से मिलकर सारी समस्याओं से स्वागत करेंगे और जल्द ही राज्य में नए उत्पाद नीति लाकर राज्य के जनता के बीच शराब की दुकान लॉटरी के माध्यम से मिलने की उम्मीद जगी है। साथ-साथ सॉन्ग ने यह भी कहा कि राज्य के 1452 दुकान की जांच होनी चाहिए।

झारखंड में लगातार बढ़ रही ठंड अगले पांच दिनों तक मौसम साफ

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में बारिश के बाद लगातार ठंड बढ़ रही है। साथ ही ठंडी हवाओं के साथ तापमान लगातार गिर रहा है। इसमें अभी और गिरावट की संभावना है। अगले पांच दिनों तक मौसम साफ रहने की संभावना है। राज्य में कम से कम 4 डिग्री तक तापमान में गिरावट आएगी। राज्य का सबसे कम न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। अधिकतम तापमान अभी 27.6 डिग्री सेल्सियस है। इस संबंध में रांची मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बुधवार को बताया कि अगले पांच दिनों में अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री की गिरावट आएगी। इस वजह से लोगों को ठंड का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने बताया कि झारखंड में अगले पांच दिनों तक बारिश के आसार नहीं हैं। सुबह में कोहरा रहेगा लेकिन बाद में मौसम साफ हो जायेगा। मौसम विभाग के अनुसार, राजधानी रांची का न्यूनतम तापमान बुधवार को 9.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। पिछले 24 घंटे के दौरान जमशेदपुर के अधिकतम तापमान में छह डिग्री की वृद्धि हुई है। राजधानी रांची के अधिकतम तापमान में 2.4 डिग्री, डाल्टेनगंज में 1.4 डिग्री और बोकारो में 3.6 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि हुई है। न्यूनतम तापमान की बात करें, तो रांची में 3.9 डिग्री सेल्सियस, जमशेदपुर में 3.4 डिग्री, डाल्टेनगंज में 2.7 डिग्री और बोकारो में 3.1 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। अधिकतम तापमान में वृद्धि के बाद रांची का उच्चतम तापमान 22.4 डिग्री, जमशेदपुर का 26.7 डिग्री, डाल्टेनगंज का 25.2 डिग्री, बोकारो का 23.1 डिग्री और चाईबासा का 27.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है।

पुलिस अधीक्षक सभागार में अपराध गोष्ठी का आयोजन

बिभा संवाददाता

रामगढ़। अजय कुमार, पुलिस अधीक्षक, रामगढ़ के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय, रामगढ़ स्थित सभागार में अपराध गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य रूप से कोर्ट से संबंधित मामलों, लंबित काण्डों, अतिसंवेदनशील काण्डों (हत्या, पोक्सो, आगजनी, नक्सल, अपराधिक, महिला उत्पीड़न, साइबर धोखाधड़ी, एनडीपीएस, लूट, डकैती, गृहभेदन, चोरी इत्यादि) की समीक्षा की गई तथा जनशिकायत के प्राप्त मामलों पर अविलम्ब कार्रवाई करने, लंबित सम्मन, वारण्ट, कुर्की, पास्पोर्ट, चरित्र सत्यापन, पीजी पोर्टल, आयोग से संबंधित मामलों, लंबित मालखाना का त्वरित कार्रवाई करते हुए निष्पादित करने, महिला उत्पीड़न (पोक्सो एवं बलात्कार) के मामलों को 02 माह के अन्दर निष्पादन करने, सड़क सुरक्षा से संबंधित उपायों एवं जगरूकता अभियान चलाने, जेल से छुटे अपराधियों, दागियों, गिरोह के सदस्यों का सत्यापन करने, सीसीटीएनएस अन्तर्गत आईआईएफ-1 से 7 फॉर्म को अद्यतन करने, दुकानदारों से अनुरोध कर धारा-144 सीआरपीसी या 163 बीएनएसएस का उपयोग करते हुए दुकानों के सामने सीसीटीवी लगवाने, हिट एण्ड रन मामलों के पीड़ितो को सस्मय मुआवजा दिलवाने, डायल 112 में प्राप्त होने वाले शिकायतों का स-समय निपटारा करने, गिरफ्तार आरोपियों के फिंगर प्रिंट को एनएएफआईएस पर अपडेट करने, पुराने मामलों में आरोपियों को सस्मय अदालत में उपस्थित कराने, अस्पतालों की सुरक्षा, नया आपराधिक कानून के तहत ई-सक्ष्य ऐप का उपयोग करने हेतु निर्देशित किया गया। सभी थाना / ओ०पी० प्रभारी को अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमणशिल रहकर वाहन चेकिंग करने तथा आसूचना संकलन करते हुए चोरी, लूट, गृहभेदन एवं डकैती के काण्डों को अंजाम देने वाले गिरोह के संबंध में जानकारी एकत्रित करते हुए साक्ष्य के अधार पर गिरफ्तार करने साथ ही थाना / ओ०पी० क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों के संबंध में जानकारी एकत्रित कर निगरानी रखते हुए सुरक्षा मुहैया कराने, क्रिसमस एवं नव वर्ष को लेकर पिकनिक स्पॉट पर निगरानी रखते हुए विधि-व्यवस्था का संधारण करने हेतु निर्देशित किया गया है। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक (मु०), अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, रामगढ़/पतरातु, लोक अभियोजक, रामगढ़, परिचारी प्रवर, पुलिस केन्द्र, रामगढ़, पु०नि० - सह - थाना प्रभारी, रामगढ़/ रजरप्पा, सभी थाना / ओ०पी० प्रभारी एवं सभी शाखा प्रभारीबैठक में उपस्थित रहें।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार माँ बेटे की मौत

बिभा संवाददाता

चान्हो। चान्हो थाना क्षेत्र के चटवाल मोड़ के निकट बुधवार की दोपहर 12:00 हुए सड़क हादसे में ओपा निवासी सुदामा गोस्वामी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार सुदामा अपनी मां लक्ष्मी देवी को लेकर चान्हो प्रखंड मुख्यालय जा रहा था, इसी दौरान एक ट्रक यूपी के शक्तिनगर से कोयला लेकर बंगाल दुर्गापुर जा रहा था। इसी क्रम मे ट्रक अनियंत्रित होकर उनकी बाइक के ऊपर पलट गया इस दुर्घटना में सुदामा की मौके पर ही मौत हो गई वहीं उसकी मां कोयला ट्रक के नीचे दब गई थी स्थानीय लोगों की मदद से किसी तरह उसे निकाला गया और प्राथमिक उपचार के लिए चान्हो सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज हेतु लक्ष्मी देवी को रिम्स रेफर कर दिया जहा उनका इलाज के दौरान मौत हो गई।बताया जाता है कि तीन माह पूर्वी सुदामा गोस्वामी की शादी हुई थी उसकी मां लक्ष्मी देवी चान्हो प्रखंड मुख्यालय में चना बेचने का काम करती है साथ ही वह इस कार्य में अपनी मां का सहयोग किया करता था दोनों मां बेटे एक साथ चान्हो प्रखंड मुख्यालय ही जा रहे थे। हादसे के बाद से पूरे गांव में गम का माहौल है।

प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना : उपायुक्त ने किया जागरूकता वाहन को रवाना

रामगढ़। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के प्रति लोगों को जागरूक करने तथा प्रत्येक व्यक्ति का बीमा सुनिश्चित करने को लेकर बुधवार को उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार ने समाहरणालय परिसर से जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर व फीता काटकर रवाना किया। जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक कार्यालय द्वारा चलाए जा रहे जागरूकता वाहन के द्वारा अगले 15 दिनों तक जिले के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जाकर लोगों व ग्रामीणों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा के फायदों, बीमा कराने आदि के प्रति जागरूक किया जाएगा। उक्त अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक दिलीप माली सहित अन्य उपस्थित थे।

पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण का शुभारंभ

बिभा संवाददाता

रामगढ़। जिला समाज कल्याण कार्यालय, रामगढ़ द्वारा बुधवार को पोषण भी पढ़ाई भी कार्यक्रम के तहत जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, रामगढ़ इन्दु प्रभा खलखो के द्वारा आंगनबाड़ी सेविकाओं के प्रथम बैच के तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर होटल टी एंड ट्रीट कोठार रामगढ़ में किया गया। उनके द्वारा जानकारी दी गयी कि ये प्रशिक्षण कार्यक्रम पाँच बैच में चलाया जाना है, जो 11 दिसंबर से प्रारंभ होकर 04 जनवरी तक निर्धारित है, जिसमें 500 आंगनबाड़ी सेविकाएँ सम्मिलित होगी।
देश भर में पोषण और प्रारंभिक बचपन की शिक्षा में सुधार के उद्देश्य से वर्ष 2022 में रपोषण भी पढ़ाई भीर की शुरूआत की गयी है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 0-3 एवं 03 से 06 वर्ष के बच्चों के लिए नवचेतना एवं आधारशिला के अन्तर्गत प्रारंभिक बचपन की देखभाल, शिक्षा, पोषण, बच्चों के विकास के सभी आयामों, पोषण ट्रेकर एप, एसएएम/एमएएम बच्चे, एमसीपी कार्ड, स्थानीय चीजों का प्रयोग कर आंगनबाड़ी केन्द्रों को लर्निंग सेन्टर के तौर पर विकसित करने के संबंध में जानकारी दी जाएगी।
इस दौरान मास्टर ट्रेनर के रूप में रीतू दुबे, प्रकाश कुमार, सुशीला कुमारी, बिमला कुमारी, उषा प्रसाद एवं प्रतिभागी के रूप में पतरातु परियोजना को आंगनबाड़ी सेविकाएँ उपस्थित थी।

राजद की सदस्यता अभियान को लेकर जिला अध्यक्षों और प्रकोष्ठ अध्यक्षों की बैठक संपन्न

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल कार्यालय रांची में प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक संजय सिंह यादव की अध्यक्षता में सदस्यता अभियान को लेकर सभी जिला अध्यक्ष और प्रकोष्ठ अध्यक्षों की बैठक संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए संजय सिंह यादव ने कहा कि सदस्यता अभियान बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक चलाना है और संगठन को मजबूत करना है इन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान का रसीद जिला अध्यक्ष के माध्यम से सभी प्रकोष्ठ अध्यक्ष लेंगे और उन्हीं के माध्यम से प्रदेश कार्यालय में डिपॉजिट भी करेंगे ।आने वाले नगर पंचायत और नगर निगम के चुनाव की तैयारी में अभी से ही राष्ट्रीय जनता दल के नेताओं कार्यकर्ताओं को करना चाहिए। एक-एक कार्यकर्ता नेता को पूरे जिम्मेवारी के साथ सदस्यता अभियान चलाना है और आदरणीय नेता लालू प्रसाद यादवऔर बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव जी के हाथों को मजबूत करना है और सदस्यता अभियान का जो लक्ष्य है उसे हर हाल में पूरा करना है सुदूर ग्रामीण क्षेत्र से लेकर शहर तक जिला अध्यक्ष नगर अध्यक्ष महानगर अध्यक्ष को एक लक्ष्य बनाकर चलना चाहिए कि हमें कितना सदस्य झारखंड में बनाना है सभी को निर्देश दिया कि सभी तन मन से लगकर सदस्यता अभियान में लग जाए और अधिक से अधिक सदस्य बनाएं। राष्ट्रीय जनता दल के प्रधान महासचिव और झारखंड सरकार में श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग और उद्योग विभाग के माननीय मंत्री संजय प्रसाद यादव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की रीड होती है और बगैर कार्यकर्ता के कोई भी व्यक्ति चुनाव नहीं जीत सकता है। इसलिए तन मन से सभी नेताओं कार्यकर्ताओं को अपने अभियान में लग जाना चाहिए और अधिक से अधिक संख्या में झारखंड में सदस्य बनाने का लक्ष्य रखकर सदस्यता अभियान चलाना चाहिए। गांव से लेकर शहर तक सदस्यता अभियान चलाना है और पूरे झारखंड में राष्ट्रीय जनता दल के संगठन को मजबूत करना पार्टी है तो हम हैं ,आप हैं, इसलिए पार्टी को मजबूत करने के लिए तन मन धन से सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को पार्टी के मजबूत करने में लग जाना चाहिए।

सड़कों से पशुओं को जप्त कर कांजी हाउस में रखने का उपायुक्त ने दिया निर्देश

बिभा संवाददाता

रामगढ़। नगर परिषद रामगढ़ एवं छावनी परिषद रामगढ़ अंतर्गत चल रहे विकास कार्यों को लेकर बुधवार को उपायुक्त, रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान सर्वप्रथम उपायुक्त द्वारा पूर्व की बैठक में दिए गए निर्देशों के आलोक में हुए कार्यों की समीक्षा की गई जिसके उपरांत कार्यपालक पदाधिकारी नगर परिषद रामगढ़ मनीष कुमार के द्वारा अन्य विकास कार्यों के संबंध में उपायुक्त, उप विकास आयुक्त सहित बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारियों को जानकारी दी गई। शहरी जलापूर्ति योजना के तहत हो रहे कार्यों की समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने पतरातू प्रखंड अंतर्गत पतरातू डैम परिसर में सम्प हाउस निर्माण, चैंगड्डा तथा बंजारी क्षेत्र में वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण करने हेतु तत्काल रूप से भूमि चिन्हित करने का निर्देश दिया।
बैठक के दौरान कार्यपालक पदाधिकारी के द्वारा उपायुक्त को जानकारी दी गई कि नगर परिषद क्षेत्र में बिना अनुमति के होर्डिंग लगाए जाने संबंधित मामले में ऑरेंज मीडिया एजेंसी के विरुद्ध प्राथमिक दर्ज की गई है वहीं रामगढ़ व्यवहार न्यायालय के समीप नगर परिषद रामगढ़ द्वारा निर्मित दुकानों के आवंटन को लेकर शेष बचे दुकानों का आवंटन जल्द से जल्द संपन्न करने का निर्देश उपायुक्त ने दिया। बैठक में उपायुक्त ने रामगढ़ शहर अंतर्गत शनिचरा हाट के सौंदर्यकरण व साफ सफाई पर आवश्यक निर्देश दिए वहीं शहरी क्षेत्र में सड़कों पर पशुओं के आवागमन एवं इससे ट्रैफिक व्यवस्था में हो रही कठिनाइयों को गंभीरता पूर्वक लेते हुए उपायुक्त ने कांजी हाउस, रामगढ़ का संचालन और भी प्रभावी तरीके से सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। मौके पर उपायुक्त ने सड़कों पर आवागमन करने वाले पशुओं को जप्त कर कांजी हाउस में रखने सहित अन्य कार्रवाई को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। रामगढ़ शहरी क्षेत्र को हरा भरा रखने को लेकर बैठक के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न क्षेत्रों में पार्क विकसित करने मरार तालाब सहित अन्य क्षेत्रों का निरीक्षण कर स्टेडियम आदि विकसित करने को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। इन सबके अलावा बैठक के दौरान रामगढ़ शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने, छावनी क्षेत्र अंतर्गत ट्रेकर स्टैंड सहित अन्य क्षेत्रों में साफ सफाई बनाने को लेकर भी चर्चा की गई एवं उपायुक्त द्वारा इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

जमीन घोटाले में 9 आरोपियों की बढ़ीं मुश्किलें, कसेगा शिकंजा

बिभा संवाददाता

रांची। ईडी कोर्ट ने सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की फर्जी तरीके से खरीद-बिक्री करने के 9 आरोपियों की मुश्किलें बढ़ा दी है। रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन सहित नौ आरोपियों की हिरासत अवधि बढ़ा दी गई है। इससे पूर्व मामले में जेल में बंद नौ आरोपितों को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से ईडी कोर्ट में पेश किया गया। अगली पेशी की के लिए दो जनवरी की तिथि निर्धारित की गई है। कोर्ट ने छवि रंजन, कारोबारी अमित अग्रवाल, बड़गाईं अंचल के तत्कालीन राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, सेना के कब्जे वाली जमीन का फर्जी रैयत प्रदीप बागची, जमीन दलाल रिम्स का कर्मी अफसर अली, इम्तियाज अहमद, सद्दाम हुसैन, तलहा खान एवं फैयाज अहमद की हिरासत अवधि बढ़ा दी है। एक आरोपित दिलीप घोष जमानत पर है।

संक्षिप्त खबरें

बुंदेलखंड परिक्षेत्र में तसर रेशम उद्योग के विकास पर चर्चा हुई

रांची/बिभा संवाददाता। उपाध्यक्ष आईबीआरआई सह उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री हरगोविंद कुशवाहा एवं डॉ. एनवी चौधरी, निदेशक, केरेवो केन्द्रीय तसर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, राँची के शिष्टाचार मुलाकात के दौरान बुंदेलखंड परिक्षेत्र में तसर रेशम उद्योग के सर्वांगीण विकास की भावी योजना के बारे में चर्चा हुई। मंत्री ने झांसी एवं आस पास के क्षेत्रों में प्रभावी तसर रेशम उद्योग को बढ़ावा देने हेतु यथासंभव सहयोग हेतु पहल किया एवं तसर के सामाजिक महत्ता पर चर्चा किया। इस बैठक में सहायक निदेशक रेशम सोनभद्र रणबीर सिंह एवं वैज्ञानिक डा जयप्रकाश पांडेय, डा जगदज्योति बी. ने सहभागिता किया। डा चौधरी ने तसर रेशम उद्योग के भावी योजनाओं की चर्चा किया एवं समन्वित कार्ययोजना पर चर्चा किया जिससे तसर कृषकों को वर्ष पर्यन्त रोजगार मिले एवं आय भी बढ़े।

महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में चुने जाने के 100 वर्ष पूरा

रांची/बिभा संवाददाता। 26 दिसंबर 2024 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में चुने जाने का 100 वर्ष पूरा हो रहा है, इस ऐतिहासिक अवसर पर पार्टी द्वारा शताब्दी समारोह तथा 28 दिसंबर 2024 को कांग्रेस का 140वां स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों की सफल बनाने के लिए झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने जिलावार पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है तथा निर्देश दिया है कि कार्यक्रम के निर्धारित तिथि के एक सप्ताह पूर्व जिला कांग्रेस कमिटी की बैठक आयोजित कर कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करें तथा 26 दिसम्बर को शताब्दी समारोह एवं 28 दिसम्बर को कांग्रेस स्थापना दिवस के अवसर पर कांग्रेसजनों के साथ-साथ आमजनों की भागीदारी भी अपनी उपस्थिति में सुनिश्चित करेंगे। उक्त आशय की जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस कमिटी के मुख्य प्रवक्ता लाल किशोर नाथ शाहदेव ने बताया कि रांची जिला(ग्रामीण) के लिए जवाहर लाल महत्था, रांची महानगर-जलेश्वर महतो, लोहरदगा-लाल किशोर नाथ शाहदेव गुमला-अजय नाथ शाहदेव, सिमडेगा-दयामनी बारला, खूँटी-अमुल्य नीरज खलखो, हजारीबाग-शहजादा अनवर, गिरिडीह-सुरेन्द्र सिंह, चतरा-भीम कुमार रामगढ, डॉ0 राजेश गुप्ता, धनबाद- राजीव रंजन प्रसाद, बोकारो-अजय सिंह कोडरमा-अवधेश कुमार सिंह, पलामू-विनय सिन्हा दीपू, गढ़वा-चन्द्र शेखर शुक्ला, लातेहार- डॉ0 एम तौसीफ, पूर्वी सिंहभूम-रवीन्द्र सिंह, प. सिंहभूम-रामाश्रय प्रसाद, सरायकेला-खरसांवा-रवीन्द्र झा, दुमका-सुलतान अहमद, साहेबगंज-राजेश रंजन,गोड्डा-मणिशंकर, देवघर-जयशंकर पाठक पाकुड-शशिभूषण राय, जामताड़ा-मुन्नम संजय को जिला पर्यवेक्षक बनाया गया है।

संत जेवियर्स कॉलेज में भारतीय भाषा उत्सव सम्पन्न

रांची/बिभा संवाददाता। शिक्षा विभाग, सेंट जेवियर्स कॉलेज, राँची के तत्वावधान में सात दिवसीय 'भारतीय भाषा उत्सव' के अंतिम दिन 'भाषा-संस्कृति और हमः क्षेत्रीय उत्सव' विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम में संसाधन सेवी के रूप में उपस्थित हिन्दी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. संजय कुमार ने भाषा और संस्कृति में संबंध पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने निज भाषा पर गर्व करने तथा अपनी भाषा-संस्कृति को जीवंत रखने पर जोर दिया। विभागाध्यक्ष डॉ. फा. फ्लोरेंस पूर्ति ने आगत अतिथियों का स्वागत किया तथा कार्यक्रम से परिचित कराया। कार्यक्रम में मुख्य रुप से डॉ. अनुपमा भार्गव, डॉ. नीलिमा ज्योत्सना टोप्पो, डॉ. नन्दिता पांडेय, प्रो. सुधा रानी खलखो, डॉ. सुधांशु सिरिल कुजूर, डॉ. विक्रम बहादुर नाग, प्रो. रूमा भट्टाचार्य, प्रो. शिल्पा किंडो इत्यादि प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। मंच संचालन बी.एड. प्रथम वर्ष के विद्यार्थी प्रियांशु एवं नेहा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम के इंचार्ज प्रो. जगबंधु महतो ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुप्रिया, अनिकेत, गुलशन, आशीष, अमिषा, चेतना, जॉनसन, शफक, ईला, बुशरा,विद्या, विनय, सचिन, अक्षय इत्यादि विद्यार्थियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रक्त दान : समाजसेवी व दिव्यांग पैरा खिलाड़ी ने किया रक्त दान

रांची/बिभा संवाददाता। सेवा सदन रांची में डुमरी विधायक जयराम महतो के निजी सहायक के करीबी रिश्तेदार को खून की आवश्यकता थी खून न मिलने के कारण मरीज का ऑपरेशन रुका हुआ था जिसके बाद सोशल मीडिया के माध्यम से जैसे पता चला कि वहां खून देना हैं तो दिव्यांग पैरा खिलाड़ी व शिक्षा समाधान ट्रस्ट के सदस्य शिबू कुमार और समाजसेवी सृजन कुमार ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए रक्त दान किया और संदेश भी आम लोगो तक पहुंचाया कि अगर जिंदगी मिली हैं तो अच्छे कर्म करते रहिए क्योंकि गिनती कर्मों की होगी ना की दौलत से, उन्होंने कहा कि ब्लड डोनेशन से आपको कई फायदे हो सकते हैं। जैसे यह दिल के दौरे के जोखिम को कम करता है। साल में कम से कम एक बार रक्तदान करने से आपके रक्त प्रवाह में सुधार और धमनियों की रुकावटों को कम करने में मदद मिल सकती है। आपके आयरन के स्तर को संतुलित करता है।

थाने में घुसकर पुलिस को पीटा, गोली मारने की दी धमकी

बिभा संवाददाता

रांची। डोरंडा थाने में घुसकर एक युवक ने न सिर्फ पुलिस वाले को कॉलर पकड़कर पीटा, बल्कि उसे गोली मारकर हत्या करने की भी धमकी दी। घटना सोमवार शाम की है। यह घटना सोमवार को तब हुई, जब आरोपी अमान अहमद खान की मां उसकी ही शिकायत लेकर थाने पहुंची थी।

मामले में आरोपी युवक अमान अहमद खान के विरूद्ध डोरंडा थाने में सोमवार को प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। बताया जा रहा है कि सोमवार की शाम चार बजे आरोपी डोरंडा थाने पहुंचा। शिकायतकर्ता मां रूही खानम को खोजते हुए सरिस्ता में घुस गया। सरिस्ता में बैठी मां रूही को आरोपी पुत्र ने गाली-गलौज शुरू कर दी। आरक्षी धर्मराज पासवान ने उन्हें गाली-गलौज करने से मना किया। उसके बाद आरोपी उग्र हो गया। बीच-बचाव में आरक्षी से भिड़ गया। इस दौरान सरिस्ता में टेबुल पर रखे कागजात को फेंक दिया। विरोध करने पर आरोपी ने आरक्षी का कॉलर पकड़ लिया उसे खींचते हुए सरिस्ता से बाहर ले गया। बीच-बचाव करने पहुंचे अन्य पुलिसकर्मियों के साथ भी आरोपी ने धक्का-मुक्की कर दी। आरोपी ने मौजूद पुलिसकर्मियों को गोली मारकर हत्या करने की धमकी दी। अन्य पुलिसकर्मियों के सहयोग से आरोपी को पकड़कर हाजत में रखा गया। इसके बाद मंगलवार को पुलिस ने आरोपी को जेल भेज दिया।

बहन का तुड़वाया रिश्ता मां के साथ की मारपीट

डोरंडा अरविंदो नगर निवासी रूही खानम ने आरोप लगाया कि उनका पुत्र उन्हें गाली-गलौज कर मारपीट करता है। सोमवार को वह पुत्र की शिकायत करने के लिए थाना पहुंची थी। मां का आरोप था कि वह अक्सर उसे हथियार दिखाकर गोली मारने की धमकी दिया करता है। रूही ने पुलिस को बताया कि उनकी पुत्री का एक घर में शादी के लिए रिश्ता लगा था। इसकी जानकारी मिलने के बाद आरोपी पुत्र उसके घर पहुंच गया और गाली-गलौज करते हुए रिश्ता तुड़वा दिया। इसके बाद घर आकर उनके साथ ही मारपीट किया। वह थाना पहुंची और शिकायत दर्ज करायी थी।

लालपुर थाने में भी हुई थी घटना

गौरतलब हो कि रांची के लालपुर थाना में एक युवक ने थाने में तैनात पुलिस कर्मी को ही पीट दिया था। यह घटना बीते सात नवंबर को घटी थी। ऑन ड्यूटी एएसआई सुनील मुर्मू की पिटाई में युवक का दूसरा साथी भी सहयोग किया। कई लोग थाने में बैठे हुए थे, लेकिन कोई बचाने के लिए खड़ा नहीं हो रहा था। मारपीट के दौरान पीड़ित पुलिसकर्मी जब अपने सहयोगी पुलिसकर्मी के पास गए तो पिटाई कर रहा युवक उसके साथ भी पहले धक्का-मुक्की की। इसके बाद उसके साथ भी विवाद बढ़ गया तो मारपीट करने लगा। बड़ी मुश्किल के बाद अतिरिक्त पुलिस बल थाने में पहुंची और दोनों युवकों को पकड़ कर हाजत में बंद कर दी। हाजत में बंद होने के बाद दोनों युवकों ने पुलिसकर्मियों की वर्दी उतरवाने की धमकी भी दी थी।

अवैध बालू उठाव रोकने के लिए प्रशासन कृतसंकल्प है : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

रांची। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री अवैध बालू उठाव की लगातार मिल रही शिकायतों पर काफ़ी गंभीर हैं। जिसका असर काफ़ी बड़े पैमाने पर देखने को मिल रहा है। उनके दिशा-निर्देश पर जिला खनन पदाधिकारी रांची एवं माइनिंग इंस्पेक्टर द्वारा औचक निरीक्षण करते हुए कल रात्रि से ही लगातार मेसरा थाना, दलादली टीओपी, टूपुदाना, बेड़ो, लापुंग थाना अंतर्गत कुल- 15 गाड़ी पकड़ी गई। जिसमें अवैध बालू लदी गाड़ी- 12 एवं स्टोन चिप्स लदी गाड़ी-03 पकड़ी गई। वाहन मालिकों ड्राइवरों एवं इसमें संलिप्त अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कारवाई किया जा रहा हैं। 05 थानों में कुल-15 वाहन एवं 45 अभियुक्तों पर F.I.R. की कार्रवाई की जा रही है। जिसमें विधि सम्मत धाराओं के तहत वर्णित वाहन मालिकों ड्राइवरों एवं इसमें संलिप्त अन्य व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर आवश्यक कानूनी कारवाई की जाएगी। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा अवैध बालू उठाव की मिल रही शिकायत पर काफ़ी गंभीरता से इससे रोकने के लिए लगातार उनके दिशा-निर्देश पर अवैध बालू उठाव के रोक के लिए अभियान चला रखा है। प्रखंडों में भी इस सम्बंधित निर्देश दिए गए है। उन्होंने विशेष रूप से जोर देते हुए कहा है, की अवैध बालू उठाव को रोकने के लिए जिला प्रशासन कृतसंकल्प है।

धान खरीद मामले में किसानों को फिर ठगने को तैयार हेमंत सरकार: बाबूलाल

बिभा संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने आज किसानों से राज्य सरकार द्वारा वादा के अनुरूप धान की खरीदी नहीं किए जाने पर बड़ा निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि सत्ताधारी गठबंधन फिर से अपने पुराने चाल चरित्र का ही अनुसरण कर रही है। यह इंडी गठबंधन फिर से ठगबंधन बनने की ओर अग्रसर है। कहा कि वोट लेने केलिए इंडी ठगबंधन ने बहुत गारंटियों की बात की लेकिन लगता है ये सिर्फ चुनावी बातें ही रह जाएगी। श्री मरांडी ने कहा कि झामुमो-कांग्रेस गठबंधन ने किसानों से वादा किया था कि धान की खरीदी 3200 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर की जाएगी। लेकिन चुनावी वादों पर अमल न होने से किसान खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अनुरोध किया कि चुनावी वादों के अनुरूप किसानों से 3200 रुपये प्रति क्विंटल की दर पर धान की खरीदी करें। साथ ही, किसानों के लिए पारदर्शी व्यवस्था और समय पर भुगतान सुनिश्चित करें। सरकार को यह नहीं भूलना चाहिए कि किसान हमारे देश की रीढ़ हैं और उनकी समस्याओं को नजरअंदाज करना सभी के भविष्य के साथ अन्याय है।

झारखंड पुलिस और बैंक ऑफ़ इंडिया के बीच हुआ एमओयू

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य के डीजीपी अनुराग गुप्ता की उपस्थिति में गुरुवार को झारखंड पुलिस और बैंक ऑफ़ इंडिया के बीच बीओआई रक्षक सैलरी पैकेज के लिए झारखंड पुलिस मुख्यालय में एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। झारखंड पुलिस की तरफ से डीजीपी अनुराग गुप्ता तथा बीओआई की तरफ से रांची फील्ड महाप्रबंधक मनोज कुमार ने हस्ताक्षर किया। इस अवसर पर रांची आंचलिक प्रबंधक संजीव कुमार सिंह तथा सहायक महाप्रबंधक अजय कुमार पांडेय भी उपस्थित थे। इस विशेष सैलेरी पैकेज के तहत पुलिसकर्मियों को कई सुविधाएं उपलब्ध करायी गई हैं। ग़ौरतलब है कि झारखंड का अग्रणी बैंक ऑफ़ इंडिया सम्पूर्ण झारखंड में स्थित 550 से भी ज़्यादा शाखाओं के माध्यम से पुलिस सेवा में कार्यरत अधिकारियों व कर्मचारियों को व्यक्तिगत दुर्घटना मृत्यु बीमा- 1 करोड़, स्थायी पूर्ण विकलांगता पर-50 लाख, स्थायी आंशिक विकलांगता पर-25 लाख, वायुयान दुर्घटना पर- 2 करोड़, सामान्य मृत्यु पर 10 लाख तथा व्यक्तिगत दुर्घटना में मृत्यु होने पर 2 आश्रित बच्चों की उच्चतर शिक्षा के लिए बीमा राशि-10 लाख की सुविधा भी दी जा रही है। इसके अतिरिक्त न्यूनतम ब्याज दर पर पर्सनल ऋण भी उपलब्ध कराया जा रहा है। ये सभी विशेष बीमा सुविधाएं बैंक ऑफ़ इंडिया के द्वारा रक्षक सैलेरी पैकेज के तहत खाता धारक को पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध करायी जाएंगी। यह एमओयू झारखंड पुलिस के जवानों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जो उन्हें वित्तीय सुरक्षा और सुविधाएँ प्रदान करेगा।

सर्व ब्राह्मण अधिकार परिषद के केंद्रीय अध्यक्ष बनाए गए प्रमोद पांडेय

रांची। सर्व ब्राह्मण अधिकार परिषद केंद्रीय कार्यालय रांची की गठित बैठक में सर्वसम्मति से केंद्रीय अध्यक्ष प्रमोद कुमार पांडेय बनाए गए। प्रमोद कुमार पांडे ने बताया कि सर्व ब्राह्मण अधिकार

परिषद का मुख्य केंद्रीय कार्यालय, रांची में रहेगा। बहुत जल्द देश के सभी राज्यों में प्रदेश कमेटी का गठन कर वहां पदाधिकारी का मनोनियन किया जाएगा। साथ ही साथ राष्ट्रीय पदाधिकारी की भी घोषणा जल्द की जाएगी। पांडेय ने बताया की सर्व ब्राह्मण अधिकार परिषद देश के सभी ब्राह्मणों को एकजुट कर एक मंच पर लाकर ब्राह्मणों के उत्थान और उनका सहयोग समर्पण करने का कार्य सामाजिक व राजनीतिक स्तर पर हमेशा करेगा। काफी संख्या में उपस्थित लोगों ने प्रमोद कुमार पांडेय को केंद्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर खुशी जाहिर की।

बड़े-बड़े पातकों का नाश करनेवाली मोक्षा' एकादशी पर हुआ महानुष्ठान

बिभा संवाददाता

रांची। मार्गशीर्ष मास शुक्लपक्ष की मोक्षदा एकादशी व्रत को ले पहाड़ी मंदिर के निकटवर्ती श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर (तिरुपति बालाजी) मंदिर में हुए कई धार्मिक अनुष्ठान। प्रातः देव शिरोभूषण भगवान् श्रीमन्नारायण का ब्रह्ममुहूर्त में विश्वरूप दर्शन, सुप्रभातम्, मंगलाशासनम् करावलंबम् स्तोत्र इत्यादि के पश्चात् पाञ्चरात्र विधि से तिरूवाराधन संपादन कर दूध,दही,गंगाजल ,शहद एवं डाभयुक्तजल से सहस्त्रधारा ,कुम्भधारा,शंखधारा और चक्रधारा के श्रीवैष्णवोचित उपचार से वैदिक मंत्रोपचार पूर्वक महाभिषेक हुआ। फिर हरिद्राचूर्ण और शुद्धोदक चंदन से अनुलेपन किया तथा सुगंधित इत्र और तेल का अभ्यंग करने के पश्चात भगवान् श्रीदंपति के सभी विग्रहों को वस्त्राभूषण से भांति - भांति प्रकार से अलंकार समर्पण कर सुवासित पुष्पों के मालाओं से भव्यातिभव्य श्रृंगार निवेदन किया गया। तदंतर नक्षत्र कुंभ और कपूर से विभिन्न प्रकार से बारी बारी महाआरती की गई। पुनः वैदिक एवं उपनिषद् आदि ऋचाएँ और स्तोत्रों से महस्तुति की गयी। इसके बाद घंटानाद करते हुए श्रीभगवान् को फलाहारी व्यंजनों का बाल भोग नैवेद्य हुआ। आज के महाभिषेक के यजमान ओमप्रकाश केजरीवाल निवारणपुर रांची परिवार हुए।

छात्रों पर लाठीचार्ज करके सरकार ने मंशा स्पष्ट कर दी: चंपाई सोरेन

रांची। पूर्व मुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी के विधायक चंपाई सोरेन ने हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर कहा है कि एक कहावत है कि पूत के पांव पालने में ही दिख जाते हैं। इसी तर्ज पर अपने कार्यकाल की शुरुआत में ही न्याय की मांग कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करके सरकार ने अपनी मंशा स्पष्ट कर दी है। चंपाई सोरेन ने लिखा है कि हमारा स्पष्ट तौर पर मानना है कि यदि नियुक्ति सहित किसी भी सरकारी प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हों, तो सीबीआई जांच के जरिये सरकार इस विवाद का सर्वमान्य हल निकाल सकती है लेकिन जिस प्रकार लाठी के दम पर युवाओं के आंदोलन को कुचलने का प्रयास किया जा रहा है, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भाजपा जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में हुई गड़बड़ी के विरोध में आंदोलन कर रहे छात्रों के साथ खड़ी है। झारखंड की अगली पीढ़ी के भविष्य के साथ हो रहे इस खिलवाड़ को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

जेएसएससी सीजीएल परीक्षाफल में हाई लेवल धांधली: देवेन्द्र महतो

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा संचालित सीजीएल परीक्षा का विरोध तेज हो गया है। विरोध में छात्र सड़कों पर उतर आए हैं। मंगलवार को प्रशासन द्वारा हजारीबाग के आंदोलनरत छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया है। लाठी चार्ज से कई छात्र गंभीर रूप से जख्मी हुए हैं। घायल छात्र फिलहाल अस्पताल में इलाजरत है। जिससे छात्रों एवं अभिभावको में भारी नाराजगी है। इस बेरहमी लाठी चार्ज का झारखंड स्टेट स्टूडेंट्स यूनियन ने भी विरोध किया। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के वरीय उपाध्यक्ष सह छात्र नेता देवेंद्र नाथ महतो ने आज बुधवार को सरकार और प्रशासन के खिलाफ कैंडल मार्च निकाला। यह संध्याकालीन कैंडल मार्च जयपाल सिंह स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक निकाला गया। विरोध प्रदर्शन के दौरान शहिद अल्बर्ट एक्का रांची में छात्रों एवं अभिभावको का भारी जूटान देखा गया। छात्रों में भारी नाराजगी एवं गुस्सा देखा गया। अभ्यर्थियों ने जमकर जेएसएससी आयोग और राज्य सरकार विरोधी नारे लगाए। घंटो तक सड़कों में जाम की स्थिति बन रही। मौके पर मीडिया संबोधन में लाठी चार्ज का कडी निंदा करते हुए छात्र नेता देवेन्द्र नाथ महतो ने दोषी अधिकारियों पर करवाई करने का मांग किया। सीजीएल परीक्षाफल पर धांधली का आरोप लगाते हुए कहा कि कट-ऑफ अंक जारी नही कर सिधे चयनित छात्रों का सुची जारी करना सेटिंग-गेटिंग साबित होता है। पहले दिन के इस परीक्षा में लगभग मात्र 82 छात्रों का ही सिलेक्शन हुआ जबकि दूसरे दिन 22 सितम्बर को हुए परीक्षा में लगभग 2149 छात्रों का सिलेक्शन हुआ है जो कि एक गंभीर जांच का विषय है। छात्रों का भविष्य का ख्याल रखते हुए तत्काल डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन पर रोका लगाया जाय एवं इस विवादित परीक्षाफल को रद्द कर पुनः प्रदर्शिता के साथ परीक्षा का आयोजन होनी चाहिए। राजधानी रांची में कैंडल मार्च के दौरान आज देवेंद्र नाथ महतो, चंदन रजक,खगेन महतो, हर्षित सिंह, कर्मु मुंडा आदि हजारों की संख्या में अभ्यर्थी, कोचिंग संचालक शिक्षक एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे।

द्वितीय इंडो-यूरोपीय सतह इंजीनियरिंग संगोष्ठी का बीआईटी में शुभारंभ

बिभा संवाददाता

रांची। द्वितीय इंडो-यूरोपीय सतह इंजीनियरिंग संगोष्ठी (IESSE-2024) का आज भौतिकी विभाग, बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (BIT) मेसरा, रांची में शुभारंभ हुआ। यह महत्वपूर्ण आयोजन भारत, ऑस्ट्रिया, स्विट्जरलैंड, पुर्तगाल, अमेरिका और अन्य देशों के ख्यातिप्राप्त वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और इंजीनियरों को एक साथ लाया है। यह संगोष्ठी, जो 12 दिसंबर 2024 को समाप्त होगी, सतह इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नई खोजों और उन्नतियों को समर्पित है। लगभग 12 प्रतिष्ठित विशेषज्ञ अपनी अनुसंधान उपलब्धियों और उद्योग दृष्टिकोण को साझा करते हुए प्रेरणादायक मुख्य व्याख्यान दे रहे हैं।

संगोष्ठी की सफलता का श्रेय जेसीएसटी एंड आई, एएनआरएफ (एसईआरबी), बीआरएनएस, डीआरडीओ, आईएनएसए, रॉयल इंस्ट्रूमेंट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एनएमडीसी लिमिटेड, एनईआई (एनबीसी बेयरिंग्स), सतह संशोधन तकनीक, एमओआईएल, आरटेक-इंस्ट्रूमेंट्स, एडवांस्ड साइंटिफिक कंट्रोल्स, एमएए आशापुरा एंटरप्राइजेज, मेकॉन, रांची, और होलमार्क ऑप्टो-मैकेट्रॉनिक्स लिमिटेड जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के उदार समर्थन को दिया जाता है। यह सतह इंजीनियरिंग की समकालीन शोध और उद्योग में महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है।

संगोष्ठी का उद्घाटन एक औपचारिक समारोह के साथ हुआ, जिसमें विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया। उद्घाटन भाषण डॉ. नरेश चंद्र मुर्मू, एफएनएई, एफएनएएससी, निदेशक, सीएसआईआर-सेंट्रल मैकेनिकल इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (सीएमईआरआई), दुर्गापुर द्वारा दिया गया। डॉ. मुर्मू ने सतह इंजीनियरिंग की संरचनात्मक अनुप्रयोगों, सामग्री संरक्षण, ऊर्जा भंडारण और स्वास्थ्य देखभाल जैसे क्षेत्रों में तकनीकी प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

उद्घाटन सत्र पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन और संस्थान प्रार्थना के साथ शुरू हुआ। डॉ. आर. के. सिन्हा, विभागाध्यक्ष, भौतिकी विभाग, बीआईटी मेसरा, ने सभी उपस्थित लोगों का स्वागत किया। प्रोफेसर इंद्रनील मन्ना, माननीय कुलपति, बीआईटी मेसरा, ने सभा को संबोधित किया और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सहयोग के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। इंडो-यूरोपीय सलाहकार बोर्ड के सदस्य डॉ. मनीष रॉय और पुर्तगाल की यूनिवर्सिटी ऑफ कोयम्ब्रा से प्रो. अल्बानो कवलेइरो, जो संगोष्ठी के सह-अध्यक्ष थे, ने प्रेरक भाषण दिए। सत्र का समापन संगोष्ठी के संयोजक डॉ. ऋषि शर्मा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

श्यामली के बच्चों ने किया वृद्धाश्रम में बुजुर्गों की सेवा

रांची/बिभा संवाददाता। बाल्य काल से ही छात्रों में सामाजिक दायित्व और बुजुर्गों के प्रति सम्मान की भावना से संपोषित करने के उद्देश्य से जवाहर विद्या मंदिर, श्यामली के कक्षा पाँच के चालीस विद्यार्थियों ने डीएवी नंदराज विद्यालय के परिसर में स्थित 'सीनियर सिटीजन होम' वृद्धाश्रम में रह रहे बुजुर्गों से बातचीत कर उनकी भरपूर सेवा की। बच्चों ने दीपावली से पूर्व अपने हाथों से दीया बनाकर प्रदर्शनी लगाई थी जिसे आतिथियों और अभिभावकों ने खरीदा था।

केरल केन्द्रीय विश्वविद्यालय
(केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के अधीन स्थापित)
तेजस्विनी हिल्स, पेरिया डाक, कासरगोड - 671 320

सं. सीयुके/आरसी/एफओ/2023 14.11.2024

रोज़गार अधिसूचना (गैर-शिक्षण)

वित्त अधिकारि के पद को प्रत्यक्ष आधार पर भरने के लिए योग्य भारतीय नागरिकों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते है। पदों कि संख्या, अधिसूचना संख्या, श्रेणी, आवश्यक योग्यता, अनुभव, वेतन, ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने से संबंधित विवरण आदी जैसे पूर्ण विवरण से युक्त अधिसूचना विश्वविद्यालय की वेबसाइट: www.cukerala.ac.in पर उपलब्ध है। ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 31.12.2024 शाम 5.00 बजे है।

कुलसचिव

CBC-21353/12/0001/2425

सौंदर्यीकरण के नाम पर बीएसएल ने फुटपाथ दुकानदारों पर किया बुलडोजर का प्रहार

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के नगर प्रशासन विभाग के द्वारा सेक्टर 4 सिटी सेंटर स्थित फुटपाथ दुकान के तोड़े जाने के विरोध में फुटपाथ दुकानदार संघ ने किया जोरदार आंदोलन। दुकानदार संघ के द्वारा सभी फुटपाथ दुकानों को रखा गया बंद। दुकानदार संघ ने चेतावनी देते हुए कहा की अगर प्रबंधन अपनी मनमानी पर लगाम नहीं लगाया तो जोरदार आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान सभी फुटपाथ दुकानदार सिटी सेंटर पर धरना में बैठ गाय। फुटपाथ दुकानदार संघ के महासचिव रामू भाई ने कहा की अहले सुबह दुकान तोड़ने के लिए प्रबंधन की टीम आ गई और जेसीबी से दुकान तोड़ना शुरू कर दिया उन्होंने कहा की न सिर्फ दुकान तोड़ा बल्कि दुकान तोड़ने के बाद आग लगा दिया। वही बोकारो जिला दुकानदार संघ के अध्यक्ष हाजी इरशाद अहमद खान ने कहा कि बोकारो इस्पात प्रबंधन द्वारा

फुटपाथ की दुकानों को हटाने के लिए रात्रि को अनाउंसमेंट करना और सुबह होते ही जेसीबी लेकर बाजार के बीच पहुंच जाना बहुत ही निंदनीय घटना है। संघ के उपाध्यक्ष लाल सिंह ने इस्पात प्रबंधन के इस रवैया से शुद्ध होकर जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन से मदद की गुहार लगाया है कि इस तरह की घटना की पूर्णआवृत्ति नहीं की जाए । संघ के कोषाध्यक्ष निक्कू सिंह ने कहा कि फुटपाथ दुकान समाज के सेवा की लाइफ लाइन है संयंत्र दुकानों के स्थाईकरण में दो कदम आगे बढ़े संगठन चार कदम आगे बढ़कर शहर के सुंदरीकरण व अस्थाई करण में सहयोग करेगा तथा संयंत्र को उचित रेवेन्यू भी प्रदान करेगी ।

उन्होंने कहा की जबतक हमारी मांगे नहीं मानी गई तबतक सारे फुटपाथ दुकान को बंद रखा जाएगा। बताते चले की बोकारो स्टील प्लांट के जमीन पर फुटपाथ में दुकान लगाकर दुकानदार अपनी जीविका चलाते है जिसको लेकर लंबे समय से दुकानदार और बीएसएल प्रबंधन के बीच नोक झोंक चलती रही है। बीएसएल जहां इसे अवैध बताता है वही दुकानदार वेंडर एक्ट के तहत फुटपाथ दुकानों को

परमानेंट करने की बात कहती रही है। दुकानदारों ने कहा की हमारा आंदोलन जारी रहेगा जहां सड़क के आंदोलन करने के साथ साथ इसे लेकर न्यायालय का दरवाजा भी खटखटाने का काम करेंगे। इस बैठक में कन्हैया कुमार, इंदल, सुनील, मुख्तार मनोज जी, प्रदीप जी, रंजन, मुन्ना सहित कई सैकड़ो दुकानदार शामिल थे ।

अवैध अतिक्रमण हटाने के दौरान लगी आग, दुकान जलकर राख

बोकारो : बोकारो स्टील प्रबंधन द्वारा अवैध अतिक्रमणकरियो के खिलाफ अभियान चलाये जा रहे है, इसी अभियान के तहत आज प्रबंधन ने सिक्योरिटी गार्डो के सहायता से सेक्टर 4 मे अतिक्रमणकारियो के खिलाफ बुलडोजर चलाया. जिस दौरान एक गुमटीनुमा दुकान मे आग लग गई तथा दुकान जलकर राख हो गयी.इसके बाद आक्रोशित दुकानदारों ने अन्य सामानो को भी आग के हवाले कर दी. दुकानदारों ने बताया की बीएसएल के द्वारा बिना सुचना दिए दुकान हटाए जा रहे थे, इस दौरान जेसीबी से दुकान पलट दिया गया, उसवक्त दुकान मे चूल्हे जल रहे थे, जिससे दुकान मे आग लग गई तथा सामान जलकर राख हो गई. हलांकि जो तस्वीर सामने आई है उसमे साफ दिख रहा है की आग मे शेष सामानो को दुकानदारों द्वारा फेंककर जलाया जा रहा है, खबर तो ये भी है की अतिक्रमण हटाने से आक्रोशित दुकानदार ने दुकान को खुद आग के हवाले किया है. मामला जो भी दुकान जलकर खाक हो गई है.

संक्षिप्त खबरें

श्री सायुज्य क्रिया योग महोत्सव में बोकारो सहित पूरे झारखंड से भाग लेंगे सैकड़ों साधक

बोकारो (बिभा): परमहंस स्वामी निखिलेश्वरानंद जी महाराज (डॉ. नारायण दत्त श्रीमाली जी) की दिव्य छत्रछाया में दिल्ली के पीतमपुरा स्थित आरोग्यधाम में अंतरराष्ट्रीय सिद्धाश्रम साधक परिवार (निखिल मंत्र विज्ञान) की ओर से दो-दिवसीय श्री सायुज्य क्रिया योग महोत्सव का आयोजन आगामी 28 और 29 दिसम्बर को होगा। नववर्ष के स्वागत में आयोजित इस शिविर में देश-विदेश से हजारों की संख्या में निखिल शिष्यों विराट समागम होगा। बोकारो, धनबाद, देवघर, रांची, गिरिडीह, जमशेदपुर सहित पूरे झारखंड से सैकड़ों की संख्या में निखिल शिष्य उक्त शिविर में भाग लेंगे। साधकों को परमपूज्य गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली जी गुरु दीक्षा के साथ-साथ श्री सायुज्य क्रियायोग की विशेष शक्तिपात दीक्षा प्रदान करेंगे। सिद्धाश्रम साधक परिवार, बोकारो के अध्यक्ष पी एन पांडेय एवं महासचिव विजय कुमार झा ने संयुक्त रूप से इस आशय की जानकारी देते हुए बताया कि कार्यक्रम में झारखंड से अधिकाधिक साधकों की भागीदारी को लेकर सभी जिलों में निखिल मंत्र विज्ञान के कार्यकताओं की बैठकें हो रही हैं और इसके लिए प्रचार-प्रसार किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली के पीतमपुरा स्थित आरोग्यधाम में 28-29 दिसम्बर, 2024 को निखिल मंत्र विज्ञान एवं सिद्धाश्रम साधक परिवार के तत्वावधान में नववर्ष का उक्त विशेष उत्सव शिष्यों को नवीन प्रेरणा, नवीन चेतना और नवीन ऊर्जा प्रदान करने के लिए सम्पन्न किया जाता है। उक्त महोत्सव के माध्यम से पूज्य गुरुदेव अपने शिष्यों में आध्यात्मिक चेतना का संचार करेंगे, जो वर्तमान समय में हर मानव के लिए आवश्यक है। निखिल मंत्र विज्ञान के संयोजक डॉ. राम चैतन्य शास्त्री एवं मनोज भारद्वाज ने भी नववर्ष 2025 के आगमन से पूर्व आरोग्यधाम की पुण्य धरा पर आयोजित इस महोत्सव को सफल बनाने का आह्वान सनातन धर्मियों व साधकों से किया है।

बोकारो सिविल कोर्ट में कार्यरत पेशकार की हार्ट अटैक से हुई मौत

बोकारो(बिभा) : सिविल कोर्ट के एक जज के पेशकार की मौत हार्ट अटैक से हो गयी. यह मौत आज उस वक्त हो गई जब पेशकार मनोज साह अपने दफ्तर मे काम कर रहे थे. जहाँ उनकी अचानक हालत बिगड़ी तथा ऑफिस मे ही गिर पड़े. आनन फानन मे सहयोगी कर्मी उन्हें अस्पताल लाये जहाँ चिकित्स्कों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया. मृतक मनोज साह मूलतः रांची धुर्वा के निवासी बताये जा रहे है. घटना की सूचना मिलते ही मौके पर सिटी पुलिस पहुंची तथा मामले की तहकीकात शुरू कर दी है. वैसे अस्पताल मे मृतक का परिजन भी पहुंच चुके है, परिजनों के गगनभेदी चित्कार से पूरा अस्पताल गमगीन हो गया है. पुलिस शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम कराने की तैयारी मे जुट गई. वैसे मौत का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है.

दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस ने बोकारो रेलवे कॉलोनी में पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था की मांग की

बोकारो(बिभा) : दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस के प्रतिनिधियों ने बोकारो रेलवे कॉलोनी में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं पर चिंता जताई है रेलवे कॉलोनी के निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस कांग्रेस बोकारो ब्रांच सेक्रेटरी राजन उपाध्याय के अगुवाई तमें मेंस कांग्रेस प्रतिनिधियों ने बालीडीह थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह से मुलाकात की । प्रतिनिधियों ने बताया कि हाल के दिनों में रेलवे कॉलोनी में चोरी की घटनाओं में वृद्धि हुई है जिससे यहाँ के निवासियों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है । उन्होंने थाना प्रभारी से चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने की मांग की । थाना प्रभारी ने प्रतिनिधियों को आश्वासन दिया कि कॉलोनी में गश्त बढ़ाई जाएगी और अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी । इसके साथ ही, स्थानीय निवासियों को सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने की अपील की गई । रेलवे प्रतिनिधियों में मुख्य रूप से पी.के. भौमिक, तमतचणचणचकुमार सिंह, सरोज कुमार, सूजेश भट्टाचार्य, चंचल कुमार, विजय कृष्ण, तपन राव, हरि बांदा आदि शामिल थे ।

युवा अधिवक्ता सुभाष चन्द्र महतो का आकस्मिक निधन

बोकारो(बिभा) : बोकारो के ग्राम आसनबनी निवासी अधिवक्ता सुभाष चन्द्र महतो पिता दुर्गा चरण महतो,बोकारो जेनरल अस्पताल में ब्रेन हेमरेज के कारण निधन हो गया वही बोकारो कोर्ट के पेशकार मनोज कुमार साव का भी आज कोर्ट परिसर में आकस्मिक निधन हो गया। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स द्वारा पर आज बोकारो सिविल कोर्ट परिसर में अधिवक्ता सुभाष चंद्र महतो एवम पेशकर मनोज कुमार साव के आकस्मिक निधन पर शोक सभा का आयोजन किया गया। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने कहा कि स्व. सुभाष चन्द्र महतो के सम्मान में आज सभी अधिवक्ता अपने आप को न्यायीक कार्य से अलग रखा। श्री गिरि ने कहा कि उन्हें इलाज के लिए कल शाम भर्ती करवाया गया था। आज उन्हें बेहतर इलाज के लिए बोकारो जेनरल अस्पताल से रांची ले जाने की तैयारी चल रही थी उसी बीच उनका निधन हो गया। 49 वर्षीय स्व. महतो 2005 से विधि व्यवसाय कर रहे थे। वे अपने पीछे माता पिता, विधवा पत्नी व तीन बच्चे छोड़ गए है। आज उनके सम्मान में शोक सभा का आयोजन किया गया। शोक सभा में अधिवक्ता रंजन कुमार मिश्रा, फटीक चंद्र सिंह, संजय कुमार प्रसाद, अतुल कुमार, अंकित ओझा, प्रेरणा पांडेय, जितेंद्र कुमार, अंजनी चौधरी, विजय कुमार, ओम प्रकाश लाल, चंदन कुमार, कृष्ण देव प्रसाद, विकास कुमार, राज श्री, दीपिका सिंह, संजीत कुमार सिंह, सुमन वर्मा, विकास प्रजापति, मो हसनैन आलम, वंशिका सहाय, दीप्ति सिंह, रीना कुमारी, अरूप चक्रवर्ती, इंद्रनील चैटर्जी, सुभाष चक्रवर्ती, संदीप कुमार सिंह, संजीत महतो इत्यादि उपस्थित थे।

बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने ग्रामीण विकास मंत्री से की मुलाकात

उत्तरी विस्थापित क्षेत्र के 19 गांवों को पंचायत का दर्जा दिलाने का मांग किया

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित विधायक श्रीमती श्वेता सिंह ने बोकारो के उत्तरी विस्थापितों क्षेत्रों में निवास करने वाली जनता की समस्याओं को लेकर विस्थापितों के एक प्रतिनिधि मंडल के साथ रांची स्थित मंत्रालय में झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रीमती दीपिका पांडे सिंह से मिलकर सर्व प्रथम बोकारो विधानसभा की जनता की तरफ से मंत्री बनने पर शुभकामना प्रेषित किया। इस अवसर पर श्रीमती श्वेता सिंह ने मंत्री को अवगत करवाया कि विगत 75 वर्षों से अधिक समय बीत जाने के बाद भी बोकारो के विस्थापितों की समस्या

जस की तस है। ज्ञात हो कि बीएसएल प्लांट के निर्माण के बाद उत्तरी विस्थापित क्षेत्र के 19 गांवों को न तो पंचायत में शामिल किया गया और न ही किसी अन्य व्यवस्था में,जिसके कारण इन गांवों में रहने वाले गरीब आदिवासियों और अन्य जातियों को सरकार के किसी भी योजना का लाभ नहीं मिल सका.जिसके कारण ये लोग सभी सुविधाओं से वंचित हो गये. हालांकि यहां रहने वाली एक लाख की आबादी विधायक और सांसद चुनती है लेकिन ये लोग गांव की सरकार नहीं चुन पाते हैं. नियोजन, विद्युत, सड़क, पेयजल, शिक्षा व्यवस्था की स्थिति भी इन क्षेत्रों में जर्जर है.शहर से समीप होने के बावजूद भी यह क्षेत्र सभी मूल भूत सुविधाओं से काफी पिछड़ा हुआ है। अतःआग्रह करती हूं कि सभी मामले को बिंदुवार तरीके से व्यक्तिगत रूप से संज्ञान में लेते हुए मामले का निष्पादन करें। इस अवसर पर राज कुमार सिंह, प्रदीप मंडल, मिथुन मंडल, महेश मंडल, जन्मजय महतो,अमित कुमार, गफ्फार अंसारी, राजन सिंह,अजीत कुमार, संतोष मुर्मू,सरोज कुमार,विनोद राय,कलाम अंसारी उपस्थित रहे।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के कार्यों की सराहना की

बिभा संवाददाता

बोकारो : झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश जी से झारखण्ड प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष श्री उमेश प्रसाद गुप्ता जी मुलाकात करते हुए इंडिया गठबंधन को झारखण्ड में मिली प्रचंड जीत की बधाई दिया। बोकारो जिला में महागठबंधन के सभी सीटे पर विजयी प्राप्त कर भाजपा का सफाया करने पर बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी के सराहनीय कार्यों पर परिचर्चा किया गया।साथ ही बोकारो जिला में शताब्दी समारोह के उपलक्ष में आगामी 26 दिसंबर को स्मारक कार्यक्रम एवं 28 दिसंबर 2024 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस 140वें स्थापना दिवस गौरवशाली वर्षो का जश्न बोकारो जिला कांग्रेस कमिटी द्वारा भव्य रूप मनाए जाने पर विशेष चर्चा किया गया।

बड़ती चोरी की घटना को लेकर चास एसडीपीओ ने की समीक्षा बैठक

बिभा संवाददाता

बोकारो : चास अनुमंडल के विभिन्न थाना क्षेत्रों मे बढ़ी चोरी की घटनाओ को पुलिस ने चुनौति के रूप मे लिया है. चास एसडीपीओ पी के सिंह खुद गश्त शुरू कर दिए है, वे न केवल दिन मे बल्कि रात मे निकल रहे है, उन्होंने आज इसी को लेकर अपने कार्यालय मे थाना प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक कर कई आवश्यक निर्देश दिया. उन्होंने कहा की बढे अपराध को चुनौती के रूप मे लेकर मै खुद निकल रहा हूं, चोरो के खिलाफ सख्त करवाई करने, उसकी त्वरित गति से उदभेदन करने की योजना तैयार की गई है शीघ्र ही मामलों के उदभेदन करते हुए चोर गिरफ्तार होंगे.

हिंदी मीडियम के बच्चों के लिए खेल दिवस का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : संत जेवियर्स विद्यालय, बोकारो इस्पात नगर के हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों के लिए वार्षिक खेल दिवस का आयोजन किया गया। आयोजन के मुख्य अतिथि विद्यायल के आदरणीय प्रधानाचार्य फॉदर अरुण मिंज , एस. जे. एवं सफल उद्योगपति प्रदीप खेड़िया विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यार्थियों ने मार्च पास्ट के साथ किया जिसमें फॉदर अरुण एवं श्री प्रदीप खेड़िया ने सलामी ली। तत्पश्चात कप्तान एवं उपकप्तान ने मशाल दौड़ की शुरूआत की जिसमें विभिन्न हाउसों के कप्तान भी शामिल हुए। विद्यार्थियों के लिए कुल 42 विभिन्न प्रकार के खेल कार्यक्रमों का

आयोजन किया गया जिसकी शुरूआत विशिष्ट अतिथि के सिटी बजाने से हुआ। 'अ' खंड लड़कों में 100 मीटर दौड़ में रौशन कुमार को स्वर्ण पदक एवं लड़कियों में खुशी कुमारी को स्वर्ण पदक मिला। वहीं मास ड्रिल और मार्च पास्ट में ब्रिटो हाउस चैम्पियन बनकर उभरा। साथ-ही ब्रिटो हाउस ने ही खेल दिवस का चैम्पियनशिप का भी खिताब उठाया। सोशल सर्विस स्कूल की उपप्रधानाध्यापिका सिस्टर जेन्सी ने लड़कों में 'अ' खंड के प्रेम कुमार और खुशी कुमारी को चैम्पियन खिलाड़ी का पुरस्कार से नवाजा। 'ब' खंड के आशीष और रचना को भी सर्वश्रेष्ठ चैम्पियन खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। मुख्य अतिथि फॉदर अरुण ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुआ कहा कि विद्यार्थियों को खेल एवं पढ़ाई साथ ले कर आगे बढ़ना चाहिए एवं उन्होंने मौजूद अभिभावकों का भी धन्यवाद दिया। विशिष्ठ अतिथि श्री प्रदीप खेड़िया ने फॉदर अरुण को शुक्रिया अदा करते हुआ कहा कि यहाँ मौजूद हर एक विद्यार्थी देश का उभरता हुआ सितारा है। साथ-ही उन्होंने बच्चों को अध्ययन के साथ-साथ खेलकूद में भी अपनी अलग पहचान बनाने के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती किरण ने धन्यवाद प्रस्ताव में सोशल सर्विस स्कूल के सभी शिक्षकवृंद, खेलकूद शिक्षक शशि सर एवं सुश्री अमृत लता के साथ साथ पूरे विद्यालय प्रबंधन का धन्यवाद किया जिनकी वजह से इतना भव्य आयोजन हो पाया। मौके पर प्लस टू एवं हाई स्कूल के उप-प्राचार्य के साथ कुछ विदेशी मेहमान भी मौजूद रहे। कार्यकम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ।

जैप 4 में राज्यस्तरीय तीन दिवसीय शूटिंग प्रतियोगिता शुरू

बिभा संवाददाता

बोकारो : झारखण्ड सशस्त्र पुलिस-4. बोकारो परिसर में 19वीं राज्य स्तरीय पलिस शटिंग प्रतियोगिता का उदघाटन समारोह का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह के अवसर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ० एस माईकल राज , पुलिस महानिरीक्षक, उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र, बोकारो उपस्थित रहे। श्री मुकेश कुमार , संगठन सचिव सह-समादेष्टा, बोकारों द्वारा इस अवसर पर स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। उनके द्वारा बताया कि यह प्रतियोगिता 11 से 13 दिसंबर तक झा०स०पु०-4, बोकारो फायरिंग बट पर कराया गया इस प्रतियोगिता में 1. झा०स०पु०, क्षेत्र 2. कोयला क्षेत्र, बोकारो 3. कोल्हान क्षेत्र, चाईबासा 4. पलामू क्षेत्र, पलामू 5. उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र, हजारीबाग 6. दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्र, राँची 7. संथाल परगना क्षेत्र, दुमका एवं 8. झारखण्ड जगुआर / अपराध अनुसंधान विभाग / रेल विशेष शाखा क्षेत्र की कूल 08 टीमे भाग ले रही है, जिसमें लगभग 148 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन गुब्बारा उड़ाकर कर किया.वही मुख्य अतिथि द्वारा बताया गया कि इन प्रतियोगिता के दौरान पुलिसकर्मी का अच्छे प्रदर्शन करने से ड्यूटी के दौरान भी उग्रवादियो एवं आसामाजिक तत्वों से निपटने में काफी सहायता मिलेगी।

इस प्रतियोगिता में 5.56 एम०एम० इन्सास रायफल, 9 एम०एम०

रिवाल्वर / पिस्टल तथा 9 एम०एम० कारबाईन से विभिन्न पोजिशनों से प्रतियोगिता करायी जायेगी। इस प्रतियोगिता में चयनित प्रतिभागी ऑल इंडिया पुलिस शूटिंग प्रतियोगिता में भाग लेंगे। उद्घाटन समारोह के अवसर पर उपस्थित पुलिस पदाधिकारी की सूची नि डॉ० माईकल राज एस, पुलिस महानिरीक्षक, उत्तरी छोटानागपुर प्रक्षेत्र, बोकारो । श्री सुरेन्द्र कुमार झा, पुलिस उप-महानिरीक्षक, कोयला क्षेत्र, बोकारो । श्री मनोज स्वर्गियारी , पुलिस अधीक्षक, बोकारो । श्री नितिन कुमार त्यागी, समादेष्टा, सी0आई0एस0एफ0, बोकारो । श्री रजनीश कुमार, डीएफओ, बोकारो श्री जितेन्द्र कुमार सिंह, समादेष्टा, सेवानिवृत पुलिस उप महानिरीक्षक । श्री ओम प्रकाश दास, परिचारी प्रवर, राँची। श्री परनव कुमार, परिचारी प्रवर, बोकारो । श्री प्रदीप उराँव, पुलिस उपाधीक्षक, चाईबासा । श्री अरविन्द कुमार, अनुमण्ड पुलिस पदाधिकारी, बरवाडीह । श्री चन्दन कुमार बत्स, पुलिस उपाधीक्षक, रामगढ़। श्री इकुड डुंगडुंग, पुलिस उपाधीक्षक, दुमका । श्री आर० के० तिवारी, पुलिस उपाधीक्षक, विशेष शाखा, राँची। श्री सतीश चन्द्र झा, पुलिस उपाधीक्षक, झा०स०पु०-3, धनबाद । श्री आलोक रंजन, पुलिस उपाधीक्षक, बोकारो । श्री पतरस बरवा, पुलिस उपाधीक्षक, झा०स०पु० - 4, बोकारो । श्री राजवल्लभ पासवान, पुलिस उपाधीक्षक, रा०औ०सु०बल, बोकारो।

झामुमो कार्यकर्ता सुधीर महतो के बारहवीं में शामिल हुए मंत्री योगेंद्र महतो

बिभा संवाददाता

बोकारो : कसमार प्रखंड के मधुकरपुर निवासी झामुमो कार्यकर्ता सुधीर महतो के बारहवीं श्राद्धकर्म में सूबे के पेयजल एवं स्वच्छता तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध मंत्री योगेंद्र प्रसाद महतो शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने स्व सुधीर महतो की विधवा पत्नी, पुत्र एवं पुत्रियों व अन्य परिजनों से मिलकर ढांढ़स बंधाया। बच्चों की पढ़ाई पर अन्य संकट की घड़ी में सहायता करने का आश्वासन दिया है। बता दें कि सुधीर महतो सहायक अध्यापक भी थे। प्रखंड सहायक अध्यापक संघ ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। इस दौरान उन्होंने भाजपा नेता राजेश पांडेय के घर भी गये। जहां शादी कार्यक्रम में शामिल हुए। मंत्री विधानसभा सत्र में शामिल होने के बाद सीधे क्षेत्र पंहुचे थे। मौके पर प्रखंड प्रमुख सह झामुमो नेत्री नियोती कुमारी, झामुमो नेता दिलीप हेंब्रम, सिकंदर कपरदार, सोहेल अंसारी, सुभाष ठाकुर धनंजय स्वर्णकार, बब्लू अंसारी, रमेश वर्मा, रघु महतो, पूर्व मुखिया नरेश महतो, महेश शर्मा, बिनोद बिहारी महतो, संजय प्रजापति, एनुल अंसारी, मिथलेश तिवारी, मिथलेश महतो, आदि दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस ने नौ एकड़ भूमि में लगे अफीम की फसल किया गया विनष्ट

खूँटी (बिभा)। जिले में अफीम की खेती जोरों पर पकड़ने लगी है। वहीं हजारों एकड़ में अफीम की खेती खूंटी के तोरपा मुरहू व खूँटी समेत तोरपा रनिया व कर्रा थाना क्षेत्र में होता है। जहाँ खूँटी पुलिस एसपी अमन कुमार के निर्देश पर फसल विनष्टीकरण करना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में बुधवार को ग्राम कदरूडीह में 05 एकड़, बरटोली में करीब 1.5 एकड़,हेसहातु में एक एकड़, साइको थाना अंतर्गत ग्राम गुटुहातु में करीब 1.5 एकड़,मरांगहदा के उतरूंग में करीब 1 एकड़ में लगे अफीम की खेती को विनष्ट किया गया। एसपी अमन कुमार ने बताया कि अफीम फसल उगाना शुरू हो गया है। पिछले वर्ष 18 सौ एकड़ में लगे फसल को विनाश किया गया था। इस बार भी लगातार अफीम के विरुद्ध जन जागरण किया जाता रहा है। साथ ही कार्यवाही पर जोरों पर किया जाता रहा है। और लगातार कार्यवाही किया जाएगा। एसपी ने बताया कि वैसे दुकानदारों पर भी नजर रखी जा रही है जो पानी मशीन व पाइप बिक्री करते हैं। वहीं अफीमक खेती करनेवाले रैयतों पर भी दोषी पाए जाने पर कार्यवाही किया जाएगा।

पेज एक का शेष

राज्यपाल ने गिनाईं उपलब्धियां

- केंद्र सरकार एवं उनकी कंपनियों के पास पड़ा राज्य का बकाया 01 लाख 36 हजार करोड़ रुपये वापस लाने के लिए राज्य सरकार कानूनी रास्ता भी अपनायेगी।
- हो, मुंडारी, कुड़ुख और अन्य जनजातीय भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने की पहल करेंगे।
- सरकार आदिवासी-मूलवासी को स्थानीय नीति बनाकर तृतीय और चतुर्थ श्रेणी की नौकरियों में शत प्रतिशत आरक्षण देने के लिये प्रतिबद्ध है।
- पांचवीं विधानसभा ने सर्वसम्मति से पिछड़ा वर्ग को 27 प्रतिशत, आदिवासी को 28 प्रतिशत और दलित को 12 प्रतिशत आरक्षण देने का विधेयक एवं सरना-आदिवासी धर्म कोड को पारित कर स्वीकृति के लिए केंद्र सरकार के पास भेजा है, जो अभी गृह मंत्रालय में लंबित है। इस कार्यकाल में केंद्र सरकार से इन विषयों को स्वीकृत कराने का हर संभव प्रयास करेंगे।
- वर्षों से खासमहल एवं जमाबंदी की जमीनों पर रह रहे परिवारों को मान-सम्मान के साथ जीने का अधिकार देने के साथ-साथ गैरमजरूवा जमीन पर बसे रैयतों की भूमि जिसकी रजिस्ट्री और रसीद काटने पर 2017 में रोक लगा दी गयी थी, उसे प्रारंभ किया जायेगा।
- राज्य में निबंधित सभी पत्रकारों के लिए प्रशिक्षण, बीमा और पेंशन का अधिकार सुनिश्चित किया जायेगा।
- सहारा इंडिया से पीड़ित राज्य के निवेशकों की लड़ाई सर्वोच्च न्यायालय से लेकर राज्य के हर न्यायालय और संसद से लेकर सड़क तक हर मोर्चे पर पूरी मजबूती से लड़ी जायेगी, जब तक राज्य के सभी निवेशकों का भुगतान न हो जाये।
- राज्य के जिन सहारा पीड़ितों ने अपने प्राण गंवाये याद दु:ख-अवसाद में आत्महत्या करने को मजबूर हुए, उनके परिजनों को सरकारी स्तर पर आर्थिक सहयोग दिया जायेगा।
- किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर कृषि ऋण उपलब्ध कराया जायेगा।
- मनरेगा के तहत झारखंड के मजदूरों को भारत सरकार बहुत कम मजदूरी देती है। इस भेदभाव के खिलाफ संघर्ष करने के साथ-साथ राज्य सरकार अपनी निधि से राज्य के मनरेगा मजदूरों को सहयोग करेगी, जिससे उन्हें न्यूनतम 350 रुपये प्रतिदिन की मजदूरी मिल सके।
- राज्य में अवस्थित विभिन्न नदियों एवं डैम के पानी का सदुपयोग करने के उद्देश्य से प्रारंभ की गयी लिफ्ट इरिगेशन योजना को आगे बढ़ाते हुए 10,000 करोड़ रुपये की योजनाएं प्रारंभ की जायेंगी।
- राज्य भर में प्रखंड स्तर पर 500 सीएम स्कूल ऑफ एक्सिलेंस की स्थापना करेंगे। सभी सीएम स्कूल ऑफ एक्सिलेंस में खेल शिक्षक एवं संगीत शिक्षक की नियुक्ति की जायेगी। साथ ही 4,500 पंचायत स्तरीय आदर्श विद्यालय प्रारंभ किये जायेंगे।
- राज्य में प्रत्येक प्रखंड में डिग्री कॉलेज एवं प्रत्येक अनुमंडल में पॉलिटेक्निक महाविद्यालय की स्थापना की जायेगी।
- राज्य में 10वीं कक्षा में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों को गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना से जोड़ते हुए 15 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी।
- सभी प्रखंडों और जिलों में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर लाइब्रेरी सह शिक्षा सहयोग केंद्रों की स्थापना की जायेगी।
- केजी क्लास से पीएचडी तक नि:शुल्क शिक्षा प्रदान की जायेगी।
- मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना के तहत 50 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जायेगा।
- राज्य में 60,000 पदों पर शिक्षकों, 15,000 पदों पर प्रधानाध्यापकों, विभिन्न कार्यालयों में 2,500 पदों पर लिपिकों और विभिन्न थानों में 10,000 पुलिस कर्मियों की नियुक्ति की जायेगी।
- क्षेत्रीय एवं जनजातीय भाषाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 10,000 पदों पर भाषा शिक्षकों की नियुक्ति की जायेगी।
- राज्य में मदरसा बोर्ड का गठन किया जायेगा।
- राज्य में अल्पसंख्यक कल्याण बोर्ड एवं उर्दू अकादमी का गठन किया जायेगा।
- राज्य सरकार की सभी नियुक्तियों में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत पद आरक्षित किये जायेंगे।
- राज्य की सभी महिलाओं को मंईयां सम्मान योजना के तहत सम्मान राशि के रूप में 2,500 रुपये हर महीने दिये जायेंगे।
- आंगनबाड़ी सेविका, आंगनबाड़ी सहायिका, रसोईया, पोषण सखी, स्वास्थ्य सहिया, जल सहिया आदि के मानदेय में हमारी सरकार ने सम्मानजनक वृद्धि की है। इस कार्यकाल में इनके मानदेय में अन्य कर्मियों के अनुरूप वार्षिक वृद्धि की जायेगी।
- राज्य में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी राखी मंडल की महिलाओं को 15,000 करोड़ रुपये का क्रेडिट लिंकेज उपलब्ध कराते हुए स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जायेंगे।
- सक्रिय महिला, समन्वयक कार्यक्रम पदाधिकारी, जेएसएलपीएस से जुड़े सभी कर्मियों के मानदेय में अन्य कर्मियों के अनुरूप वृद्धि की जायेगी।
- प्रत्येक ग्राम संगठन की 0 प्रतिशत ब्याज दर पर 15-15 लाख रुपये का क्रेडिट लिंकेज उपलब्ध कराया जायेगा।
- राज्य के सभी जरूरतमंद परिवारों को 15 लाख रुपये के अनुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना से जोड़ा जायेगा।
- राज्य के सभी गरीब व्यक्ति को प्रति महीने 7 किलोग्राम चावल और 2 किलोग्राम दाल उपलब्ध कराया जायेगा।
- अबुआ आवास योजना के तहत 25 लाख से अधिक गरीब परिवारों को सुविधायुक्त तीन कमरों का सुंदर आवास चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध कराया जायेगा।
- आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यालयों के मध्याहन भोजन में सभी बच्चों को प्रति दिन अंडा या फल दिया जायेगा।
- रांची सहित राज्य के अन्य शहरों में वर्षों पूर्व बनाये गये घरों के नक्शों का नियमितीकरण किया जायेगा।
- वन विभाग के अंतर्गत इको टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन का निर्माण करते हुए राज्य के वन क्षेत्रों में पर्यटकों के लिए आवश्यक अवसंरचनाओं का निर्माण एवं संचालन किया जायेगा।
- राज्य कर्मियों की पुरानी पेंशन को सुरक्षित रखते हुए उनके एनपीएस खाते में जमा राशि को केंद्र सरकार से वापस लाने के लिए कदम उठाये जायेंगे।
- राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों की सरकारी पदों पर सीधी नियुक्ति की जायेगी।
- राज्य के सभी जिला मुख्यालयों में बहुद्देशीय स्टेडियम सह खेल प्रशिक्षण केंद्र के निर्माण के साथ-साथ प्रत्येक प्रमंडल में 1-1 स्पोर्ट्स सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का निर्माण किया जायेगा।
- राज्य में फुटबॉल, हॉकी एवं तीरंदाजी जैसे खेलों में उपलब्ध प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के क्षमता विकास के लिए तीन बहुद्देशीय प्रशिक्षण संस्थानों का निर्माण किया जायेगा।
- राज्य में एक स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की जायेगी।

बस व बाईक की सीधी भिड़ंत से एक की मौत, एक घायल

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के तोरपा थाना क्षेत्र अन्तर्गत ओरमेंजा गांव के निकट खूँटी सिमडेगा मुख्य सड़क पर बस व बाईक में सीधी भिड़ंत से बाईक चालक की मौत और एक लड़का घायल हो गया। जिसमें खूंटी सिमडेगा मुख्य पथ पर रनिया थाना क्षेत्र का ओरमेंजा में अज्ञात वाहन व मोटरसाइकिल के बीच में जोरदार टक्कर में मोटरसाइकिल चालक रनिया थाना क्षेत्र के गरई निवासी लगभग 25 वर्ष से ज्योतिष होरो की दर्दनाक मौत हो गई और दूसरा बाईक सवार युवक कि पैर टूट गया। दोनों को तोरपा रेफरल अस्पताल लाया गया। बेहतर उपचार के लिए घायल युवक को रिम्स रेफर किया गया। घटना में ज्योतिष का दोस्त मरचा मिशन का निवासी आलोक तोपनो गंभीर रूप से घायल हो गया।आलोक को पैर व सर पर गंभीर चोट लगी है।घटना के बाद दोनों व्यक्ति को रेफरल अस्पताल तोरपा स्थानीय ग्रामीणों के द्वारा उपचार के लिए एंबुलेंस से भेजवाया गया। जहां चिकित्सकों ने ज्योतिष को उपचार के उपरांत मृत घोषित कर दिया। उन्हें सर पर गंभीर चोट लगी थी।घटना मे घायल आलोक ने बताया कि दोनों बाइक में सवार होकर खूँटी जा रहे थे। घटना की जानकारी मृतक व घायल के परिजनों को दे दी गई है। मृतक का मामा अगापित होरो ने बताया कि किसी निजी काम से मेरा भांजा अपने दोस्त के साथ रनिया के दिगरी अपने गांव से खूँटी जा रहा था। इसी क्रम में किसी अज्ञात वाहन से सीधी टक्कर हो गयी जिससे मेरा भांजा और एक लड़का घायल हो गया। जिसको अस्पताल ले जा रहा थे कि उसका देहांत हो गया। जिसके बाद पुलिस को जानकारी दिये और फिर कार्यवाही करने के बाद पोस्टमार्टम कराने लाए। मृतक ज्योतिष का एक वर्ष का एक बेटा है। अब उसके निधन के बाद पत्नी को अपना बच्चा के लालन पालन में गरीबी के किरण कठिनाई होगा।

चौकीदार नियुक्ति को लेकर उपायुक्त ने की समीक्षा बैठक

खूँटी(बिभा) । चौकीदार नियुक्ति प्रक्रिया के तहत 18 दिसंबर 2024 को बिरसा कॉलेज के फुटबॉल स्टेडियम में आयोजित होने वाले दौड़ को लेकर आज उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय के सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया और आयोजन की सभी आवश्यक तैयारियों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि दौड़ आयोजन के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि प्रतिभागियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मौके पर मेडिकल टीम, पेयजल, चलंत शौचालय और अन्य बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। वहीं मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति एवं पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिया गया। दौड़ को लेकर कोच की प्रतिनियुक्ति को लेकर भी जिला खेल पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिया गया। सभी निदेर्शों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए पूरी पारदर्शिता के साथ दौड़ प्रक्रिया सम्पन्न कराने का निर्देश दिया गया।

भाजपा नेता मुनिनाथ मिश्रा ने ली 82 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांसें, कड़िया मुण्डा समेत काफी लोग हु अंतिम यात्रा में शामिल

बिभा संवाददाता

खूँटी । नगर पंचायत के मिश्रा टोली निवासी भाजपा नेता मुनिनाथ मिश्रा का मंगलवार देर रात एक बजे के लगभग देहान्त हो गया। वयोवृद्ध समाजसेवी व बाबा आग्रेश्वर धाम के वरीय उपाध्यक्ष व खूँटी में भाजपा कार्यकर्ता राजनीतिज्ञ रहे मुनिनाथ मिश्रा अपने मिश्राटोली स्थित आवास में 82 वर्ष की आयु में रात एक बजे अंतिम साँस ली। मुनिनाथ मिश्रा काफी दिनों से अस्वस्थ थे।जिनके पार्थिव देह का बुधवार को तजना मुक्तिधाम में किया गया। अति मृदुभाषी व धर्मपरायण लोकप्रिय व्यक्तित्व के धनी थे। जो भाजपा खूंटी के कौटिल्यता के परिचायक थे। मुनिनाथ मिश्रा लगभग 1975 ई से भाजपा में सक्रिय रुप से लगे थे। जिन्होंने भाजपा को जीत दिलाने के लिए रणनीति व योजना बनाकर कार्य करते थे। ज्ञानार्जन के विषय में एक कहावत है कि क्वालिफिकेशन और एजुकेशन दोनों में अंतर है। जो कि क्वालिफिकेशन डिग्री प्रदान भले करा दे लेकिन एजुकेशन क्वालिफिकेशन का मुहताज नहीं होता है। कई ऐसे लोग बिना डिग्रीधारी अच्छे अच्छे कार्य करके धाम कमाए। आईजेक न्यूटन ने बिना डिग्री लिये ही शोध किया व वैज्ञानिक बन गये थे। नानक, कबीर, रहीम, अनेक ऐसे नाम हैं जो कोई महाविद्यालय व विश्वविद्यालय नहीं गये। लेकिन अपने कार्य से लोगों को दिशा निर्देश दिये। वहीं खूंटी लोकसभा क्षेत्र में मुनिनाथ मिश्रा को राजनीति के कुटनीतिज्ञ के रुप में लोगों के बीच अपनी पहचान रही है। मुनिनाथ मिश्रा को राजनीति में पद्मभूषण कड़िया मुण्डा के साथ जोड़कर ही देखते हैं। मुनीनाथ मिश्रा को खूँटी तमाड़ तोरपा सिमडेगा कोलेबिरा खरसावाँ क्षेत्र में भाजपा के कार्यकताओं में अच्छी पहचान है। वहीं लोग उन्हें बाबा के नाम से भी सम्बोधित करते थे। मुनिनाथ मिश्रा ने पत्नी व तीन बेटा व तीन बेटियाँ समेत भरा पूरा परिवार छोड़ गये। जिन्हें पूरा समाज व भाजपा स्मरण करता रहेगा।

मुनिनाथ मिश्रा के देहांत की खबर सोशल मिडिया से जानकारी मिलते ही लोग संवेदना प्रकट किये वहीं बुधवार को मिश्राटोली स्थित मकान में सुबह से ही लोगों का आगमन होता रहा। स्वयं पद्मभूषण कड़िया मुण्डा भी उनके आवास पहुंचे व अंतिम यात्रा में शामिल हुए। वहीं बुधवार को तजना मुक्तिधाम में मुनिनाथ मिश्रा के पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया गया। वहीं उनके बड़े सुपुत्र ध्रुव कुमार मिश्रा ने मुखाग्नि दी। इस दौरान तोरपा के पूर्व विधायक कोचे मुण्डा, महेंद्र नाथ शाहदेव, महेश प्रसाद चौधरी, मनोज कुमार, डॉ निर्मल सिंह, रमेश मांझी, परिमल घोष, ज्योतिष भगत, सुभाष हलदार, गोलक अधिकारी, मार्शल बारला, भीम सिंह मुंडा, छोटराय मुण्डा, किशुन साव, विष्णु सोनी, आशीष सिंह, संतोष पोद्दार, मकरध्वज मिश्रा आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

इसकी खबर सुनते ही झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा ने भी संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि मुनिनाथ मिश्रा एक कुशल योजनाकर्ता थे। जो कड़िया मुण्डा के साथ भाजपा की जीत सुनिश्चित कराने में भूमिका निभाई। भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे व शोक संतप्त परिजनों को इस बड़ी विपदा को ईश्वर सहनशक्ति प्रदान करे। इस दौरान, बाबा आग्रेश्वर धाम के अध्यक्ष लाल ज्ञानेंद्र नाथ शाहदेव, अधिवक्ता लक्ष्मीकांत मिश्रा, सुशील श्रीवास्तव, राम अवध साहू, ओमप्रकाश साहू, खूँटी के समाजसेवी महेन्द्र भगत, वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता शिवशंकर मिश्रा, विनोद भगत, शिवनन्दन सोनी, विनोद प्रसाद सोनी, सुरेश प्रसाद, संजय साहू, हेमंत भगत, प्रणवेन्द्र नाथ शाहदेव, रुपेन्द्र नाथ शाहदेव, विकास चौधरी, संतोष जायसवाल आदि सैकड़ों लोगों ने संवेदना व्यक्त किये।

पर्यटन स्थलों के गंतव्य पथ की सुगमता हो आवश्यक : मनोज

बिभा संवाददाता

खूँटी । नये ईशा वर्ष के निकटता पिकनिक यानि वनभोज का मौसम माना जाता है। जिस समय लोग घरों से निकल पर्यावरण के सौंदर्यता का अवलोकन करने विभिन्न पर्यटन स्थलों में जाते हैं और प्रकृति के सुंदरता का आनन्द लेते हैं। वहीं जिले के अंतर्गत आनेवाले विभिन्न पर्यटन स्थलों में सैलानी आने लगे हैं। जहाँ संवारने की आवश्यकता को ध्यानाकर्षित कराने को लेकर पूर्व सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार ने जिला प्रशासन एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से विशेष आग्रह कि है कि पर्यटन स्थलों की साफ सफाई व झाड़ी कटाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिसम्बर माह के शुरूआत होते ही खूँटी जिला के विभिन्न झरनों एवं पर्यटन स्थलों पर पिकनिक हेतु पर्यटन प्रेमी लोगों का आवागमन शुरू हो चुका है। इसके मद्देनजर कई जगहों से जानकारी प्राप्त हो रहा है कि पर्यटन स्थलों के पहुँच पथ खराब होने एवं पहुँच पथ के दोनों किनारे पर झाड़ियाँ उग जाने के कारण सैलानियों का दुर्घटना होने की सम्भावना बढ़ जाती है। जिसको देखते हुए खूँटी जिला प्रशासन के पदाधिकारियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि जल्द से जल्द झरनों तक के पहुँच पथ की मरम्मती एवं पथ के दोनों किनारे पर जमी झाड़ियों को अविलम्ब कटवाया जाए ताकि आने वाले समय मे किसी प्रकार की दुर्घटना से किसी सैलानियों की जान-माल की हानि न हों।

धनबाद की खबरें

आरिका मेडिवर्ल्ड मल्टी स्पेसलिस्ट अस्पताल ने मनाया दूसरी वर्षगाँठ

बिभा संवाददाता

धनबाद : आठ लेन सड़क जमुवाटांड़, शक्ति चौक के बीच अवस्थित आरिका मेडिवर्ल्ड मल्टी स्पेसलिस्ट अस्पताल का दूसरी वर्षगाँठ धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत अस्पताल के निदेशक डॉ इंद्रजीत कुमार तिवारी के पिता समाजसेवी श्री अरुण चंद्र तिवारी एवं माता श्री मती कृष्णा तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर किया। अस्पताल के निदेशक डॉ रजनी तिवारी ने कहा कि आने वाले दिनों में इस अस्पताल में सारी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी, साथ साथ लिवर ट्रांसप्लांट की भी व्यस्तता रहेगी। मौके पर अस्पताल के सी.ई.ओ. के. के. तिवारी ने कहा कि इस सफल आयोजन के लिए अस्पताल के सभी डॉक्टर, नर्स,कर्मचारी एवं तमाम सहयोगी बधाई के पात्र है। मौके पर राजेश कुमार तिवारी, मुखिया निरंजन गोप,खोरठा गीतकार विनय तिवारी,गौरव तिवारी, समाजसेवी राजीव तिवारी, नवीन चंद्र तिवारी,संतोष रवानी,मंगल गोस्वामी, नारायण ठाकुर, अर्जुन महतो,दया शंकर तिवारी, मो जलाउद्दीन अंसारी,राजीव गोप, निलकंठ मंडल,महेंद्र दास, संतोष ठाकुर, कार्तिक रवानी इत्यादि लोग शामिल थे।

एनएच 02 गोविंदपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में दिन रात लग रही गाड़ियों की लंबी लाइन

समाधान के लिये सांसद ने सदन में उठाया मामला।

डीसी पुलिस ट्रैफिक विभाग ने किया मैराथन बैठक,निरीक्षण, स्थिति बनी हुई है जस के तस,

बिभा संवाददाता

धनबाद : धनबाद शहर से लेकर एनएच 02 गोविंदपुर राष्टीय नेशनल राजमार्ग में दिन रात गाड़ियों की जाम लग रही है। एनएच में दौड़ने वाली गाड़िया रेंग रही है। साथ ही धनबाद से गोविंदपुर जोड़ने वाली, गोविंदपुर से साहिबगंज जाने वाला मार्ग में भी जाम लग रही है। गोविंदपुर एनएच में लगने वाली जाम की समस्या के समाधान के लिये धनबाद भाजपा सांसद ने लोकसभा सदन में बात को रखने का काम किया था। समाहरणालय सभागार में डीसी माधवी मिश्रा पुलिस,ट्रैफिक विभाग, एनएच अधिकारियों के साथ मैराथन बैठक की थी,स्थल निरीक्षण किया गया। डीसी जाम की स्थिति नही बने इसके लिय निर्देश भी दी थी।अतिक्रमण हटाने के लिये भी कहा था। लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है।

एनएच में गाड़ियों की लंबी लाइन लगने का सिलसिला पिछले दो सप्ताह से रुक नही रहा है। दोनों लेन में 4 से 5 किलोमीटर तक गाड़ियों की लाइन लगने के कारण जाम लग रही है। पिछले दिनों कई सड़क दुर्घनाएं भी हो चुकी है।

हालांकि जाम से निपटने को लेकर गोविंदपुर एनएच में ट्रैफिक जवानों को लगाया गया है। वही स्थानीय युवक व्यवस्था को संभाल रहे है। गाड़ियों को पास करवाने का काम कर रहे है। लेकिन गाड़ियों का जाम लग ही जा रही है। जाम में फंसने वाले वाहन ड्राइवर जाम से निकलने को लेकर जैसे तैसे पास कर अपनी जान को जोखिम में डालने का काम भी कर रहे है।

झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा आयोजित जेंडर आधारित भेदभाव एवं हिंसा के खिलाफ 16 दिवसीय अभियान संपन्न

बिभा संवाददाता

महुदा: विश्व मानवाधिकार दिवस के अवसर पर आज झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट एवं क्रिया द्वारा आयोजित जेंडर आधारित भेदभाव एवं हिंसा के खिलाफ 16 दिवसीय अभियान का समापन आज ट्रस्ट के प्रधान कार्यालय कंचनपुर में जिला स्तरीय सेमिनार आयोजित कर समापन किया गया। सेमिनार का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर अतिथि जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह, बाल कल्याण समिति धनबाद के अध्यक्ष उत्तम मुखर्जी, प्रो. शंकर रवानी,जिप सदस्य आशा देवी, ट्रस्ट के अध्यक्ष पूनम वर्मा ने संयुक्त रूप से किया। धन्यवाद ज्ञापन ट्रस्ट की सचिव हलिमा एजाज ने किया।सेमिनार में दिव्यांग, एकल महिला, महिला मण्डल, किशोरी मण्डल के करीब 151 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सेमिनार में सांस्कृतिक कार्यक्रम, गीत संगीत प्रस्तुत कर सेमिनार को खुशनुमा बनाया गया। सेमिनार को संबोधित करते हुए जिला परिषद अध्यक्ष शारदा सिंह ने कहा कि आज के आधुनिक युग में भी लिंग आधारित भेद भाव किया जा रहा जो सभ्य समाज के शुभ संकेत नहीं है। आज लड़कों की तुलना में लड़कियां सभी क्षेत्रों में परचम लहरा रही है, झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के कार्यक्रमों का परिणाम है कि आज धनबाद में बाल विवाह, बल यौन शोषण मामले में काफी कमी आई है। सम्मानित अतिथि बाल कल्याण समिति धनबाद के अध्यक्ष उत्तम मुखर्जी ने कहा कि ट्रस्ट का कार्य सराहनीय रहा है।हम सभी को मिलकर धनबाद जिला को बाल विवाह मुक्त जिला एवं राज्य का निर्माण करना है। वहीं ट्रस्ट की सचिव हलिमा एजाज ने समापन सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश दुनिया में ऑनलाइन स्पेस में दृश्य -अदृश्य हिंसा में बढ़ोतरी हुई है। सोशल मीडिया नेटवर्क का उपयोग सावधानी पूर्वक करना है। ऑनलाइन स्पेस में सजग और सचेत रहकर ही बचा जा सकता है। ऑनलाइन हिंसा की शिकार ज्यादातर युवा महिलाएं एवं किशोरियां हो रही है। ऐसी स्थिति में अपने अपने अभिभावक, मुद्दे पर कार्य कर रहे स्वतंत्र संस्थाओं एवं स्थानीय थाना में सूचना देकर ऑनलाइन स्पेस में बढ़ती हिंसाओं पर अंकुश लगा सकते हैं।

सेमिनार के अंत में संस्था 24 वर्ष पूरे होने की केक काटकर खुशी मनाई गई। सेमिनार में निबंध लेखन,चित्रांकन, एवं नृत्य प्रतियोगिता में सर्वोत्तम प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को ट्रस्ट की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। सेमिनार को सफल बनाने में प्रो.शंकर रवानी, अध्यक्ष पूनम वर्मा, स कोषाध्यक्ष विनोद महतो, उमेश इस ऊषा, ममता रवानी नईमुद्दीन अंसारी,सीता कुमारी, नितेश कुमार वर्मा, रेखा महतो, मुमताज अंसारी, तिलकधारी रवानी, उमेश ऋषि, ममता रवानी, दीपा कुमारी,पुजा कुमारी, माला देवी, गुलनाज बानो, चंदा कुमारी, बेला कुमारी,बेबी प्रियंका, राधा कुमारी, योगेश्वर रवानी, कामेश्वर प्रसाद महतो,उषा देवी, उर्मिला देवी के साथ साथ दर्जनों किशोरियों एवं महिलाओं का सराहनीय योगदान रहा।

धनबाद कोर्ट परिसर में मानव अधिकार संरक्षण प्रतिष्ठान ने मनाया विश्व मानवाधिकार दिवस

बिभा संवाददाता

धनबाद : धनबाद कोर्ट परिसर में मानवाधिकार संरक्षण प्रतिष्ठान की ओर से हर वर्ष की भांति इस वर्ष में भी अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाने के लिए सभा का आयोजन किया । मानव अधिकार संरक्षण प्रतिष्ठान धनबाद जिला के जिला अध्यक्ष धनेश्वर महतो में संबोधन करते हुए बताया कि 10 दिसंबर 1950 को भारत में मानवाधिकार दिवस के रूप में अपनाया गया और संयुक्त राष्ट्र संघ के महासभा के द्वारा अपनाया गया । तब से पूरे विश्व में 10 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाने का कार्यक्रम करते आ रहे हैं। उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए बताया कि प्रत्येक मनुष्य को अपने मानव अधिकार को समझ कर कार्य करने की जरूरत है एवं जो कार्य नहीं कर रहे हैं उनको कार्य करने के लिए प्रेरित करने की जरूरत है । आज धनबाद जिला ही नहीं पूरा विश्व मानव अधिकार दिवस मान रहा है आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से धनेश्वर महतो,शंकर प्रसाद शर्मा ,अरुण कुमार मांझी, रंजीत कुमार महतो, राजू साहू, गांगू रजक, नवल किशोर चौधरी ,रामप्रीत पासवान ,राहुल महतो के अलावे अनेकों लोग उपस्थित थे।

संपादकीय

संसद में सियासी तापमान प्रचंड

वैश्विक स्तरपर दुनिययाँ के अनेकों लोकतांत्रिक देश में वहां के निचले व उच्च सदन के लिए निर्वाचित सदस्यों के बीच सदन जूते चप्पलों का चलना कुर्सियां फेंकना व आपसी मारपीट के अनेक मामले हम टीवी चैनलों के माध्यम से देख चुके हैं जो एक लोकतंत्र के मंदिर में किसी भी प्रकार से उचित नहीं ठहराया जहां सकता यह उस जनता का अपमान है जिन्होंने उन्हें का समाधान करने वह उनका जीवन बेहतर बनाने के लिए उन्हें चुना है। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2024 तक चलने वाले भारतीय संसद के शीतकालीन सत्र में हम पहले दिन से ही देख रहे हैं कि काफी हंगामा मचा हुआ है,सदन नहीं चल रहा है व लगातार स्थगित हो रहे हैं जो आज 10 दिसंबर 2024 को भी दिन भर बाधित रहा और 11 दिसंबर 2024 तक के लिए स्थगित कर दिया गया। विपक्ष लगातार उद्योगपति मामले पर जेपीसी की मांग कर रहा है जिसपर सदन में चर्चा हो परंतु अब सत्ता पक्ष मैं भी जार सोरोन का मुद्दा उठाकर बड़ी पार्टी को भी घेरा है जिससे अब और भी स्थिति गंभीर होती जा रही है जनता देख रही है पिछले, कुछ सत्रों से हम देख रहे हैं कि लोकसभा सत्र के दौरान ही कोई गंभीर मुद्दा उठता है और उसपर हंगामा शुरू हो जाता है और जनता की गाड़ी कमाई का पैसा यूं ही अपव्यय हो जाता है।चूँकि भारतीय संसदीय शीतकालीन सत्र 25 नवंबर से 20 दिसंबर 2024 तक चल रहा है, संसद की लड़ाई अदानी से होकर सोरोस पर आई-दुनियाँ की जनता देखती रही। साथियों बात अगर हम हंगामेंदार शीतकालीन सत्र की करें तो शीतकाल में दिल्ली का पारा गिरता जा रहा है लेकिन संसद में सियासी तापमान प्रचंड है।शुरुआती छह में से पांच दिनों की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ने के बाद कामकाज पटरी पर लौटा ही था कि दोनों ही सदन फिर से बेपटरी हो गए हैं। लोकसभा से राज्यसभा तक अडानी मुद्दे पर विपक्ष आक्रामक है तो वहीं अब दोनों सदनों में ट्रेजरी बेंच भी फ्रंटफुट पर आ गया है। संसद में अडानी मुद्दे से शुरू हुआ संग्राम अब जॉर्ज सोरोस पर आ गया है संसद के शुरुआती हफ्ते में जहां विपक्ष का अडानी पर आक्रामक रवैया सदन की कार्यवाही में बाधा बना तो वहीं अब विपक्ष के इस मुद्दे का जवाब सत्ता पक्ष के सदस्य संसद में जॉर्ज सोरोस के मुद्दे से दे रहे हैं।सत्ता पक्ष ने सोमवार को सोरोस मुद्दे पर चर्चा की मांग को लेकर हंगामा किया जिसकी वजह से राज्यसभा की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे और फिर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

इंडिया गठबंधन में बढ़ती दरारें एवं मुश्किलें

लेखक

ललित गर्ग

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

> महाराष्ट्र चुनाव में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया बिखरा हुआ ही प्रतीत हुआ, सपा ने शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से नाराजगी की बात कहते हुए महाविकास अघाड़ी गुट से नाता तोड़ा, भले इससे राज्य की सियासत पर असर न पड़ा हो, लेकिन इसके गहरे राजनीतिक मायने हैं। इसी तरह, तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का इंडिया को लीड करने की इच्छा जाहिर करना भी बहुत कुछ कहता है। इन दोनों की नाराजगी गठबंधन के नेतृत्व और इस तरह से सीधे कांग्रेस को लेकर है।

विपक्षी गठबंधन इंडिया की उलटी गिनती का क्रम रूकने का नाम नहीं ले रहे हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल से आ रही खबरों से साफ होता है कि इंडिया गठबंधन इंडिया में सब कुछ सही नहीं चल रहा। लगातार चुनावी नाकामियों से पैदा हुई बेचैनी गठजोड़ पर भारी पड़ रही है। एक-दूसरे के खिलाफ असंतोष, दोषारोपण और बयानबाजी विपक्ष एकता के लिए बिल्कुल भी शुभ संकेत नहीं, जो गठबंधन की मुश्किलें बढ़ाने का ही सबब है। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रभावी प्रदर्शन एवं परिणामों के कारण ही वह अधिकारपूर्वक इंडिया का नेतृत्व अपने हाथों में लेकर गठबंधन की अगुआई करने में सक्षम हो पायी। लेकिन कांग्रेस की ओर से ऐसी कोई मजबूत एवं प्रभावी पहल बाद में हुए हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखण्ड, जम्मू-कश्मीर आदि प्रांतों के चुनावों में देखने को नहीं मिली, राज्यों के विधानसभा चुनावों में इंडिया गठबंधन का हिस्सा होते हुए भी पार्टियों ने अपनी क्षेत्रीय जरूरत को सर्वोपरि रखते हुए फैसले लिए जो गठबंधन की प्रतिबद्धताओं पर प्रश्न लगाती है। अडाणी मुद्दे को लेकर शीतकालीन संसद सत्र में इंडिया गठबंधन में दरार दिखने लगी है। अडानी के मुद्दें पर कांग्रेस और राहुल गांधी लगातार संसद में हंगामा कर रहे हैं, सदन की कार्यवाही नहीं चल पाई है। वहीं, अडानी के मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी और टीएमसी कांग्रेस से अलग अपना रुख दिखाते हुए आम सहमति नहीं बना पा रहे हैं। वैसे भी ये दोनों दल ही 66 सांसदों के साथ गठबंधन के मजबूत आधार है। निश्चित रूप से

कांग्रेस के मुद्दों से इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल ही कांग्रेस से दूरी बना रहे हैं। भाजपा जब कांग्रेस से मुकाबले में होती है तब उसका प्रदर्शन सबसे अच्छा रहता है। जबकि क्षेत्रीय नेताओं के मुकाबले राहुल का जादू फीका पड़ता है। इसके उदाहरण हैं झारखंड के हेमंत सोरेन का शानदार प्रदर्शन और बंगाल की ममता बनर्जी जिन्होंने उपचुनाव में सारी सीटें जीत ली। हरियाणा विधानसभा चुनावों में हमने देखा कि इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी थी और वहां भाजपा ने शानदार जीत हासिल करते हुए सरकार बनाने में कामयाब रही। महाराष्ट्र में भी इंडिया गठबंधन का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। आप ने तो कांग्रेस से दूरी बनायी ही है, अन्य दल भी दूरियां बना रहे हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले ही कांग्रेस एवं आप के बीच सहमति नहीं पायी है। आप ने समझ लिया है कि गठबंधन से कांग्रेस को ही फायदा अधिक होता है। इस तरह गठबंधन के टूटन से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक पहले भी छंटते हुए दिखाई दिये हैं और दिल्ली में ही ऐसा होता हुआ दिख रहा है। कांग्रेस, आप एवं भाजपा के त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही मिला है और आगे भी ऐसा ही होने की संभावनाएं है। महाराष्ट्र चुनाव में भी विपक्षी गठबंधन इंडिया बिखरा हुआ ही प्रतीत हुआ, सपा ने शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट से नाराजगी की बात कहते हुए महाविकास अघाड़ी गुट से नाता तोड़ा, भले इससे राज्य की सियासत पर असर न पड़ा हो, लेकिन इसके गहरे राजनीतिक मायने हैं। इसी तरह, तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का इंडिया को लीड करने की इच्छा जाहिर करना भी बहुत कुछ कहता है। इन दोनों की नाराजगी गठबंधन के नेतृत्व और इस तरह से सीधे कांग्रेस को लेकर है। विभिन्न राज्यों में जहां-जहां इंडिया गठबंधन दलों की सरकारें हैं, वे अडाणी जैसे मुद्दों से दूरी बनाना चाहते हैं। ममता बनर्जी ने जिस तरह यह कहा कि उनका दल कांग्रेस की ओर से उठाए गए किसी एक मुद्दे को प्राथमिकता नहीं देगा, उससे यही संकेत मिला कि वह नहीं चाहतीं कि अदाणी मामले को तूल दिया जाए। कांग्रेस को इसकी भी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि गत दिवस ही माकपा के नेतृत्व वाली केरल सरकार ने बंदरगाह के विकास के लिए अदाणी समूह के साथ एक पूरक समझौते को अंतिम रूप दिया। साफ है कि माकपा भी अदाणी मामले में कांग्रेस के रुख से सहमत नहीं। तेलंगाना सरकार ने अदाणी समूह के साथ एक समझौता कर रखा है और अतीत में राजस्थान की कांग्रेस सरकार ने भी राज्य में इस समूह के निवेश को हरी झंडी दी थी। आखिर राहुल गांधी इन स्थितियों को क्यों नहीं समझ एवं देख रहे हैं? विपक्ष गठबंधन इंडिया में सबसे ज्यादा कमी आम सहमति की दिखाई देती है। सीटों से लेकर मुद्दों तक, सहयोगी दलों के बीच कहीं एकजुटता एवं आम सहमति नहीं दिखती। इसी शीतकालीन सत्र में अदाणी मामले पर कांग्रेस और टीएमसी ने अलग राह पकड़ ली। दरअसल, यह टकराव राष्ट्रीय राजनीति में फिर से मजबूत होने की कोशिश कर रही कांग्रेस और अपनी खोयी राजनीतिक जमीन को पाने के लिए लड़ रहीं क्षेत्रीय राजनीति की धुरंधर पार्टियों के बीच का ज्यादा है। देखा जाए तो समय-समय पर इस तरह की खबरें आती रही हैं, जो विपक्षी एकता के लिए चुनौती खड़ी कर देती हैं। कुछ अरसा पहले ही यूपी में उपचुनाव को लेकर कांग्रेस और सपा के बीच जैसी असहज स्थिति बनी थी, वैसा सहयोगियों के बीच तो नहीं होता। महाराष्ट्र चुनाव के दौरान भी सहयोगी दलों में तालमेल की कमी होने की बात सामने आई थी। बंगाल में पहले ही कांग्रेस और टीएमसी एक-दूसरे के विरुद्ध हैं।

संसद में टी शर्ट, जॉर्ज सोरोस और धनखड़

लेखक

राकेश अचल

संसद में इन दिनों तमाशा ही तमाशा चल रहा है, काम हो नहीं रहा। काम होगा भी नहीं ,क्योंकि सरकार कहती है कि उसके पास तमाम विधेयक पारित करने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। संसद के दोनों सदनों में जो कुछ हो रहा है उसमें से बहुत कुछ अप्रत्याशित भी है और बहुत कुछ प्रायोजित भी। संसद की गरिमा की फ़िक्र किसी को नहीं है। यदि आप संसद की कार्रवाई देखते हों तो आपको पता होगा की संसद के दोनों सदनों में भाजपा, कांग्रेस और शेष विपक्ष के सदस्यों का आचरण कैसा है। संसद चलाने वालों का आचरण कैसा है? सबसे पहले लोकसभा की बात करें। लोकसभा में हंगामा जारी है ,क्योंकि सरकार ऐसा चाहती है। सरकार कांग्रेस के और विपक्ष के दूसरे दलों के सांसदों के प्रश्नों के उत्तर नहीं देना चाहती है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू को और कुछ नहीं तो विपक्ष के नेता राहुल गांधी की टीशर्ट पर ही आपत्ति है। उनका मानना है कि टीशर्ट पहनकर संसद में आने से सदन की गरिमा गिरती है। किरेन का ये तर्क आपके गले उतरता हो तो अलग बात है, लेकिन मेरे गले तो नहीं उतरता। संसद के किसी भी सदन में अभी तक कोई ड्रेस कोड नहीं है, क्योंकि संसद संघ की शाखा नहीं बल्कि देश भर के अलग-अलग हिस्सों से चुनकर आने वाले जन प्रतिनिधियों का मंच है। सबकी अलग-अलग वेश-भूषा है। लेकिन किरेन ये नहीं समझते। लोकसभा में ही लोकसभा के अध्यक्ष अडानी या अम्बानी का जिक्र आते ही भड़क जाते है। वे कहते हैं कि अडानी या अम्बानी सदन के सदस्य नहीं है इसलिए उनका नाम सदन के भीतर नहीं लिया जा सकता ,लेकिन दूसरी तरफ लोकसभा अध्यक्ष को अमेरिका के जार्ज सोरोस का नाम लेकर कांग्रेस के नेताओं पर हमला किये जाने से कोई आपत्ति नहीं है। मुमकिन है की लोकसभा अध्यक्ष को लगता हो की जार्ज सदन के सदस्य हैं इसलिए उनके नाम का उल्लेख किया जा सकता है। सत्तारूढ़ दल विपक्ष के किसी भी आरोप पर,सवाल पर कुछ बोलने के बजाय बेसिर-पैर के मुद्दे उठाकर हर सवाल से बचने की कोशिश में लगा हुआ है ,यदि ऐसा न होता तो सदन में न राहुल की टीशर्ट पर सवाल उठते और न जार्ज सोरोस और कांग्रेस के रिश्तों पर। अब चलिए राज्यसभा मे। यहां तो विपक्ष ने सभापति जगदीप धनकड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश कर ही दिया है। जाहिर है कि विपक्ष के सब्र का बांध टूट गया है, अन्यथा सभापति का इतना मान तो होता है कि कोई उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव न लाये। सभापति सबके होते हैं, होना चाहिए ,लेकिन धनकड़ सबके नहीं हैं ,वे भाजपा के जीवनव्रती सदस्य बने रहना चाहते हैं। वे शायद भूल गए हैं कि वे अब बंगाल के राज्य पाल नहीं बल्कि राजयसभा के सभापति हैं। राजयसभा के सदस्य दिग्विजय सिंह ने कहा भी है कि उन्होंने धनकड़ जैसा पक्षपाती सभापति अपने पूरे जीवनकाल में नहीं देखा। मै एक साधारण पत्रकार हूँ लेकिन मैंने भी धनकड़ जैसा सभापति अपने जीवनकाल में नहीं देखा। सदन में भाजपा मणिपुर पर चर्चा नहीं कर रही। बांग्लादेश से बिगड़ते रिश्तों पर बहस नहीं कर रही, उसका प्रिय विषय जार्ज सोरोस हैं।जॉर्ज सोरोस को लेकर भाजपा हमलवार है और कांग्रेस पर सोरोस से संबंध रखने का आरोप लगाया है. पार्टी ने इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांगकी जिससे राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ी. भाजपा का कहना है कि कांग्रेस की नेता सोनिया गांधी उस संगठन से जुड़ी हैं, जो सोरोस से फंड लेती हैं। यही नहीं, पार्टी का आरोप है कि मोदी सरकार को कमजोर करने के लिए कांग्रेस ने सोरोस के साथ हाथ मिलाया है। भाजपा को पता है कि कांग्रेस ने किस किस से हाथ मिला रखा है ,लेकिन उसे ये नहीं पता कि मणिपुर क्यों जल रहा है ? बांग्लादेश क्यों भारत से मुठभेड़ ले रहा है? आप कहीं लिखकर रख लीजिये कि भाजपा संसद के शीतकालीन सत्र को सुचारु रूप से चलने की कोई कोशिश करेगी ही नहीं और ठीकरा विपक्ष के सर फोड़कर अपनी जिम्मेदारी से बचकर निकल भागेगी। दोनों सदनों के सभापति सदन को सर्वानुमति से चलने में नाकाम साबित हो चुके है। संसदीय कार्यमांत्रि नाकाम हो चुके हैं और प्रधानमंत्री की और से इस दिशा में कोई कोशिश की नहीं गयी है। वे कोशिश करेंगे भी नहीं,क्योंकि उनका विपक्ष के साथ संवाद ही नहीं है। प्रधानमंत्री संसद छोड़कर प्रयाग में महाकुम्भ की तैयारियों का जायजा लेने पुराने अलाहबाद जाएंगे किन्तु सदन में शांति स्थापना के लिए प्रकट नहीं होंगे। बहरहाल सांसद में तमाशा जारी है। राजयसभा में सभापति धनकड़ साहब के खिलाफ भले ही विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव पारित न हो लेकिन उनके लत्ते तो लिए जायेंगे है। धनकड़ के लत्ते लिए जाने का मतलब है सरकार के लत्ते लिए जाना। भाजपा और पूरी सरकार की कोशिश सदन चलाने की नहीं बल्कि आईएनडीआईए गठबंधन को तोड़ने की है। सरकार ये कर भी सकती है, क्योंकि सरकार और सरकारी पार्टी को तोड़फोड़ का पर्याप्त अनुभव है । पिछले दस साल छह महीने में सरकार और सरकारी पार्टी ने अनेक क्षेत्रीय दलों को तोड़ा है ,अनेक जनादेशों को खरीदा और बेचा है। मेरी सहानुभूति विपक्ष के साथ नहीं बल्कि सत्तापक्ष के साथ है। प्रधानमंत्री के साथ है क्योंकि वे चाहकर भीं प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की तरह सर्वप्रिय नेता नहीं बन पाए। वे अपनी सरकार को सबको साथ लेकर चला भी नहीं पा रहे हैं। वे एक लंगड़ी सरकार के प्रधानमंत्री हैं। उनके पास अपना संख्या बल नहीं है। वे बैशाखियों के सहारे सरकार चला रहे हैं। एक विकलांग सरकार के मुखिया से ज्यादा अपेक्षा करना भी उनके प्रति अन्याय है। प्रधानमंत्री जी जितना कर पा रहे हैं उतना कम नहीं है। वे दया के पात्र हैं। क्योंकि देश का विपक्ष उनके साथ नहीं है। देश की अकलियत उनके साथ नहीं है। वे टीशर्ट से नफरत करते हैं। आदि-आदि। मेरा विपक्ष से अनुरोध है कि वो प्रधानमंत्री जिको ज्यादा परेशान न करे । वे 75 साल के होने वाले हैं। उन्हें महाराष्ट्र के बाद दिल्ली विधानसभा चुनाव भी जीतना है। उन्हें सदन की जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया जाये तो बेहतर है। राहुल गांधी की टीशर्ट पर आपत्ति और जार्ज सोरोस से कांग्रेस के रिश्तों को मुद्दा बनाने से यदि लंगड़ी सरकार का भला हो सकता है तो जरूर होना चाहिए,क्योंकि इन दोनों मुद्दों से कांग्रेस का तो कुछ बुरा होना नहीं है। कांग्रेस का तो जितना बुरा होना था वो हो चूका। और बचा-खुचा आने वाले दिनों में आईएनडीआईए के विघ्नसंतोषी घटक खुद कर देंगे। कांग्रस सत्ता में नहीं है और 2029 तक लोकसभा में कोई माई का लाल कांग्रेस से लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद छीन नहीं सकता।

राशिफल

मेष
आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेंगे। पदोन्नति मिलने का योग है। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है।

वृष
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मनः स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा।

मिथुन
पुरुषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी।

कर्क
मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा।

सिंह
निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

कन्या
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्याकंन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा।

तुला
ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे।

वृश्चिक
विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग।

धनु
अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा।

मकर
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है।

कुंभ
हरि करे सो खरी अतः हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

मीन
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा।

जन्मतिथि पर विशेष : नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक अल्फ्रेड वर्नर

लेखक

संजय गोस्वामी

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

> 1892 में वे तकनीकी हाई स्कूल में एक शिक्षक के रूप में ज्यूरिख लौट आए, और 1893 में उन्हें विक्टर मर्ज़ का अनुसरण करने और फिर कार्बनिक रसायन विज्ञान में विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम देने के लिए नियुक्त किया गया।1895 में, जब वे केवल 29 वर्ष के थे, तब वे विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर बने और कार्बनिक रसायन विज्ञान पर व्याख्यान देने लगे। 1902 में, उन्होंने अकार्बनिक रसायन विज्ञान पर व्याख्यान देने का कार्यभार संभाला।

अल्फ्रेड वर्नर, फैक्ट्री फोरमैन जे.ए. के पुत्र वर्नर, का जन्म 12 दिसंबर, 1866 को अलसैस के मुलहौसेन में हुआ था, जहां उन्होंने पढ़ाई की। स्कूल में रहते हुए उन्होंने रसायन विज्ञान में रुचि दिखाई और जब वे केवल 18 वर्ष के थे, तब उन्होंने अपना पहला स्वतंत्र रासायनिक प्रयोग किया। वे एक स्विस रसायनज्ञ थे, जो ज्यूरिख के छात्र और ज्यूरिख विश्वविद्यालय में प्रोफेसर थे। उन्होंने संक्रमण धातु परिसरों के अष्टफलकीय विन्यास का प्रस्ताव देने के लिए 1913 में रसायन विज्ञान में नोबेल पुरस्कार जीता। 1885 से 1886 तक उन्होंने कार्लज़ूए में अपनी सैन्य सेवा की और इस दौरान उस शहर के तकनीकी हाई स्कूल में एंगलर के पाठ्यक्रमों में भाग लिया। 1886 में उन्होंने ज्यूरिख में फेडरल टेक्निकल हाई स्कूल में दाखिला लिया और 1889 में उन्होंने तकनीकी रसायन विज्ञान में डिप्लोमा प्राप्त किया। वहां पढ़ाई के दौरान वे प्रोफेसर ए. हंट्ज़स्च से बहुत प्रभावित हुए। 1889 में उन्हें ज्यूरिख टेक्निकल हाई स्कूल में प्रोफेसर लंज की प्रयोगशाला में सहायक के रूप में नियुक्त किया गया और फिर प्रोफेसर हंट्ज़स्च के साथ अनुसंधान में सहयोग करना शुरू किया। 1890 में उन्होंने ज्यूरिख विश्वविद्यालय से नाइट्रोजन युक्त अणुओं में परमाणुओं की स्थानिक व्यवस्था पर थीसिस के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। 1890 से 1891 तक उन्होंने इस विषय पर आगे काम किया और पेरिस की

यात्रा की, जहां उन्होंने कॉलेज डी फ्रांस में प्रोफेसर बर्थेलॉट के अधीन काम किया। 1892 में वे तकनीकी हाई स्कूल में एक शिक्षक के रूप में ज्यूरिख लौट आए, और 1893 में उन्हें विक्टर मर्ज़ का अनुसरण करने और फिर कार्बनिक रसायन विज्ञान में विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम देने के लिए नियुक्त किया गया।1895 में, जब वे केवल 29 वर्ष के थे, तब वे विश्वविद्यालय में रसायन विज्ञान के प्रोफेसर बने और कार्बनिक रसायन विज्ञान पर व्याख्यान देने लगे। 1902 में, उन्होंने अकार्बनिक रसायन विज्ञान पर व्याख्यान देने का कार्यभार संभाला। 1895 में उन्हें स्विस नागरिकता प्राप्त हुई, और हालाँकि उन्हें वियना, बेसल और वुर्ज़बर्ग में पदों की पेशकश की गई, लेकिन उन्होंने ज्यूरिख में रहने का विकल्प चुनते हुए इन्हें अस्वीकार कर दिया।वर्नर का नाम हमेशा उनके द्वारा विकसित समन्वय सिद्धांत और अणुओं में परमाणुओं के स्थानिक संबंधों पर उनके काम से जुड़ा रहेगा, जिसकी नींव उनके द्वारा किए गए काम में रखी गई थी, जब वह केवल 24 वर्ष के थे, अपने डॉक्टरेट थीसिस के लिए 1892 में। इस कार्य में उन्होंने यह विचार विकसित किया कि कई टर्वेलेंट नाइट्रोजन यौगिकों में, नाइट्रोजन परमाणु के तीन वैलेंस बांड नाइट्रोजन परमाणु की ओर निर्देशित होते हैं, जो चतुष्फलक के तीन कोनों में स्थित होते हैं, जबकि चौथे कोने पर नाइट्रोजन परमाणु का कब्जा होता है। 1891 में, उन्होंने सापेक्षता और संयोजकता के सिद्धांत पर एक पेपर प्रकाशित किया था, जिसमें उन्होंने केकुले के निरंतर संयोजकता के सिद्धांत को पेश किया था। यह विचार था कि सापेक्षता एक परमाणु के केंद्र से निकलने वाली एक आकर्षक शक्ति है जो दुनिया के सभी हिस्सों पर समान रूप से लागू होती है। 1893 में, उन्होंने खनिज यौगिकों पर एक पेपर में परिवर्तनशील संयोजकता के अपने सिद्धांत को बताया, जिसके अनुसार अकार्बनिक आणविक यौगिकों में एक एकल परमाणु होता है, जो अन्य परमाणुओं, रेडिकल्स या अणुओं की एक विशिष्ट संख्या द्वारा व्यवस्थित केंद्रीय नाभिक के रूप में क्षेत्र, ज्यामितीय पैटर्न पर कार्य करता है। वह आंकड़ा जो केंद्रीय नाभिक के चारों ओर एकत्रित परमाणुओं की संख्या को व्यक्त करता है, उसे वर्नर ने समन्वय संख्या कहा था। इन समन्वय संख्याओं में सबसे महत्वपूर्ण 3, 4, 6 और 8 हैं, संख्या 6 विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। हजारों आणविक यौगिक संख्या 6 प्रकार के अनुरूप हैं, और उनमें से अधिकांश में एक केंद्रीय परमाणु होता है जिसके परमाणु अष्टफलक के कोनों से जुड़े होते हैं।अगले 20 वर्षों में, वर्नर और उनके सहयोगियों ने आणविक यौगिकों की एक नई श्रृंखला का अध्ययन किया और तैयार किया, और उनके संगठन का पता लगाया। उन पर कई पत्र प्रकाशित किए गए, जिनमें से अकेले 150 थे। अंत में, उनका काम अध्ययन किए गए परिसरों के ऑप्टिकली-सक्रिय आइसोमर्स की खोज में समाप्त हुआ, जिनके अस्तित्व की भविष्यवाणी उनकी परिकल्पना द्वारा की गई थी। ऑक्टाहेड्रल समरूपता के साथ ऑप्टिकली-सक्रिय परिसरों की 40 से अधिक श्रृंखलाओं को ऑप्टिकली सक्रिय रूपों से अलग किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप समन्वय संख्या 6 पर संरचनाओं का स्थानिक विन्यास वैन टी टेट्राहेड्रल कार्बन परमाणु के समान दृढ़ता से स्थापित किया गया था। वर्नर ने अन्य निर्देशांक संख्याओं, विशेष रूप से 4, के साथ समस्याओं पर भी काम किया, जहां रूप टेट्राहेड्रल या समतल वर्ग हो सकता है। पॉल फ़िफ़र की तरह, ग्रेट केमिस्ट्स (1961, एडुआर्ड फार्बर, इंटरसाइंस, न्यूयॉर्क द्वारा संपादित) में प्रकाशित वर्नर के काम के अपने विवरण में उन्होंने नोट किया कि वर्नर का समन्वय सिद्धांत अकार्बनिक रसायन विज्ञान के साथ-साथ कार्बनिक रसायन विज्ञान की पूरी श्रृंखला तक फैला हुआ है। इस पर अपने काम के लिए, वर्नर को 1913 में रसायन विज्ञान के लिए नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वर्नर गौटिंगेन में रॉयल सोसाइटी ऑफ साइंसेज (कोनिग्लिशे गेसेलशाफ्ट डेर विसेंसचाफ्टन) और एलाँगेन की फिजिको-मेडिकल सोसाइटी (फिजिकालिस्च-मेडिज़िनिशे सोज़िएटेट) के संबंधित सदस्य थे। उन्होंने जिनेवा विश्वविद्यालय से मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की, और उसी शहर में सोसाइटी ऑफ नेचुरल साइंसेज एंड नेचुरल हिस्ट्री, फ्रैंकफर्ट/मेन के फिजिकल एसोसिएशन (फिजिकलिसचर वेरेइन), हफ़्ट, सोसाइटी जर्मन बर्न्सेंजेसेलस्क के मानद सदस्य थे। लॉज़ेन में वाउडोइस डेस साइंसेज नेचरलेज़ और लंदन की केमिकल सोसायटी के मानद सदस्य थे। । वह मॉस्को में इंपीरियल सोसाइटी ऑफ फ्रेंड्स ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, एंथ्रोपोलॉजी एंड एथ्नोग्राफी के स्थायी सदस्य भी थे। फ्रांस ने उन्हें अपने सोसाइटी चिमिके के लेब्लांक पदक और ऑफ़िसियर डी ल इंस्ट्रक्शन पब्लिक के गौरव से सम्मानित किया।वर्नर एक बहुत ही मिलनसार व्यक्ति थे, उनके शौक बिलियर्ड्स, शतरंज और स्विस कार्ड गेम जैसे थे। उन्होंने अपनी छुट्टियाँ पहाड़ों के बीच बिताईं और स्विट्जरलैंड के बाहर वैज्ञानिक बैठकों में भाग लेने के लिए बड़े पैमाने पर यात्रा की। एक शिक्षक के रूप में, वह एक प्रेरक और जोशीले वक्ता थे जो कठिन समस्याओं की स्पष्ट व्याख्या करने में माहिर थे। उनके छात्रों में जांत्श, कैरर और फ़िफ़र जैसे प्रमुख व्यक्ति थे। दूसरों के लिए महत्वपूर्ण थीं उनकी पुस्तकें न्यूएरे अंसचौंगेन औफ डेम गेबीटे डेर एनऑर्गेनिसचेन केमी (अकार्बनिक रसायन विज्ञान पर नए विचार) और लेहरबच डेर स्टीरियोकेमी (स्टीरियोकैमिस्ट्री की पाठ्यपुस्तक), दोनों 1904 में प्रकाशित हुईं।1894 में, वर्नर ने ज्यूरिख की एम्मा गिस्कर से शादी की, जो एक जर्मन परिवार की सदस्य थी। उनका एक बेटा, अल्फ्रेड और एक बेटी, चार्लोट थी।1913 में, जिस वर्ष उन्हें रसायन विज्ञान के लिए नोबेल पुरस्कार मिला, वे पहले से ही धमनीकाठिन्य से पीड़ित थे। 1915 में इसके कारण उन्हें अपनी नियमित रसायन विज्ञान की पढ़ाई छोड़नी पड़ी, और 1919 में उन्हें अपनी प्रोफेसरशिप से इस्तीफा देना पड़ा। 15 नवंबर, 1919 को 53 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया।लेकिन रसायन विज्ञान में उनके योगदान के लिए लोग आज भी याद करते हैं।

उत्तराखंड की वह जगह जहाँ लंका दहन के बाद हनुमान जी ने बुझाई थी अपनी पूँछ की आग

देवभूमि कहा जाने वाला उत्तराखंड राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता, खूबसूरत नज़ारों व इतिहास को लेकर दुनियाभर में मशहूर है। उत्तराखंड में कई प्राचीन पहाड़, गंगा-यमुना सहित कई खूबसूरत जगहें हैं। माना जाता है कि इन चोटियों पर देवी-देवताओं के कई रहस्य और कहानियां छिपी हुई हैं। ऐसी ही एक रहस्यमई चोटी उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित बंदरपूंछ ग्लेशियर में भी है। आइए जानते हैं इसके बारे में-

रामायण काल है संबंध

बंदरपूंछ का शाब्दिक अर्थ है - 'बंदर की पूंछ'। यह एक ग्लेशियर है जो उत्तराखंड के पश्चिमी गढ़वाल क्षेत्र में स्थित है। यह ग्लेशियर समुद्र तल से लगभग 6316 मीटर ऊपर स्थित है। इसका ग्लेशियर का संबंध रामायण काल से माना जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार जब लंकापति रावण ने भगवान हनुमान की पूंछ पर आग लगाई थी तो उन्होंने पूरी लंका में आग लगा दी थी। इसके बाद हनुमान जी ने इस चोटी पर ही अपनी पूंछ की आग बुझाई थी। इसी कारण इसका नाम बंदरपूंछ रखा गया। यही नहीं, यमुना नदी का उद्गम स्थम यमुनोत्री हिमनद भी बंदरपूंछ चोटी का हिस्सा माना जाता है।

बंदर पूंछ में तीन चोटियां हैं - बंदरपूछ 1, बंदरपूंछ 2 और काली चोटी भी स्थित है। यमुना नदी का उद्गम बंदरपुंछ सर्किल ग्लेशियर के पश्चिमी छोर पर है। बंदरपूंछ ग्लेशियर गंगोत्री हिमालय की रेंज में पड़ने वाला है। इस ग्लेशियर पर सबसे पहली चढ़ाई मेजन जनरल हैरोल्ड विलयम्स ने साल 1950 में की थी। इस टीम में महान पर्वतारोही तेनजिंग नोर्गे, सार्जेंट रॉय ग्रीनवुड, शेरपा किन चोक शेरिंग शामिल थे।

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने का सही समय

बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए सबसे अच्छा समय मार्च से लेकर अक्तूबर का महीना माना गया है। वहीं, अगर आप यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ उठाना चाहते हैं तो मई और जून का महीना बेस्ट रहेगा।

उठा सकते हैं ट्रैकिंग का लुत्फ

सैलानी यहां पर ट्रैकिंग का लुत्फ भी उठाते हैं। इस दौरान आप ट्रैकिंग के रास्ते पर बसंत ऋतु के कई फूल देख सकते हैं। इसके अलावा आपको कई जानवरों की दुर्लभ प्रजातियां भी देखने को मिल सकती है। बता दें कि बंदरपूंछ ग्लेशियर जाने के लिए आपको देहरादून जाना पड़ेगा। वहां से आप उत्तरकाशी के लिए गाड़ी लेकर ग्लेशियर पहुँच सकते हैं।

जंगली गुलाबों से सजी है लद्दाख की यह घाटी

खूब लुत्फ उठाते हैं देश-विदेश के पर्यटक

लेह-लद्दाख अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खूबसूरती के लिए देश ही नहीं दुनियाभर में प्रसिद्ध है। लद्दाख को भारत का मुकुट कहा जाता है। लद्दाख में बहुत से पर्यटक स्थल हैं। आज हम आपको लद्दाख में स्थित नुब्रा घाटी के बारे में बताने जा रहे हैं। नुब्रा घाटी लद्दाख की ऊंची और खूबसूरत पहाड़ियों के बीच बसी है। देश ही नहीं दुनियाभर से लोग इस घाटी में घूमने आते हैं। आइए जानते हैं नुब्रा घाटी के बारे में-

लद्दाख के बाग के नाम से मशहूर है नुब्रा घाटी

नुब्रा घाटी लेह से 150 किमी की दूरी पर बसी एक आकर्षक और खूबसूरत घाटी है। नुब्रा का मतलब होता है - फूलों की घाटी। यह घाटी गुलाबी और पीले जंगली गुलाबों से सजी है। इसकी सुंदरता की वजह से नुब्रा घाटी को 'लद्दाख के बाग' के नाम से भी जाना जाता है। इस घाटी का इतिहास सातवीं शताब्दी ई। पूर्व पुराना है। इतिहासकारों के मुताबिक इस घाटी में चीनी और मंगोलिया ने आक्रमण किया था। नुब्रा घाटी श्योक और नुब्रा नामक दो नदियों के बीच में बसी है। यहां आकर आप एक अलग तरह की संस्कृति का अनुभव करेंगे। इस घाटी की रेत और आकर्षक पहाड़ियां यहाँ आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। सर्दियों में नुब्रा घाटी का मौसम काफी ठंडा रहता है इसलिए सर्दियों में यहाँ जाना थोड़ा मुश्किल होता है। यहाँ जाने के लिए सबसे सही समय मई से सितंबर तक रहता है।

नुब्रा घाटी का सफर

अगर आप नुब्रा घाटी जाना चाहते हैं तो आपको सड़क मार्ग से होकर जाना होगा। नुब्रा घाटी पहुंचने के लिए सबसे पहले आपको राष्ट्रीय मार्ग से खर्दुंग ला तक का सफर करना होगा, यह दुनिया का सबसे ऊँचा दर्रा है।। उसके बाद खर्दुंग गांव से होते हुए श्योक घाटी तक पहुँच सकते हैं। श्योक घाटी में बने घर और चारगाह पर्यटकों को खूब आकर्षित करते हैं। नुब्रा घाटी जाने से पहले यात्रियों को दो दिन के लिए लेह में रुकने की सलाह दी जाती है। एक बार जब यात्री यहां के वातावरण में ढल जाते हैं, तब नुब्रा घाटी के लिए आगे की यात्रा शुरू कर सकते हैं। नुब्रा घाटी तक की यात्रा में आपको ऐसी खूबसूरत सड़के मिलेंगी जो आपका दिल जीत लेंगी। नुब्रा घाटी के करीब पहुंचने पर रेत के टीलों के साथ सुनसान सड़क यहाँ आने वाले पर्यटकों का स्वागत करती हैं।

नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र 'डिस्किट'

डिस्किट को नुब्रा घाटी का व्यापारिक केंद्र कहा जाता है। यह गाँव बहुत ही सुंदर है। अगर आपको शांत वातावरण पसंद हैं तो आप डिस्किट से दस किलोमीटर दूर पश्चिम में हंडर की यात्रा कर सकते हैं। यहाँ के मैदानी इलाकों में आपको शांति और सुकून का अनुभव होगा। यहां आपको दो कूबड़ वाले ऊंट देखने को मिल सकते हैं। डिस्किट और हंडर में रुकने के लिए बहुत सारे होटल, होम स्टे, रिसॉर्ट और टेंट उपलब्ध हैं।

नुब्रा घाटी कैसे पहुंचे

जहाँ पहले परिवाहन की सुविधा ना होने के कारण लेह-लद्दाख जाना कठिन था, वहीं अब कुशोक बकुला रिम्पोछे एयरपोर्ट की वजह से दुनिया के किसी भी हिस्से से लेह जाना बेहद आसान हो गया है। आप दिल्ली से लेह के लिए फ्लाइट ले सकते हैं। इसके बाद आप मनाली और स्पीती के रास्ते निजी वाहन या बस से नुब्रा घाटी पहुँच सकते हैं।

पुणे में घूमने के लिए हैं कई बेहतरीन जगहें, आप भी जाएं जरूर

महाराष्ट्र का सांस्कृतिक केंद्र कहा जाने वाला पुणे एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर हर किसी को एक बार अवश्य जाना चाहिए। यहां पर आपको कई ऐतिहासिक स्मारक देखने को मिलेंगे तो इस क्षेत्र की आध्यात्मिक महत्ता भी कम नहीं है। अगर आप वीकेंड पर अपनी रोजमर्रा की जिन्दगी से एक ब्रेक चाहते हैं तो आपको पुणे घूमकर आना चाहिए। यकीन मानिए कि यह स्थान आपको कभी भी निराश नही करेगा। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको पुणे में स्थित कुछ बेहतरीन प्लेसेस के बारे में बता रहे हैं-

शनिवार वाडा

जब पुणे में घूमने की जगहों की बात होती है तो उसमें शनिवार वाडा का नाम सबसे पहले लिया जाता है। यह महल बाजीराव पेशवा प्रथम द्वारा बनाया गया था। महल में पांच द्वार, नौ बुर्ज, लकड़ी के खंबे और जाली का काम किया है। इस महल के साथ कई कहानियां जुड़ी हुई हैं, जिसके कारण लोग इस जगह पर आते हैं और एक अद्भुत अनुभव प्राप्त करते हैं।

आगा खान पैलेस

अगर आप एक इतिहास प्रेमी हैं, तो आपको एक बार इस जगह पर अवश्य जाना चाहिए। 1892 में सुल्तान मोहम्मद शाह आगा खान III द्वारा निर्मित, यह महल भारतीय इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं का गवाह है। आगा खान पैलेस अकाल से पीड़ित स्थानीय लोगों के बचाव करने से लेकर महात्मा गांधी, उनकी पत्नी कस्तूरबा गांधी, महादेव देसाई और सरोजिनी नायडू की कैद और महादेव देसाई और कस्तूरबा गांधी की मृत्यु का एक चश्मदीद गवाह है। मुख्य महल को अब महात्मा राष्ट्रीय स्मारक में बदल दिया गया है, जहां महात्मा गांधी के जीवन को प्रदर्शित करने वाली तस्वीरें और पेंटिंग रखी गई हैं।

दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर

यह मंदिर ना केवल पुणे बल्कि महाराष्ट्र में सबसे प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। मंदिर हिंदू भगवान गणेश को समर्पित है और इसका निर्माण दगडूशेठ हलवाई द्वारा करवाया गया था। यह मंदिर इतना लोकप्रिय है कि देश के साथ-साथ दुनिया भर से लोग इसे देखने आते हैं। इस मंदिर में यूं तो हमेशा ही एक अलग चहल-पहल रहती है, लेकिन गणेश महोत्सव के समय यहां का नजारा बस देखते ही बनता है।

पार्वती हिल

पार्वती हिल पुणे में घूमने की बेहतरीन जगहों में से एक है। पार्वती हिल शहर के दक्षिणी छोर पर स्थित है। पहाड़ी में शिव, गणेश, विष्णु और कार्तिकेय के चार प्रमुख मंदिर हैं। यहां के प्रमुख मंदिर को पार्वती मंदिर कहा जाता है, जो कभी पेशवा शासकों का एक निजी मंदिर था। आगंतुकों को यहां पहुंचने के लिए 108 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती हैं। अगर आप यहां हैं तो आपको पार्वती संग्रहालय अवश्य देखना चाहिए क्योंकि इसमें प्राचीन चित्रों और पांडुलिपियों की प्रतिकृतियां हैं।

टीपू सुल्तान का किला: अवशेष सुनाते हैं बुलंदियों की गाथा

भारत के मुस्लिम स्थापत्य में कर्नाटक राज्य में बेंगलुरू में टीपू सुल्तान उर्फ बेंगलुरू का किला अपना विशेष महत्व रखता है। एक समय में यह भव्य और ऐतिहासिक किला दक्खन के मजबूत किलों में शुमार था और पूरी भव्यता के साथ मौजूद था। विडम्बना ही कह सकते हैं कि इस किले के आज कुछ अवशेष ही शेष रह गए हैं। अवशेष भी किले की भव्यता को बताते हैं और सैलानियों को लुभाते हैं।

यह किला लगभग एक किमी लम्बाई में बना था जो दिल्ली गेट से वर्तमान केआईएमएस परिसर तक फैला हुआ था। सुरक्षा की दृष्टि से किला पानी की चौड़ी खाइयों से घिरा हुआ था। किले की प्राचीर में 26 बुर्जों की कमान थी जी चारों तरफ से महल की रक्षा करते थे। किला असामान्य अंडाकार आकार में था और किले को तोड़ने और कब्जा करने के प्रयास में लॉर्ड कॉर्नवालिस और उनकी सेना द्वारा की गई क्षति के दृश्य चिह्नों के साथ मोटी दीवारों द्वारा संरक्षित किया गया है।

किले की विशिष्ट विशेषताओं में से एक तीन विशाल लोहे के घुंडी वाला एक लंबा द्वार है। दीवारों पर कमल, मोर, हाथियों, पक्षियों और अन्य विस्तृत रूपांकनों की नक्काशी दर्शनीय है। मोटी लैटराइट दीवारें सभी को लुभाती हैं। टीपू के किले को पालक्काड फोर्ट भी कहा जाता है। किला कभी एक महत्वपूर्ण सैन्य छावनी हुआ करता था। आज यह किला भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा संरक्षित है। यह स्थल पालक्काड आने वाले सभी पर्यटकों का एक पसंदीदा पिकनिक स्थल है।

समर पैलेस

अल्बर्ट विक्टर रोड और कृष्णा राजेंद्र के केंद्र में स्थित किले के मध्य बना 'समर पैलेस' इंडो-इस्लामिक वास्तुकला का सुंदर नमूना है। इसे मैसूर के सुल्तान हैदर अली ने बनवाना शुरू किया और टीपू सुल्तान ने उसको 1791 में पूरा करवाया। महल के भव्य मेहराब और कोष्ठक इस्लामी प्रभाव को दर्शाते हैं, जबकि स्तंभों के चारों ओर स्थित कोष्ठक प्रकृति में भारतीय हैं। दुमंजिली इमारत की पहली मंजिल पर चार कोनों पर स्थित 4 शाही कमरे, एक बड़ा हॉल, कक्ष और दो बालकनी हैं जहाँ से सुल्तान अधिकारियों को संबोधित करते थे और अपना राज दरबार आयोजित करते थे।

महल एक मजबूत पत्थर के चबूतरे पर बना है और इसमें उत्कृष्ट नक्काशीदार लकड़ी के खंभे हैं जो पत्थर के आधार पर टिके हुए हैं। यह पेलेस गहरे भूरे रंग में सागौन की लकड़ी से बना खूबसूरत रचना है। इस्लामी कला महल के आंतरिक भाग में 'आनंद का निवास' शिलालेखों के साथ सजा है। आंतरिक भाग में लोग टीपू सुल्तान से जुड़े इतिहास के बारे में जानकारी दी गई है। दीवारों पर पेंटिंग और भित्ति चित्र सुल्तान की बहादुरी और शख्सियतों की कहानियों का वर्णन करते हैं। प्रत्येक छोर पर महल के रंगीन अंदरूनी और दीवारों को देख सकते हैं। ये कभी रत्नों से आच्छादित थे जिन्हें बाद में हटा दिया गया। यहां सुल्तान द्वारा उपयोग किए जाने वाले हथियारों, रॉकेट तकनीक की पूर्णता और उनके कुछ अन्य उपकरणों की एक झलक देखने को मिलती है। उनके टाइगर सिंहासन के चित्र दीवारों पर सुशोभित हैं। भव्य महल का उपयोग राजा द्वारा गर्मियों में किया जाता था और इसे 'एबोड ऑफ हैपीनेस' और 'रैश ए जन्नत' अर्थात 'स्वर्ग की ईर्ष्या' के रूप में जाना जाता है।

संग्रहालय

किले के एक हिस्से में संग्रहालय बना दिया गया है जिसमें पशु-पक्षियों के माडल, मुद्राएं, अस्त्र-शस्त्र, पोशाक, पुराने बर्तन आदि को प्रदर्शित किया गया है। वर्तमान में वर्तमान में दिल्ली गेट और दो गढ़ों के अवशेष और टीपू सुल्तान का समर पेलेस ही शेष रह गए हैं।

स्वर्णिम पृष्टभूमि

ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार किले को शुरुआत में 1537 ई. में विजयनगर साम्राज्य के प्रमुख और बेंगलुरू के संस्थापक केम्पे गौड़ा द्वारा मिट्टी के किले के रूप में बनाया गया था। गौड़ा का एक ऐसा शहर बनाने का सपना था जो हम्पी जैसा सुंदर हो और एक किला, मंदिरों, तालाबों या जल जलाशयों और एक छावनी के साथ एक राजधानी शहर हो। इसलिए गौड़ा ने एक आकर्षक किला बनाया और इसे मिट्टी से मजबूत किया। मुगलों ने 1687 ई. में बैंगलुरू शहर पर कब्जा कर लिया और इसे 1689 ई. में मैसूर के तत्कालीन राजा चिक्का देवराज वोडेयार को पट्टे पर दे दिया, जिन्होंने मौजूदा किले का और विस्तार किया। लगभग 100 साल बाद महान योद्धा टीपू सुल्तान के पिता हैदर अली द्वारा 1781 ई. में किले को पुनर्निर्मित और मजबूत किया गया और टीपू सुल्तान द्वारा पूर्ण किया गया। वर्ष 1791 ई.लॉर्ड कॉर्नवालिस के नेतृत्व में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा किले पर हमला किया गया था, जिसमें लगभग 2,000 लोग मारे गए थे। खूनी लड़ाई के बाद, ब्रिटिश सेना ने महल पर कब्जा कर लिया। अंग्रेजों का किले पर कब्जा होने के बाद उन्होंने ने इसे तोड़ना शुरू कर दिया, यह प्रक्रिया 1930 के दशक तक जारी रही। प्राचीर और दीवारों को तोड कर सड़कों के लिए रास्ता बनाया, जबकि शस्त्रागार, बैरक और अन्य पुराने भवनों को तोड कर कॉलेजों, स्कूलों, बस स्टैंडों और अस्पतालों के लिए रास्ता बनाया। नवंबर 2012 में मेट्रो निर्माण स्थल पर श्रमिकों ने टीपू सुल्तान के समय की तोपों के साथ एक-एक टन वजन वाली 2 विशाल लोहे की तोपों का पता लगाया।

पर्यटक आते हैं यहां

महल के आस-पास के बगीचों में आराम कर सकते हैं। लोग यहां शांति और सुकून से टहलने और जॉगिंग करने आते हैं। किला देखने के लिए निर्धारत शुल्क लगता है तथा किले के इतिहास और घटनाओं को जानने के लिए गाइड सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। यह पर्यटकों के लिए प्रतिदिन सुबह 8:30 से शाम 5:30 तक खुला रहता है। पर्यटक बड़ी संख्या में इसे देखने आते हैं। बेंगलुरू देश के सभी बड़े शहरों से हवाई एवं रेल सेवाओं से जुड़ा है। कर्नाटक राज्य के सभी स्थलों से बस सेवाएं उपलब्ध हैं।

सुनील पाल के बाद अभिनेता मुश्ताक खान ने किया किडनैपिंग का दावा

मुंबई। पहले हास्य अभिनेता सुनील पाल के किडनैप की खबरें आई। उनका मामला सुलझता इससे पहले वेलकम फिल्म के अभिनेता मुश्ताक खान ने भी अपनी किडनैपिंग का दावा किया है। अभिनेता ने बताया कि उनका अपहरण दिल्ली-मेरठ हाईवे से किया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, यह घटना 20 नवंबर को हुई, जब मुश्ताक खान को मेरठ में एक पुरस्कार समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था। अपहरणकर्ताओं ने अभिनेता को फंसाने के लिए एक कार्यक्रम में आमंत्रित किया और उनकी फ्लाइट टिकट की व्यवस्था करने के साथ-साथ उनके खाते में अग्रिम भुगतान भी ट्रांसफर कर दिया। अभिनेता के मुताबिक, जब वह दिल्ली-मेरठ हाईवे पर पहुंचे, तो अपहरणकर्ताओं ने उन्हें अगवा कर लिया और बिजनौर के पास एक सुनसान इलाके में ले गए। वहां उन्हें करीब 12 घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया। अपहरणकर्ताओं ने अभिनेता और उनके बेटे के बैंक खाते से 2 लाख रुपये निकालने के बाद 1 करोड़ रुपये की फिरौती की मांग की। मुश्ताक खान ने बताया कि उनका बच निकलने का तरीका बिल्कुल फिल्मी था। पास में एक मस्जिद होने के कारण, उन्होंने सुबह की अजान सुनी और उसी मौके का फायदा उठाते हुए वहां से भागने में सफल रहे। स्थानीय लोगों से मदद लेकर वह घर पहुंचने में कामयाब हुए। इसके बाद, वह पुलिस के पास गए और सारा मामला समझाकर उनसे मदद मांगी। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच शुरू कर दी है। मुश्ताक खान की हालत अब ठीक है, और वह जल्द ही मीडिया से बात कर इस घटना के बारे में विस्तृत जानकारी देंगे।

राजस्थान के दौसा में बोरवेल में गिरे बच्चे को बचाने के प्रयास जारी

जयपुर। राजस्थान के दौसा जिले में बोरवेल में गिरे पांच साल के बच्चे को बचाने का अभियान बुधवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। अधिकारियों ने बताया कि बच्चा बोरवेल में सोमवार करीब तीन बजे से 150 फुट की गहराई पर फंसा हुआ है और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने बचाव अभियान के तहत बोरवेल के समानांतर जमीन खोदी है। एनडीआरएफ के कमांडेंट योगेश कुमार ने बताया कि 'ड्रिलिंग' मशीनों से 110 फुट तक खुदाई की जा चुकी है और काम जारी है। उन्होंने कहा, फिर हम क्षैतिज रूप से बोरवेल में बच्चे के पास पहुंचेंगे। उन्होंने कहा, चुनौती यह है कि हम 150 फुट तक जा सकते हैं, उससे आगे नहीं। एनडीआरएफ बचावकर्मी बच्चे को बचाने के लिए सुरक्षात्मक उपकरणों के साथ नीचे जाएंगे। कमांडेंट ने बताया कि इलाके में 160 फुट पर पानी हो सकता है इसलिए इलाके में सबमर्सिबल पंप शुरू कर दिए गए हैं, ताकि बचाव अभियान में भूमिगत जल से कोई बाधा न हो। उन्होंने बताया कि जमीन के अंदर भाप होने के कारण टीम को बोरवेल में उतारे गए कैमरे से बच्चे की गतिविधियां पता लगाने में दिक्कत आ रही है। उन्होंने कहा कि ड्रिलिंग मशीनों ने 110 फीट तक खुदाई की है और योजना 150 फुट की गहराई तक जाने की है जहां बच्चा फंसा हुआ है। दौसा जिले के पापड़दा थाना क्षेत्र में सोमवार दोपहर पांच वर्षीय आर्यन कालीखाड़ गांव में एक कृषि क्षेत्र में खेलते समय खुले बोरवेल में गिर गया था।

पति का कर्ज चुकाने पत्नी ने कलेजे के टुकड़े को बेच दिया

-डेढ़ लाख में एक माह के नवजात को बेचा

नई दिल्ली। कर्नाटक के रामनगर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जहां एक महिला ने अपने 30 दिन के नवजात बेटे को डेढ़ लाख रुपये में महज इसलिए बेच दिया, ताकि पति का कर्ज चुका सके। घटना के संबंध में बतलाया गया है कि महिला के पति ने पहले पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उनका बेटा घर से लापता है और उन्हें उसके गायब होने में अपनी पत्नी पर ही शक है। पति की शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू की और पता चला कि महिला ने अपने नवजात बेटे को बेंगलुरु की एक महिला को बेचा था। महिला और उसके पति दोनों दिहाड़ी मजदूर थे और पांच बच्चों के साथ बेहद कठिन आर्थिक स्थिति का सामना कर रहे थे, जिस कारण उन पर तीन लाख रुपये से ज्यादा का कर्ज था। महिला के पति ने पहले ही अपने नवजात को बेचने का प्रस्ताव ठुकरा दिया था, लेकिन महिला ने अपने दो सहयोगियों की मदद से बच्चे को बेंगलुरु में एक महिला को बेच दिया। 5 दिसंबर को जब महिला का पति घर लौटा, तो उसने देखा कि बच्चा गायब था। पत्नी ने बताया कि बच्चे को स्वास्थ्य समस्याएं थीं और उसे डॉक्टर के पास भेजा गया था। हालांकि, जब उसने और अधिक जानकारी मांगी तो पत्नी का जवाब संदेहास्पद था, जिससे पति को शक हुआ। इस पर 7 दिसंबर को पति ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जब पुलिस ने महिला से पूछताछ की तो उसने पहले तो गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन गहन पूछताछ के बाद उसने स्वीकार किया कि उसने अपने बेटे को डेढ़ लाख रुपये में बेचा था। पुलिस ने तुरंत बेंगलुरु जाकर बच्चे को बरामद किया। पुलिस ने महिला, उसके दो सहयोगियों और बच्चे की खरीदी करने वाली महिला को गिरफ्तार कर लिया है। बच्चे को बचाकर मंड्या के बाल कल्याण केंद्र भेज दिया गया है।

जब जज ने ही जमानत के लिए पांच लाख रुपये की रिश्वत ली !

मुंबई। न्यायपालिका से न्याय मिलने की एक बड़ी उम्मीद आम लोगों को रहती है और कई ऐसे मामले सामने आए हैं जब लोगों को न्यायपालिका से ही न्याय मिला है। लेकिन इन दिनों न्यायपालिका में भ्रष्टाचार की जड़े जमने की खबर भी गाहे बगाहे सामने आती रहती है। शायद यही वजह है कि जनता का विश्वास न्यायपालिका को लेकर डगमगाने लगा है। जी हाँ, जब न्याय करने वाले जज ही पैसे लेकर न्याय देंगे तो सोचिये स्थिति कैसी आ जाएगी। दरअसल रिश्वत लेने की घटना महाराष्ट्र के सतारा में घटी है। खबर है कि जज ने जमानत देने के लिए 5 लाख रुपये की रिश्वत ली। इस मामले में भ्रष्टाचार निरोधक विभाग (एंटी करप्शन) ने सतारा जिला न्यायलय के जज के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जज को गिरफ्तार करने के लिए हाईकोर्ट को पत्र भेजा गया है और हाईकोर्ट के आदेश के बाद ही जज को गिरफ्तार किया जाएगा। खबर है कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश धनंजय निकम समेत तीन लोगों पर मामला दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के मुताबिक जज ने शिकायतकर्ता के पिता को जमानत देने के लिए सीधे रिश्वत मांगी।

डांटने और धमकाने का काम कर रहे धनखड़

-खड़गे ने प्रेस वार्ता में सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के कारण गिनाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को प्रेस वार्ता में राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ विपक्ष द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के कारण गिनाए। उन्होंने कहा कि मजबूर होना पड़ा, क्योंकि उनके आचरण ने राष्ट्र के गौरव को हानि पहुंचाई है।

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सदन में विपक्ष की आवाज को दबाया जाता है। सभापति तो राजनीति से परे होते हैं, लेकिन यहां वो आरएसएस की तारीफ करते हैं। सभापति को पूरी तरह से निष्पक्ष होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्यसभा के सभापति के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने का मकसद व्यक्तिगत शिकायतें या राजनीतिक लड़ाई से जुड़ा नहीं है। वहीं मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि राज्यसभा अध्यक्ष स्कूल के प्रधानाध्यापक की तरह डांटते हुए काम करते हैं, वरिष्ठ अनुभवी विपक्षी नेताओं को वे उपदेश देते हैं, उन्हें बोलने से रोक देते हैं। उन्होंने कहा कि राज्यसभा में व्यवधान का सबसे बड़ा कारण तो स्वंय अध्यक्ष हैं। वे सभापति कम और सरकार के प्रवक्ता के रूप में ज्यादा काम कर रहे हैं।

इसी के साथ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सदन में राज्यसभा अध्यक्ष के आचरण ने देश की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। हम व्यक्तिगत तौर पर राज्यसभा अध्यक्ष के खिलाफ नहीं हैं, बल्कि उन्होंने खुद ही हमें उन्हें हटाने के लिए नोटिस देने के अलावा कोई विकल्प नहीं छोड़ा है। हम सभापति के व्यवहार और पक्षपात पूर्ण रवैये से तंग आ चुके हैं, इसीलिए उन्हें हटाने के लिए हमने नोटिस दिया हुआ है। कुल मिलाकर उन्होंने कहा कि धनखड़ का आचरण उनके संवैधानिक दायित्वों और उपराष्ट्रपति पद की गरिमा के खिलाफ रहा है। उन्होंने कहा कि धनखड़ ने अपने पद का उपयोग सत्तारूढ़ दल की नीतियों की प्रशंसा करने और विपक्ष को दबाने के लिए किया है। खड़गे ने कहा, एक संवैधानिक पद पर रहते हुए धनखड़ ने तटस्थता को दरकिनार कर, सरकार के प्रवक्ता जैसा व्यवहार किया है। विपक्ष के नेताओं को अपमानित करना और उनके खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करना लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है।

दुखी मन से लाए अविश्वास प्रस्ताव.....

-प्रमोद तिवारी ने कहा विपक्ष को चुप कराया जा रहा

नई दिल्ली। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव को लेकर कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा, कि भारी मन और बड़े दुख के साथ हम भारतीय संविधान के अनुच्छेद 67 बी के तहत यह अविश्वास प्रस्ताव को पेश करने के लिए बाध्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह महज मौजूदा एक सत्र की बात नहीं, बल्कि कई सत्रों से ऐसा चल रहा है। हमने देखा है कि विपक्ष के नेताओं को बोलने ही नहीं दिया जाता, पूरे विपक्ष को चुप करा दिया जाता है। सत्ता पक्ष के नेता किरेन रिजिजू तो बोल सकते हैं लेकिन दूसरे को बोलने का मौका ही नहीं दिया जाता। यह सरकार लोकतंत्र में विश्वास ही नहीं रखती। उन्होंने कहा कि जब सदन में हम नियमों के तहत अपनी बात ही नहीं रख सकते तो अविश्वास प्रस्ताव लाने के अलावा हमारे पास दूसरा कोई विकल्प नहीं था। इसलिए यह अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। गौरतलब है कि 10 दिसंबर को राज्यसभा में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का फैसला लिया था। इसके बाद ही इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने राज्यसभा के सेक्रेटरी जनरल को प्रस्ताव सौंपा है।

पीएम नरेंद्र मोदी जल्द जा सकते हैं कुवैत, अल-याह्या ने पिछले हफ्ते की थी मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी जल्द ही कुवैत की यात्रा पर जा सकते हैं। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पश्चिम एशियाई देश की पहली यात्रा होगी। इस समय खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) की अध्यक्षता भी कुवैत कर रहा है। पिछले हफ्ते कुवैत के विदेश मंत्री अब्दुल्ला अली अल-याह्या ने अपनी भारत यात्रा के दौरान पीएम मोदी से मुलाकात की थी। उन्होंने कुवैत नेतृत्व की ओर से पीएम मोदी को निमंत्रण दिया था। पीएम मोदी ने निमंत्रण को स्वीकार कर लिया था।

कुवैत एकमात्र जीसीसी सदस्य देश है जहां पीएम मोदी ने 2014 में पदभार संभालने के बाद से अब तक दौरा नहीं किया है। कोविड महामारी के कारण 2022 में प्रस्तावित यात्रा पर नहीं जा सके थे। जीसीसी में कुवैत के अलावा संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, सऊदी अरब, ओमान और कतर देश शामिल हैं। पीएम मोदी ने सितंबर में, न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 79वें सत्र में कुवैत के क्राउन प्रिंस शेख सबा खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से मुलाकात की थी। यह दोनों नेताओं के बीच पहली बैठक थी।

पिछले सप्ताह भारत की यात्रा पर आए कुवैत के विदेश मंत्री के साथ चर्चा के दौरान पीएम मोदी ने विश्वास व्यक्त किया था कि कुवैत की जीसीसी की वर्तमान अध्यक्षता के अंतर्गत भारत और खाड़ी सहयोग परिषद के बीच घनिष्ठ सहयोग और मजबूत होगा। पश्चिम एशिया की स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान करते हुए पीएम मोदी ने क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की जल्द वापसी के लिए समर्थन जताया था। उन्होंने कुवैत में रहने वाले दस लाख भारतीयों की देखभाल के लिए कुवैत के नेतृत्व को धन्यवाद दिया।

ममता बनर्जी का केंद्र में पद पाना नहीं, बल्कि बीजेपी को हराना है लक्ष्य

इंडिया ब्लॉक के नेतृत्व को लेकर कुणाल घोष ने दी प्रतिक्रिया

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने इंडिया ब्लॉक का नेतृत्व करने में रुचि दिखाई है। इस पर जारी बयानबाजी के बीच तृणमूल कांग्रेस नेता कुणाल घोष ने कहा है कि केंद्र में कोई पद पाने में ममता बनर्जी की कोई रुचि नहीं है, वह बस बीजेपी को हराने का लक्ष्य लेकर चल रही हैं।

कुणाल घोष ने कहा कि बंगाल में टीएमसी ने बीजेपी को रोक दिया, झारखंड में हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बीजेपी को रोक दिया, लेकिन हरियाणा और महाराष्ट्र में कांग्रेस पार्टी ऐसा करने में सफल नहीं हो सकी है। वहां पर मुख्य रूप से बीजेपी को रोकने की जिम्मेदारी कांग्रेस पर थी लेकिन वह असफल रही। इसलिए वरिष्ठ नेता कह रहे हैं कि बीजेपी को रोकने के लिए ममता बनर्जी जैसे अनुभवी और प्रभावी नेतृत्व को आगे आना चाहिए।

टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने कहा है कि बंगाल के मुर्शिदाबाद में हम बाबरी मस्जिद बनाएंगे। इस पर घोष ने कहा कि यह उसका निजी विषय है। अगर कोई चाहता है तो वह अपनी जमीन पर मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर, गुरुद्वारा कुछ भी बनवा सकता है। इस पर वह कोई राजनीतिक टिप्पणी नहीं करेंगे। कोई व्यक्ति घर के अंदर पूजा करता है या नमाज पढ़ता है यह उसके धर्म की बात है।

वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर कुणाल घोष ने कहा कि सीएम ममता बनर्जी साफ-साफ कह चुकी हैं कि हमारा देश विविधता में एकता पर यकीन करता है। हर राज्य का अपना इतिहास है, एक राजनीतिक छाप है। सारा चुनाव एक साथ कैसे होगा। सब चीज गलत हो जाएगी। कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में हुए रेप और मर्डर केस में सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई मार्च में है। इस मुद्दे पर घोष ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की नजर में सब ठीक है। जांच सही से हुई, सही से आरोपपत्र दाखिल किया गया, ट्रायल भी सही चल रहा है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट ने कोई नजदीक की तारीख देनी जरूरी नहीं समझी।

ईएमआई से ज्यादा पत्नी के गुजारा भत्ते को दें प्राथमिकता: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पत्नी को दिए जाने वाले गुजारा भत्ता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि लोन की ईएमआई कितनी है, कब देनी है इन सबसे ज्यादा प्राथमिकता पत्नी को गुजारा भत्ता देने की होना चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भूयान की बेंच ने यह फैसला एक पति की याचिका को खारिज करते हुए दिया। पति, जो एक डायमंड फैक्ट्री का मालिक है, ने अदालत से अनुरोध किया था कि वह अपनी अलग हो चुकी पत्नी को बकाया गुजारा भत्ता देने में असमर्थ है, क्योंकि उसकी फैक्ट्री घाटे में चल रही है और उस पर भारी कर्ज है।

अदालत ने स्पष्ट किया कि तलाकशुदा पत्नी और बच्चों के भरण-पोषण की जिम्मेदारी पति की संपत्ति पर प्राथमिक अधिकार रखती है। अदालत ने कहा, जीने का अधिकार, सम्मान के साथ जीने का अधिकार, और एक बेहतर जीवन का अधिकार भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत संरक्षित हैं। इन अधिकारों के तहत गुजारा भत्ता मौलिक अधिकार के समान है और किसी भी देनदार के कर्ज की वसूली के अधिकार से अधिक महत्वपूर्ण है। फैसले में कहा गया कि महिला के पूर्व पति को जल्द से जल्द बकाया गुजारा भत्ता चुकाना होगा। यदि पति इसमें विफल रहता है, तो परिवार अदालत उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर सकती है, जिसमें पति की अचल संपत्ति की नीलामी करके पत्नी को भुगतान सुनिश्चित करना शामिल है।

कांग्रेस अराजकता फैलाने वालों के साथ पसंद करती है बैठना

संभल हिंसा पीड़ितों से मिलने पर बीजेपी सांसद ने राहुल-प्रियंका को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के संभल हिंसा पीड़ितों ने दिल्ली में राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी से मुलाकात की। यह मुलाकात बीजेपी को पंसद नहीं आई और सासंद अनुराग ठाकुर ने कहा कि तुष्टिकरण की राजनीति और कांग्रेस का यह चेहरा एक बार फिर बेनकाब हुआ है। उन्हें हमास और फिलिस्तीन तो दिखता है, लेकिन बांग्लादेश के अल्पसंख्यक नहीं दिखते। वे अराजकता फैलाने वालों के साथ बैठना पसंद करते हैं, लेकिन शांति को बढ़ावा देने के लिए कभी आगे नहीं आते। मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी से कहूंगा कि कुछ लोगों के संसद में चरण पड़ने से संसद की कार्यवाही बाधित हो गई है।

अनुराग ने दिल्ली में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी कार्यकर्ताओं से अपील की है कि हर बूथ को मजबूत करें, ताकि दिल्ली की जनता की मांग को पूरा किया जा सके, जिससे भ्रष्ट और निकम्मी आम आदमी पार्टी सरकार से मुक्ति दिल्ली की जनता को मिल सके। जब बूथ जीतेंगे तो हम चुनाव जीतेंगे। मैं बस इतना ही कहूंगा कि जब आम आदमी पार्टी और कांग्रेस अगला चुनाव हारेंगे तो वे एक बार फिर ईवीएम को दोष देने का बहाना ढूंढ लेंगे। वे हरियाणा और महाराष्ट्र में चुनाव हार गए और जहां भी हारे, उन्होंने ईवीएम को दोषी माना। सच्चाई यह है कि जनता उनकी नीतियों और भ्रष्टाचार से तंग आ चुकी है।

अनुराग ठाकुर ने दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता अनिल गुप्ता के न्यू शाहदरा स्थित आवास पर पहुंचे, जहां उन्होंने बीजेपी कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के लिए स्टीकर और झंडा लगाया। उन्होंने मेरा बूथ सबसे मजबूत का नारा बुलंद किया और आगामी चुनावों में बीजेपी की जीत का संकल्प लिया।

बांग्लादेश जेल से भागे अपराधियों ने बनाया नया आतंकी संगठन

-भारत-बांग्लादेश सीमा पर दे सकते हैं बड़ी वारदात को अंजाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत-बांग्लादेश बार्डर पर आतंक की साजिश का खुलासा हुआ है जिसमें कुख्यात आतंकी संगठन हरकत उल जेहाद भी शामिल है। बांग्लादेश की जेल से भागे अपराधियों और आतंकवादियों ने एक गिरोह बना लिया हैं और ये भारत-बांग्लादेश सीमा पर आतंकी वारदात को अंजाम देने की तैयारी कर रहे हैं। खुलासे से पता चला है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के तीन सलाहकार भी इस संगठन के समर्थक हैं।

सूत्रों के मुताबिक भारत-बांग्लादेश सीमा पर बड़ा आतंकवादी हमला हो सकता है और भारतीय सुरक्षा बलों पर घात लगाकर गोलीबारी की जा सकती है। इसके लिए बांग्लादेश में जेल से भागे हुए अपराधियों और आतंकवादियों का एक 50 सदस्यीय संगठन तैयार कर लिया है। खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक इस संगठन को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी और बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के बेहद प्रभावशाली लोगों का समर्थन भी मिला है।

आईएसआई नहीं चाहती कि भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव कम हो। यही कारण है कि इस नए आतंकवादी संगठन को हथियारों के साथ-साथ पैसा भी दिया जा रहा है। पैसे के लालच में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के तीन सलाहकार भी इस संगठन से जुड़ गए हैं यानी आने वाले दिनों में यह संगठन भारत-बांग्लादेश सीमा पर किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकता है जिससे तनाव और बढ़ सकता है।

एक रिपोर्ट में साफ तौर पर लिखा है कि इस ग्रुप में पाकिस्तान में आतंक देने वाली ट्रेनर भी शामिल है। सीमा पर या भारत के अंदर कोई भी बड़ी आतंकी वारदात कर भारत-बांग्लादेश के सबंधों को खराब करने की कोशिश है कि माहौल सुधर ही न सके। इस पूरी रणनीति के पीछे पाकिस्तान की एक तीर से दो निशाने करने की रणनीति भी शामिल है।

मुंबई की शान कही जाने वाली काली-पीली टैक्सियों घटी, अब केवल बची हैं 13,000 टैक्सियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई, (ईएमएस)। एक जमाने में मुंबई की शान कही जाने वाली और प्रायः हर फिल्मों में नजर आने वाली काली-पीली टैक्सियां अब लुप्त होती जा रही है. आलम यह है कि फिलहाल मुंबई शहर में महज 13,000 टैक्सियां बची हैं और संभावना जताई जा रही है कि अगर यही हाल रहा तो आने वाले समय में मुंबई की सड़कों पर आपको काली-पीली टैक्सियां नजर नहीं आएगी. दरअसल मुंबई की सबसे बड़ी एसोसिएशन, मुंबई टैक्सीमेन एसोसिएशन के अनुसार, मुंबई में चलने वाली काली-पीली टैक्सियों की संख्या पिछले साल 20,000 से घटकर अब 13,000 हो गई है। इसका मुख्य कारण चालकों द्वारा लाइसेंस का नवीनीकरण नहीं कराया जाना है।

एसोसिएशन के अनुसार, कुछ ड्राइवर पर्यटक लाइसेंस लेने और ओला/उबर जैसी ऐप-आधारित सेवाओं से जुड़ने या निजी यात्री परिवहन व्यवसाय की ओर रुख करने का विकल्प चुन रहे हैं। साथ ही टैक्सी ड्राइवरों की कमी बढ़ती जा रही है क्योंकि कई ड्राइवर परिवारों की युवा पीढ़ी इस पेशे में आने के लिए तैयार नहीं है। मुंबई टैक्सीमेन एसोसिएशन के अनुसार, अपने पुराने और जर्जर वाहनों को बेचने के लिए संघर्ष कर रहे ड्राइवरों को नई और महंगी टैक्सियों के लिए ऋण प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उदाहरण के लिए, ओमनी टैक्सियाँ जो बड़ी संख्या में चलती थीं अब लगभग विलुप्त हो चुकी हैं। कुछ ड्राइवरों ने इको-टैक्सी अपना ली है, जबकि अन्य ने यह व्यवसाय छोड़ दिया है क्योंकि उन्हें लगता है कि यह व्यवसाय लाभदायक नहीं है। वहीं स्वाभिमान ऑटो टैक्सी यूनियन के मुताबिक, अगले साल के अंत तक काली-पीली टैक्सियों की संख्या और कम होने की संभावना है, क्योंकि इन्हें सड़कों से चरणबद्ध तरीके से हटाया जा रहा है। पहले व्यावसायिक क्षेत्रों के स्टैंडों पर 20-30 टैक्सियाँ खड़ी होती थीं, अब वहाँ केवल 5-10 टैक्सियाँ खड़ी होती हैं। मालूम हो कि मुंबईकरों का आज भी काली-पीली टैक्सियों से भावनात्मक जुड़ाव है। क्योंकि काली-पीली टैक्सी के ड्राइवर को शहर की सड़कें और शॉर्टकट अच्छे से पता हैं। लेकिन सड़क चौड़ीकरण और बुनियादी ढांचे के काम के कारण, टैक्सियों के लिए स्टैंड की संख्या कम हो गई है और लगभग 5 से 10 हजार स्टैंड की आवश्यकता है। इसके अलावा, दैनिक आधार पर लगने वाले जुर्माने से ड्राइवरों को परेशानी होती है। एक बार 500 रुपये और दूसरी बार 1,500 रुपये का जुर्माना, जो उनकी दैनिक आय से अधिक है। मालूम हो कि दो दशक पहले काली-पीली प्रीमियर पद्मिनी टैक्सियों की संख्या 63,000 थी। अब ये सभी टैक्सियां ??हटा दी गई हैं। इसी तरह, ओमनी टैक्सियों की संख्या में भी कमी आई है और मुंबई की सड़कों पर टैक्सियों की कुल संख्या में बड़ी कमी आई है।

भारत रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल, एलएनजी रीगैसिफिकेशन की बढ़ा रहा क्षमता

वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट से भारत को आयात बिल में हो सकती है भारी बचत

नई दिल्ली।

भारत वैश्विक तेल और गैस उत्पादों के प्रमुख गंतव्य के रूप में उभरने की संभावना है। जब से भारत अपनी रिफाइनरी, पेट्रोकेमिकल, एलएनजी रीगैसिफिकेशन और पाइपलाइन क्षमता को बढ़ा रहा है, जबकि चीन की अर्थव्यवस्था में मंदी देखी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबकि वैश्विक तेल कीमतों में कमजोरी बनी रहने की संभावना है, जो भारत के लिए फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि भारत कच्चे तेल की जरुरत का 80 फीसदी से ज्यादा आयात करता है।

वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट से भारत को आयात बिल में भारी बचत हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत के तेल और गैस उत्पादन में मामूली बढ़ोतरी की उम्मीद है, लेकिन यह निर्भर करेगा कि ओएनजीसी तय समय पर उत्पादन और नामांकन ब्लॉकों में गिरावट को कैसे कम करता है। भारत की एलएनजी पुनर्गैसीकरण क्षमता में चालू वित्त वर्ष 2025 में कम से कम 25 फीसदी की बढ़ोतरी की की संभावना है, जो भारत की वैश्विक एलएनजी अवशोषण क्षमता को और बढ़ाएगी।

रिफाइनिंग क्षेत्र में भारत अपनी क्षमता में 9 फीसदी की वृद्धि करने की उम्मीद कर रहा है, जिससे प्रतिदिन 0.5 मिलियन बैरल की बढ़ोतरी हो सकती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत का ऊर्जा संक्रमण तेज होगा और तेल और गैस कंपनियां अपने निवेश को इस क्षेत्र में शिफ्ट करेंगी। इसके अलावा पेट्रोकेमिकल्स से जुड़े रिफाइनरी ट्रांसफॉर्मेशन परियोजनाओं की शुरुआत की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया कि भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की मांग में कमी आई है, खासकर डीजल की मांग में और इसे आगे और कम होने की संभावना है। एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसीएल को कमजोर तेल कीमतों से लाभ होने की उम्मीद है, जबकि ओएनजीसी को तेल कीमतों में गिरावट के जोखिम के कारण कम करें रेटिंग दी गई है। वैश्विक तेल कीमतों में गिरावट का दबाव बना रहेगा, लेकिन गैस की कीमतों में निकट भविष्य में वृद्धि की संभावना है।

इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ रही संख्या, सरकार लागू कर रही प्रोत्साहन योजनाएं

परिवहन मंत्रालय ने राज्यों को रोड टैक्स माफ करने की दी सलाह

नई दिल्ली।

भारत में रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की संख्या लगातार बढ़ रही है। देश में अब तक 28,55,015 इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों और 2,57,169 चार पहिया वाहनों का रजिस्ट्रेशन हो चुका है, हाल ही में संसद में बताया गया था।

भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री ने लोकसभा में इसकी जानकारी दी थी। ओडिशा राज्य में रजिस्टर्ड इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या 1,45,479 है, और राज्य का अडोप्शन रेट 1.24 फीसदी है। भारत सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रोत्साहन के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है।

फास्टर अडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (फेम) योजना, जो 1 अप्रैल, 2019 से शुरू हुई थी, इसके तहत 11,500 करोड़ रुपए का बजटीय समर्थन प्रदान किया है। इस योजना के जरिए ई-2व्हीलर, ई-3 व्हीलर, ई-4 व्हीलर, ई-बसों और ईवी सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशनों को बढ़ाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, ऑटोमोबाइल और ऑटो कंपोनेंट उद्योग के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का बजटीय परिव्यय 25,938 करोड़ रुपए है, जिसका उद्देश्य घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है।

केंद्र सरकार ने एडवांस्ड केमिस्ट्री सेल (एसीसी) के लिए पीएलआई योजना को 18,100 करोड़ रुपए के बजटीय परिव्यय के साथ मंजूरी दी है, जिसका लक्ष्य 50 गीगावॉट घंटे की बैटरी के लिए घरेलू मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम स्थापित करना है। प्रधानमंत्री इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना का उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों के समर्थन के लिए 10,900 करोड़ रुपए का परिव्यय है।

सरकार ने इलेक्ट्रिक वाहनों पर जीएसटी दर को 12 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी कर दिया है और बैटरी से चलने वाले वाहनों को ग्रीन लाइसेंस प्लेट देने की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्हें परमिट की जरुरतों से भी छूट दी जाएगी।

क्विक कॉमर्स कारोबार में उतरेगी एमेजॉन, निर्यात लक्ष्य 80 अरब डॉलर रखा

नई दिल्ली।

क्विक कॉमर्स कारोबार में तेजी को देखते हुए एमेजॉन ने भी इस क्षेत्र में उतरने का फैसला किया है। इसके साथ ही कंपनी ने 2030 तक भारत से कुल निर्यात का लक्ष्य बढ़ाकर 80 अरब डॉलर कर दिया है। 'विकसित भारत' संकल्प के तहत 2025 तक कंपनी ने 20 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा है। एमेजॉन के शीर्ष अधिकारियों ने कहा कि इस साल कंपनी ने 12 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं का निर्यात किया है और वह 2025 में 20 अरब डॉलर के अपने पिछले निर्यात लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। एमेजॉन की प्रतिस्पर्धी कंपनी वॉलमार्ट भी भारत से आपूर्ति लक्ष्य बढ़ा रही है। उसने 2027 से सालाना 10 अरब डॉलर मूल्य की वस्तुओं की आपूर्ति का लक्ष्य रखा है। एमेजॉन इंडिया ने 15-मिनट में सामान की डिलिवरी करने की सेवा शुरू करने की योजना का खुलासा किया। एमेजान इंडिया के कंट्री हेड ने कहा कि कंपनी इस महीने बेंगलूरु में इसे प्रायोगिक तौर पर शुरू करेगी। हालांकि उन्होंने क्विक कॉमर्स योजना के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि क्विक कॉमर्स में हमारा ध्यान सबसे तेजी के साथ कई वस्तुओं की आपूर्ति करने की है। हमने 42 हजार से ज्यादा विक्रेताओं से ऑर्डर के दिन या उसके अगले दिन करीब तीन करोड़ से ज्यादा उत्पादों की आपूर्ति की है। उन्होंने कहा कि भारत में बहुत कुछ ऐसा है जहां हम अभी तक नहीं पहुंचे हैं। हम बड़े शहरों में क्विक कॉमर्स की बात करते हैं लेकिन हमें देश के अन्य हिस्सों के बारे में भी सोचना चाहिए। निर्यात योजना के बारे उन्होंनेने कहा कि भारतीय एमएसएमई, विनिर्माताओं और स्टार्टअप के साथ ही मेड इन इंडिया उत्पादों की आपूर्ति के लिए एमेजॉन के वैश्विक बिक्री योजना के जरिये कंपनी ने 80 अरब डॉलर के निर्यात लक्ष्य हासिल करने की योजना बनाई है। इनमें घरेलू व रसोई संबंधी उत्पाद, कपड़े और परिधान, खिलौने, स्वास्थ्य और पोषाहार, आयुर्वेद उत्पाद आदि शामिल हैं। एमेजॉन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ने कहा कि भारत एमेजॉन के लिए प्रमुख बाजार है और हमारा दृष्टिकोण छोटे कारोबारों को डिजिटल बनाने, निर्यात को बढ़ावा देने और रोजगार पैदा करने के सरकार के नजरिये के अनुरूप है।

सीएनआई रिसर्च ने एक साल में दिया जबरदस्त रिटर्न, शेयरों में आई तूफानी तेजी

नई दिल्ली।

सीएनआई रिसर्च जिसने अपने प्रदर्शन से निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचा है। बीते एक साल में इस पेनी स्टॉक ने निवेशकों को 654.59 फीसदी का जबरदस्त रिटर्न देकर सभी को हैरानी में डाल दिया है। इसके शेयरों में तूफानी तेजी दर्ज की गई है। कंपनी के शेयर मंगलवार को 17.19 रुपए के लेवल पर कामकाज की शुरुआत की और कुछ देर बाद पांच फीसदी के अपर सर्किट के साथ 17.28 रुपए के लेवल पर 52 वीक का नया हाई छुआ है। कारोबार के आखिर में बीएसई पर यह 4.98 फीसदी तेजी के साथ 17.28 रुपए के लेवल पर बंद हुआ। शेयर बाजार में कुछ शेयर ऐसे होते हैं जो निवेशकों को कम समय में ही शानदार रिटर्न देकर मालामाल कर देते हैं। अगर सीएनआई रिसर्च के शेयरों का प्रदर्शन देखें तो बीते एक हफ्ते में 27.34 फीसदी की तेजी आई है। इसने बीते एक महीने में 19.15 फीसदी का रिटर्न दिया है। बीते 3 महीने में 47.19 फीसदी तेजी आई है। इस साल 644.83 फीसदी की तेजी देखने को मिली है। बीते 3 साल में कंपनी के शेयरों में 441.69 फीसदी मजबूती आई। मल्टीबैगर कंपनी सीएनआई रिसर्च का 52 वीक का हाई प्राइस 17.28 रुपए है। वहीं, 52 वीक का लो प्राइस 2.14 रुपए है। इस कंपनी का मार्केट कैप 263 करोड़ रुपए है। कंपनी रिसर्च फर्म के रूप में काम करती है।

खाद्य पदार्थों में नरमी से खुदरा मुद्रास्फीति घटकर 5.5 फीसदी हुई

नई दिल्ली।

खाद्य कीमतों में गिरावट के कारण उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित भारत की खुदरा मुद्रास्फीति नवंबर में घटकर 5.5 फीसदी रहने की उम्मीद है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि उम्मीद है कि खाद्य कीमतों में नरमी के कारण सीपीआई मुद्रास्फीति नवंबर में घटकर 5.5 फीसदी रह जाएगी, जबकि अक्टूबर में यह 6.2 फीसदी थी। ऐसा खाद्य कीमतों में नरमी के कारण होगा, जबकि कोर कीमतों में तेजी और ईंधन कीमतों में लगातार गिरावट हो रही है। खाद्य कीमतों में कमी और कोर सीपीआई में कमी के कारण सूचकांक में गिरावट आएगी। कोर सीपीआई में वस्तुएं और सेवाएं शामिल हैं, लेकिन खाद्य और ईंधन शामिल नहीं हैं, जिनकी कीमतें अस्थिर मानी जाती हैं। अक्टूबर में सीपीआई मुद्रास्फीति बढ़कर 6.21 फीसदी रह गई, क्योंकि महीने के दौरान सब्जियों जैसे खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी आई। यह पहली बार था, जब मुद्रास्फीति ने हाल के महीनों में आरबीआई की 6 फीसदी की ऊपरी सीमा को पार किया। खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर में दर्ज 5.49 फीसदी से बढ़कर अक्टूबर में सब्जियों की कीमतों में 42.18 फीसदी बढ़ गई, क्योंकि इस साल मानसून के देर से वापस आने के कारण फसलों को नुकसान हुआ और बाजार में आपूर्ति कम हुई। आरबीआई गवर्नर ने पिछले सप्ताह कहा था कि भारत की विकास की कहानी अभी बरकरार है। मुद्रास्फीति में गिरावट आ रही है, लेकिन हम भविष्य में कई जोखिमों को नजरअंदाज नहीं कर सकते। इस जोखिम को कम नहीं आंका जा सकता। आरबीआई गवर्नर अर्थव्यवस्था के परिदृश्य के बारे में आशावादी थे, उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन अच्छी तरह से बना हुआ है।

सीमेंट निर्माता कंपनियों ने बढाए 40 रुपये प्रति बोरी सीमेंट के दाम

नई दिल्ली ।

देश में घर बनाना अब और भी महंगा हो गया है। देश में सीमेंट के रेट 40 रुपये प्रति बोरी तक बढ़ गए हैं। जैसे ही सीमेंट की मांग बढ़ती है। उसके साथ सीमेंट निर्माता सीमेंट के दाम बढ़ा देते हैं। सीमेंट डीलर्स एसोसिएशन के अनुसार पश्चिमी भारत में 50 किलो की सीमेंट की बोरी 350 से लेकर 400 रुपये के बीच में बिक रही है। दिल्ली एनसीआर में सीमेंट की कीमत 340 से 395 रुपए के बीच में है। दक्षिण भारत में सीमेंट की बोरी 350 रुपए से 340 रुपए के बीच में बिक रही है। सीमेंट निर्माता कंपनियों ने डीलरों का मार्जिन घटा दिया है। वही सीमेंट के रेट निर्माताओं ने बढ़ा दिए हैं। सीमेंट कारोबार से जुड़े हुए लोगों का कहना है। अगले 6 महीने तक सीमेंट के रेट में तेजी बनी रहेगी। सीमेंट कंपनियां करटेल बनाकर मांग बढ़ने के साथ ही सीमेंट के दामों में वृद्धि कर देती हैं। जिसके कारण भारत में भवन निर्माण की लागत लगातार बढ़ती जा रही हैं।

वारी एनर्जीज के शेयरों में जबरदस्त उछाल, मॉड्यूल सप्लाई का मिला बड़ा ऑर्डर

कंपनी ने 28 अक्टूबर 2024 को शेयर बाजार में किया था डेब्यू

नई दिल्ली। सोलर मॉड्यूल बनाने वाली कंपनी वारी एनर्जीज के शेयरों में बुधवार को जबरदस्त तेजी आई। बीएसई पर आज इंट्रा-डे ट्रेड में कंपनी के शेयर 7 फीसदी तक चढ़े। कंपनी के शेयरों में जबरदस्त तेजी से एक गीगावाट तक के सोलर मॉड्यूल की सप्लाई के लिए नया ऑर्डर मिला है। यह शेयर में बढ़त का लगातार पांचवां सत्र है। कंपनी ने 28 अक्टूबर, 2024 को शेयर बाजार में डेब्यू किया था। लिस्टिंग के बाद से वारी एनर्जीज के शेयर बाजार में धूम मचा रहे हैं। अपने इश्यू प्राइस से शेयर फिलहाल 97.70 फीसदी की बढ़त बनाए हुए हैं। वारी एनर्जीज ने एक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि कंपनी को 10 दिसंबर को एक गीगावाट तक के सोलर मॉड्यूल की सप्लाई के लिए भारत में रिन्यूएबल पावर प्रोजेक्ट्स के स्वामित्व, विकास और संचालन के बिजनेस में संलग्न एक प्रतिष्ठित ग्राहक से ऑर्डर प्राप्त हुआ है। शेयर बाजार को दी सूचना के मुताबिक यह महत्वपूर्ण सप्लाई ऑर्डर वित्तीय वर्ष 2024-25 में शुरू होकर 2025-26 तक जारी रहेगा। हालांकि, कंपनी ने इस ऑर्डर के मूल्य का खुलासा नहीं किया है। बीएसई पर मंगलवार को कंपनी के शेयर 7.2 फीसदी बढ़कर अपने इंट्रा-डे हाई 3184.95 रुपए पर पहुंच गया। हालांकि कारोबार के अंत में वारी एनर्जीज के शेयर 5.55 फीसदी की बढ़त के साथ 3136.50 रुपए प्रति शेयर के भाव पर बंद हुआ। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों ने 11.24 फीसदी का रिटर्न दिया है। वारी एनर्जीज के शेयर 28 अक्टूबर 2024 को स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्ट हुए। शेयर का इश्यू प्राइस 1503 रुपए था और लिस्टिंग के पहले दिन शेयर 2,336.80 के भाव पर बंद हुआ। इस तरह से कंपनी ने निवेशकों को 55.48 फीसदी का शानदार लिस्टिंग गेन दिया। फिलहाल कंपनी के शेयर अपने इश्यू प्राइस से 97.70 फीसदी की बढ़त पर हैं।

स्विग्गी के शेयर नीचे आए, मार्केट कैप भी गिरकर 1.16 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली।

ऑनलाइन फूड डिलीवर कंपनी स्विग्गी के शेयर बुधवार को 5 फीसदी नीचे आ गए। बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर कंपनी का शेयर 5 फीसदी गिरकर 515.95 रुपए और 516.50 रुपए पर आ गया। शेयरों में गिरावट के साथ स्विग्गी का मार्केट कैप भी बीएसई पर गिरकर 1.16 लाख करोड़ रुपए रह गया। एंकर निवेशकों के लिए एक महीने की लॉक-इन अवधि खत्म होने के बाद निवेशकों ने मुनाफा वसूली के चलते स्विग्गी के शेयरों में गिरावट देखने को मिल रही है। लॉक-इन खत्म होने के बाद स्विगी के करीब 6.5 करोड़ के शेयर या कंपनी में 3 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी ट्रेड के लिए एलिजिबल हो गई। इससे निवेशकों के लिए आगे बढ़ने और 50 फीसदी हिस्सेदारी बेचने के दरवाजे खुल गए हैं। एंकर निवेशकों के अधिकार वाले शेष 50 फीसदी शेयरों की लॉक-इन अवधि 9 फरवरी 2025 को खत्म हो रही है। सुबह के कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 98.71 अंक या 0.12 फीसदी बढ़कर 81,608.76 पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी 45.65 अंक या 0.19 फीसदी बढ़कर 24,655.70 पर पहुंच गया। पिछले महीने स्विगी का आईपीओ एक्सचेंजों पर करीब 17 फीसदी प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ था। स्विगी के 11,327 करोड़ रुपए के इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) को बोली के लास्ट डे पूरी तरह से सब्सक्राइब किया था और यह इश्यू को 3.59 गुना सब्सक्रिप्शन मिला था।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के साथ ही उतार-चढ़ाव से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। कारोबार के अंत में 50 शेयरों वाले एनएसई निफ्टी के पीएसयू बैंक, मीडिया, एनर्जी और प्राइवेट बैंक सेक्टर में बिकवाली हावी रही जबकि ऑटो, आईटी, फाइनेंशियल सर्विस, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल और रियलिटी सेक्टर में लिवाल का माहौल रहा। वहीं निवेशकों ने गुरुवार को जारी हाने वाले नवंबर के कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) डेटा को देखते हए सावधानी बरती जिससे भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 16.09 अंक करीब 0.02 फीसदी की हल्की बढ़त के बाद 81,526.14 पर पहुंच गया। वहीं 50शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 31.75 अंक तकरीबन 0.13 फीसदी की बढ़त के बाद 24,641.80 स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में बजाज फाइनेंस, नेस्ले इंडिया, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंफोसिस, मारुति, भारती एयरटेल और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर लाभ में रहे जबकि , जेएसडब्ल्यू स्टील, एनटीपीसी, एसबीआई, रिलायंस, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक और टाइटन के शेयर नीचे आये। बाजार जानकारों के अनुसार, भारतीय बाजार में आज सूक्ष्म उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जो अमेरिकी सीपीआई मुद्रास्फीति डेटा जारी होने से पहले वैश्विक बाजारों में मौजूद मिश्रित भावनाओं को दिखाता है।जानकारों ने आगे कहा कि अमेरिकी डॉलर मजबूत हुआ, जबकि बॉन्ड यील्ड में हल्की बढ़त रही। इसके अलावाएफएमसीजी और फार्मास्यूटिकल्स सहित डिफेंसिव सेक्टर्स में तेजी देखी गई। चीन से प्रोत्साहन उपायों की संभावना से मेटल सेक्टर में तेजी रही। निफ्टी बैंक 186.35 अंक या 0.35 फिसदी फिसलने के बाद 53,391.35 पर बंद हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 157.55 अंक करीब 0.27 फीसदी की बढ़त के साथ 59,292.95 पर बंद हुआ। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 74.15 अंक करीब 0.38 फीसदी की बढ़त के साथ 19,657.35 पर बंद हुआ। बीएसई पर 2,148 शेयर लाभ में जबकि 1,836 नुकसान में बंद हुए, 112 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की सपाट शुरुआत हुई। सुबह 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 5.01 अंक करीब 0.01 फीसदी बढ़कर 81,515.06 पर कारोबार कर रहा था जबकि 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी 13.75 अंक तकरीबन 0.06 फीसदी की बढ़त के साथ 24,623.8 पर कारोबार कर रहा था। सप्ताह के तीसरे ही कारोबारी दिन निफ्टी की वित्तीय सेवा और निजी बैंक सेक्टर में बिकवाली रही।

बाजार में विदेशी संस्थागत निवेशकों के आने से लार्ज कैप शेयरों, विशेषकर बैंकिंग और आईटी में मजबूती है। निफ्टी बैंक 122.45 अंक तकरीबन 0.23 फीसदी नीचे आकर 53,455.25 पर था। वहीं निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 5.45 अंक या 0.01 फीसदी की गिरावट के साथ 59,129.95 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 53.45 अंक या 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,636.65 पर था।

नैचुरल हीट बढ़ने से खतरे में गारमेंट बिजनेस, 65 अरब डॉलर का हो सकता है नुकसान

-पाकिस्तान, बांग्लादेश और वियतनाम में ब्रांडेड कंपनियां कराती हैं उत्पाद तैयार

नई दिल्ली। पाकिस्तान, बांग्लादेश और वियतनाम वह देश हैं जहां बड़ी और ब्रांडेड गारमेंट कंपनियां उत्पाद तैयार कराती हैं। जहां इन कपड़ों का निर्माण होता है वहां बहुत गर्मी पड़ती है। अब एक और समस्या सामने आ गई है कि पर्यावरण में बदलाव के कारण नैचुरल हीट में भी बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में इन कारखानों में काम करने वाले कर्मचारियों को गर्मी की दोगुनी मार झेलनी पड़ रही है। एक रिसर्च रिपोर्ट में पाया है कि अत्यधिक गर्मी या बाढ़ से बांग्लादेश, कंबोडिया, पाकिस्तान और वियतनाम के कपड़ा निर्यात उद्योग को 65 अरब डॉलर का नुकसान हो सकता है। भारतीय करेंसी में यह 5.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा होगा। बता दें कि इस रिपोर्ट में रिटेलर्स और ब्रांड्स को यह सुझाव भी दिया गया है कि वे अपने कर्मचारियों के वेतन और हेल्थ पर खर्च को बढ़ाएं अत्यधिक हीट के कारण होने वाले कार्य दिवस के नुकसान की भरपाई हो सके। इसको देखते हुए अब यूरोपियन यूनियन ने नए नियम लागू किए हैं। यह नियम नाइकी, एचएंडएम और इन्हीं के जैसी अन्य गारमेंट कंपनियों को कानूनी रूप से इन परिस्थितियों को सुधारने के लिए बाध्य करती हैं। इन कंपनियों को ही पाकिस्तान, बांग्लादेश या वियतनाम में काम कर रहे अपने सप्लायर्स की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स में कूलिंग का पर्याप्त इंतजाम करना होगा। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी के ग्लोबल लेबर इंस्टीट्यूट ने पाया है कि ढाका, हनोई, हो चि मिन्ह सिटी और कराची जैसे शहरों में 'वेट बल्ब' के दिनों में 42 फीसदी का उछाल आया है। वेट बल्ब तापमान मापने का एक तरीका है जिसमें 30.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान नोट किया जाता है। इसी पैमाने के मुताबिक जिस दिन तापमान 30.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा होता है उसे वेट बल्ब डे कहा जाता है और ऐसे दिनों में 2005-2009 के मुकाबले 2020-24 में 42 फीसदी का उछाल आया।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी को मिला बड़ा प्रोजेक्ट, शेयर 5.28 फीसदी उछले

-कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 27 नवम्बर को हुआ था लिस्ट

नई दिल्ली।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के लिस्ट शेयर बुधवार को हाई डिमांड पर रहे और एनएसई पर कंपनी के 1.28 करोड़ शेयरों में कारोबार हुआ। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का शेयर प्राइस बुधवार को एनएसई पर 5.28 फीसदी चढ़कर 154.40 रुपए पर पहुंच गया। स्टॉक में यह तेजी एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी की एक सब्सिडियरी कंपनी को 500 मेगावाट के सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट मिलने के चलते आई है। एनटीपीसी ग्रीन ने कहा था कि सब्सिडयरी कंपनी एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने 3.52 रुपए प्रति किलोवाट के टैरिफ पर 500 मेगावाट की सोलर एनर्जी क्षमता हासिल की है। इसमें कॉन्ट्रैक्ट पर सोलर क्षमता के साथ 250 मेगावाट 1000 मेगावाट के एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (ईएसएस) को स्थापित करना शामिल है। बता दें कि एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी का शेयर बीएसई और एनएसई पर 27 नवम्बर 2024 को लिस्ट हुआ था। तब से अब तक स्टॉक अपने इश्यू प्राइस 108 रुपए की तुलना में 42.8 फीसदी का रिटर्न दे चुका है। एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी नॉन-हाइड्रो रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र की पब्लिक सेक्टर फर्म 'महारत्न' एनटीपीसी की पूरी तरह से मालिकाना हक वाली सहायक कंपनी है। 30 सितंबर, 2024 तक कंपनी की ऑपरेशनल कैपेसिटी 3,320 मेगावाट थी।

इसमें छह राज्यों में फैली 3,220 मेगावाट की सोलर परियोजनाएं और 100 मेगावाट के विंड प्रोजेक्ट शामिल हैं। कंपनी का कुल मार्केट कैप 1.26 लाख करोड़ है। सुबह 10:40 बजे एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी के शेयर 1.62 फीसदी या 2.37 रुपए चढ़कर 149.02 रुपए प्रति शेयर के भाव पर ट्रेड कर रहे थे। वहीं, एनएसई का निफ्टी-50 इस दौरान 0.27 फीसदी या 65.40 अंक चढ़कर 24,675.45 पर कारोबार कर रहा था।

खरीदना हैं टाटा की कार.....जल्द खरीद लो यार, जनवरी से होगी महंगी

मुंबई ।

देश की दिग्गज ऑटोमोबाइल्स कंपनी टाटा मोटर्स की कारें खरीदना अगले साल से महंगा होगा। कंपनी ने बताया कि जनवरी 2025 से वह अपने पैसेंजर्स व्हीकल्स की कीमतों में 3 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी। इसके पहले मारुति सुजुकी, ह्युंदै सहित कई कंपनियां दाम बढ़ाने का ऐलान कर चुकी हैं। टाटा मोटर्स ने कहा कि कच्चे माल की लागत और महंगाई दर बढ़ोतरी के असर को कुछ कम करने के लिए वह व्हीकल्स की कीमतों में बढ़ोतरी करने वाली है। जनवरी, 2025 से प्रभावी होने वाली बढ़ोतरी मॉडल और उनके वेरिएंट्स के आधार पर अलग-अलग होगी। टाटा मोटर्स के पैसेंजर व्हीकल्स फ्लीट में टियागो, टिगोर, पंच, नेक्सान, कर्व, हैरियर, सफारी सहित अन्य मॉडल की व्यापक रेंज है। इसके पहले मारुति सुजुकी, हुंदै, महिंद्रा एंड महिंद्रा और जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर सहित कई ऑटो मैन्युफैक्चरिंग कंपनियां भी अगले महीने से अपने गाड़ियों की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा कर चुकी हैं। वहीं, लक्जरी ऑटो मैन्युफैक्ररर मर्सिडीज-बेंज इंडिया, ऑडी और बीएमडब्ल्यू ने भी लागत और ऑपरेटिंग खर्च में बढ़ोतरी का हवाला देकर जनवरी से कीमतें बढ़ाने की घोषणा की है। किआ इंडिया ने जनवरी से अपने सभी वाहनों की कीमतों में दो प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की घोषणा की।

पीवी सिंधु ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर शादी का निमंत्रण दिया

एजेंसी

नई दिल्ली। महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शादी का निमंत्रण दिया है। इस दौरान सिंधु के साथ उनके मंगेतर वेंकट दत्त साई भी थे। सिंधु ने प्रधानमंत्री से मुलाकात करने के साथ ही उनके प्यार, स्नेह और मार्गदर्शन के प्रति धन्यवाद दिया। सिंधु इसी माह 22 दिसंबर को वेंकट के साथ शादी के बंधन में बंधेंगी। सिंधु ने कहा कि प्रधानमंत्री ने उनके साथ बैडमिंटन जबकि वेंकट के साथ डेटा पर जिस प्रकार की बातचीत की उससे वह हैरान हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, आपके साथ समय बिताना हमेशा ही बहुत विशेष होता है। सर। हम आपके प्यार, स्नेह और मार्गदर्शन के लिए बहुत आभारी हैं। यह वास्तव में हैरानी की बात है कि आप मेरे साथ बैडमिंटन और दत्ता के साथ डेटा पर इतनी सहजता से चर्चा कैसे कर सकते हैं।
सिंधु ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की। सोशल मीडिया में आई एक तस्वीर में सिंधु और वेंकट वित्त मंत्री के साथ दिखे। इससे पहले सिंधु ने महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर को अपनी शादी का कार्ड दिया था। शटलर से शादी का निमंत्रण मिलने के बाद तेंदुलकर ने सोशल मीडिया में कहा था। बैडमिंटन में, स्कोर हमेशा प्यार से शुरू होता है, और वेंकट दत्त साई के साथ आपकी खूबसूरत यात्रा यह सुनिश्चित करती है कि यह हमेशा प्यार के साथ जारी रहे। अपने बड़े दिन का हिस्सा बनने के लिए हमें व्यक्तिगत रूप से आमंत्रित करने के लिए धन्यवाद। आप दोनों को जीवन भर की शुभकामनाएं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही टी20 में हारी पाक

जोहासंबर्ग। पाकिस्तान क्रिकेट टीम को मेजबान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही टी20 मैच में 11 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। तीन मैचों की इस सीरीज के पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका ने डेविड मिलर के 82 और जॉर्ज लिंडे के 48 रनों की आक्रामक पारी के बल पर 9 विकेट पर 183 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए पाक टीम ने 8 विकेट पर 172 रन ही बनाये। पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान 74 रनों को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज नहीं टिक पाया। अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम भी शून्य पर ही आउट हो गये। रिजवान के साथ पारी की शुरुआत करने उतरे आजम ने 4 गेंद खेली और पेवेलियन वापस लौट गए। सईम अयूब ने 15 गेंदों पर 31 रन बनाये और अपना विकेट खो दिया। रिजवान ने 50 गेंदों पर अर्धशतक लगाया वह 74 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद अन्य बल्लेबाज टिक नहीं पाये।

विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के लिए किस टीम के पास हैं कितने अवसर

मुम्बई/एजेंसी। अगले साल होने वाले आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए भारत सहित चार टीम दौड़ में बनी हुई। इसमें अभी दक्षिण अफ्रीका की टीम अंक तालिका में शीष पर जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे व भारत तीसरे व श्रीलंका चौथे नंबर है। इस चक्र के 10 टेस्ट अभी शीष हैं। कई टीमें अब भी फ़ाइनल की दौड़ में बनी हुई हैं। हालांकि अब भी किसी टीम का फ़ाइनल में पहुंच पाना तय नहीं है।

किस टीम के पास कितने अवसर

दक्षिण अफ़्रीका-प्रतिशत: 63.33, बचे हुए मैच: पाकिस्तान (2 घरेलू)

दक्षिण आफ्रीका ने श्रीलंका के ख़िलाफ़ 2-0 की सीरीज़ जीत के साथ डब्ल्यूटीसी तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त कर लिया है। फ़ाइनल में स्थान सुरक्षित करने के लिए उन्हें पाकिस्तान के ख़िलाफ़ घरेलू सीरीज़ के दो में से केवल एक टेस्ट जीतने की ज़रूरत है, जो इस महीने के अंत में शुरू होगी। यदि सीरीज़ 1-1 की बराबरी पर रहती है, तो उनका प्रतिशत 61.11 होगा और ऐसे में केवल भारत या ऑस्ट्रेलिया ही उन्हें पीछे छोड़ पाएंगे। अगर दोनों टेस्ट ड्रॉ होते हैं, तो उनका प्रतिशत 58.33 होगा। ऐसी स्थिति में भारत ऑस्ट्रेलिया को 3-2 से हराता है और ऑस्ट्रेलिया श्रीलंका में दोनों टेस्ट जीतता है, तो ऑस्ट्रेलिया (60.53प्रतिशत) और भारत (58.77प्रतिशत) दक्षिण अफ्रीका से आगे निकल सकते हैं। वहीं अगर दक्षिण अफ्रीका 0-1 से हारता है, तो उन्हें उम्मीद करनी होगी कि ऑस्ट्रेलिया अपने बचे हुए पांच में से केवल दो टेस्ट जीते या भारत ऑस्ट्रेलिया में तीन में से केवल एक टेस्ट जीते और एक ड्रॉ करे।

ऑस्ट्रेलिया- प्रतिशत: 60.71, बचे हुए मैच: भारत (3 घरेलू टेस्ट), श्रीलंका (2 टेस्ट विदेश में)

फ़ाइनल में स्थान सुनिश्चित करने के लिए ऑस्ट्रेलिया को भारत के ख़िलाफ़ अपने तीन टेस्ट में से दो जीतने की आवश्यकता है। 3-2 की जीत के बाद भले ही वे श्रीलंका में दोनों टेस्ट हार जाएं, उनका प्रतिशत 55.26 होगा। यदि वे 2-3 से हारते हैं, तो भारत का प्रतिशत 58.77 हो जाएगा। इस स्थिति में ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका में दोनों टेस्ट जीतने होंगे या उम्मीद करनी होगी कि दक्षिण अफ्रीका पाकिस्तान के ख़िलाफ़ केवल एक मैच ड्रॉ करे।

भारत- प्रतिशत: 57.29, बचे हुए मैच: ऑस्ट्रेलिया (3 विदेशी धरती पर)

फ़ाइनल में स्थान सुनिश्चित करने के लिए भारत को ऑस्ट्रेलिया में अपने शेष तीन टेस्ट में से दो जीत और एक ड्रॉ चाहिए। इससे उनका प्रतिशत 60.53 होगा और वे दक्षिण अफ्रीका के बाद दूसरे स्थान पर रहेंगे। इसके बाद यदि ऑस्ट्रेलिया श्रीलंका को 2-0 से हरा भी देता है तो उनके पास सिर्फ़ 57.02 प्रतिशत अंक ही होंगे। यदि भारत 3-2 से सीरीज़ जीतता है, तो उनका प्रतिशत 58.77 होगा। इसके बाद यदि ऑस्ट्रेलिया 1-0 से श्रीलंका को हराकर भारत से पीछे रह सकता है। यदि भारत 2-3 से हारता है, तो उनका प्रतिशत 53.51 होगा। इस स्थिति में दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका, और ऑस्ट्रेलिया सभी उन्हें पीछे छोड़ सकते हैं। अगर उस स्थिति में भी भारत फ़ाइनल में पहुंचना चाहता है तो उन्हें यह आशा करनी होगी कि दक्षिण अफ्रीका दोनों टेस्ट हार जाए और ऑस्ट्रेलिया कम से कम एक मैच ड्रॉ करे।

श्रीलंका- प्रतिशत: 45.45, बचे हुए मैच: ऑस्ट्रेलिया (2 घरेलू)

भले ही श्रीलंका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों टेस्ट जीत ले, लेकिन उनका प्रतिशत 53.85 तक ही पहुंच पाएगा इसके बाद उन्हें दूसरी टीमों के परिणाम पर निर्भर रहना पड़ेगा। यह लगभग तय है कि दक्षिण अफ्रीका और भारत या ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक इस स्कोर को पार कर सकता है। ऐसा होने के लिए भारत को एक जीत और एक ड्रॉ चाहिए, जबकि ऑस्ट्रेलिया को दो जीत की आवश्यकता होगी। यदि दक्षिण अफ्रीका पाकिस्तान से दोनों टेस्ट हारता है और ऑस्ट्रेलिया 2-1 से सीरीज़ जीतता है, तो श्रीलंका के लिए मौक़ा बन सकता है।

संक्षिप्त खबरें

बॉक्सिंग डे टेस्ट के सभी टिकट बिके

मेलबर्न। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले 26 दिसंसबर से शुरु होने वाले बॉक्सिंग डे क्रिकेट टेस्ट मैच को लेकर अभी से ही दर्शकों में जबरदस्त उत्साह है। इसी कारण इस मैच के सभी टिक बिक गये हैं जिससे पता चलता है कि लोगों की इस मैच में कितनी रुचि है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने सोशल मीडिय में लिखा, ''बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के पहले दिन के आम जनता के लिए उपलब्ध सभी टिकट बिक गए हैं हालांकि 24 दिसंबर को आम जनता के लिए कुछ और टिकट जारी किए जा सकते हैं। बॉर्डर गावस्कर सीरीज का पहला मैच भारतीय टीम ने जीता जबकि दूसरा मुकाबला ऑस्ट्रेलिया ने जीता। ऐसे में मेलबर्न में होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट का रोमांचक होना तय है। ऑस्ट्रेलिया के लिए बॉक्सिंग डे टेस्ट का खास महत्व है! क्रिसमस के अगले दिन होने वाले मुकाबले को देखने देख बड़ी संख्या में पहुंचते हैं। टिकटों की यह मांग ऑस्ट्रेलिया की सीरीज में शानदार वापसी के बाद देखने में आई है। भारतीय टीम ने पर्थ में खेला गया पहला टेस्ट मैच 295 रन से जीता था पर ऑस्ट्रेलिया ने एडिलेड में दूसरे टेस्ट मैच को 10 विकेट से जीतकर सीरीज में बराबरी हासिल कर ली। बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच से पहले इन दोनों टीम के बीच शनिवार से ब्रिस्बेन में तीसरा टेस्ट मैच खेला जाएगा।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: नंबर वन बल्लेबाज बने हैरी ब्रूक, गेंदबाजों में बुमराह शीर्ष पर बरकरार

एजेंसी

नई दिल्ली। हैरी ब्रूक ने बुधवार को जो रूट को पछाड़कर नवीनतम आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाज रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। वहीं गेंदबाजों की सूची में जसप्रीत बुमराह शीर्ष पर बने हुए हैं। आईसीसी ने एक बयान में कहा, टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर बदलाव हुआ है, जबकि ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के सितारों ने अद्यतन सूची में बड़ी बढ़त हासिल की है।
पिछले हफ्ते वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ अपने आठवें टेस्ट शतक के दम पर ब्रूक ने रूट को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया, इंग्लैंड के दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने अब रैंकिंग में रूट पर एक अंक की बढ़त बना ली है। ब्रूक के कुल 898 रेटिंग अंक हैं,

जबकि रूट के 897 अंक हैं।
रूट ने इस साल जुलाई में न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन को पछाड़कर शीर्ष स्थान हासिल किया था और अपने शानदार करियर में कुल नौ बार पहले स्थान पर रहे हैं। ब्रूक ने बेसिन रिजर्व में ब्लैक कैप्स पर इंग्लैंड की 323 रनों की प्रभावशाली जीत के दौरान 123 और 55 रन बनाए।
ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टार ट्रैविस हेड छह पायदान ऊपर पांचवें स्थान पर और दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेम्बा बावुमा तीन पायदान ऊपर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। पूर्व नंबर 1 रैंक वाले बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन तीन पायदान ऊपर 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के दाएं हाथ के बल्लेबाज दिनेश चांदीमल (दो पायदान ऊपर 15वें स्थान पर) और दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर काइल वेरिन (15 पायदान ऊपर 23वें स्थान पर) भी टेस्ट बल्लेबाजों की सूची में ऊपर चढ़े हैं। टेस्ट गेंदबाजों की सूची में भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस एक स्थान ऊपर चढ़कर चौथे और न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज मैट हेनरी एक स्थान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर हैं। मिशेल स्टार्क (तीन स्थान ऊपर चढ़कर 11वें स्थान पर), क्रिस वोक्स (दो स्थान ऊपर चढ़कर 15वें स्थान पर) और गस एटकिंसन (चार स्थान ऊपर चढ़कर 17वें स्थान पर) भी रैंकिंग में आगे बढ़े हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज (चार स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर) शीर्ष 20 में वापस आ गए हैं।

कीर्ति आजाद ने डीडीसीए पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया

एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर कीर्ति आजाद ने दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। डीडीसीए अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल कीर्ति आजाद ने डीडीसीए अधिकारियों पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने पिछले वित्तीय वर्ष में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से मिले लगभग 140 करोड़ रुपए का केवल एक हिस्सा ही खर्च किया। वहीं वर्तमान अध्यक्ष रोहन जेटली सहित डीडीसीए के मौजूदा पदाधिकारियों ने अभी तक आजाद के आरोपों का कोई जवाब नहीं दिया है। डीडीसीए की बैलेंस शीट के अनुसार राज्य

इकाई को पिछले वित्तीय वर्ष में बीसीसीआई से 70 करोड़ रुपये की अनुदान आय प्राप्त हुई जबकि आईपीएल आय, बीसीसीआई से मैच फीस और अंतरराष्ट्रीय मैचों की टिकट बिक्री सहित अन्य स्रोतों से उसे लगभग 67 करोड़ रुपए की कमाई हुई।
वहीं आजाद ने यह भी आरोप लगाया कि डीडीसीए ने फ्लडलाइट लगाने पर 17.5 करोड़ रुपए खर्च किए जबकि अहमदाबाद में इससे बहुत बड़े नरेंद्र मोदी स्टेडियम ने केवल साढ़े 7 करोड़ रुपए में लाइट लग गयी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि डीडीसीए 19 करोड़ रुपए में 8 लिफ्ट लगा रहा है। उन्होंने कहा कि यहां कोई स्वीमिंग पूल, कोई बैडमिंटन कोर्ट और बार या लाउंज नहीं है। सदस्य इससे बेहतर के अधिकारी हैं। उन्होंने रणजी ट्रॉफी के नवीनतम सत्र के लिए 84 संभावित खिलाड़ियों को चुनने पर भी सवाल उठाया। आजाद ने कहा कि 84 खिलाड़ियों में से 34 खेले। 30 सदस्यीय टीम अंडर-19 प्रतियोगिता के लिए गई। क्या आपने ऐसा कहीं सुना है? टीम में आमतौर पर 15 खिलाड़ी होते हैं। आजाद ने कहा कि अगर वह अध्यक्ष बने तो शहर में नौ अकादमियां खोलेंगे जिससे प्रतिभाएं सामने आ सकें।

ब्रिस्बेन टेस्ट पर बारिश का साया मंडराया

एजेंसी

ब्रिस्बेन। यहां भारत और मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम के बीच 14 दिसंबर शनिवार से होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच पर बारिश का साया मंडरा रहा है। इसका कारण है कि यहां तेज बारिश हो रही है। ब्रिस्बेन में 75.8 मीटर बारिश हुई है। ये फरवरी के बाद साल का सबसे ज्यादा बारिश वाला दिन रहा। इसे बेमौसम बारिश माना जा रहा है। ऐसे में अब शनिवार से शुरू हो रहे तीसरे टेस्ट में भी खलल की आशंका बढ़ गयी है। गाबा मैदान पर ही भारतीय टीम ने साल 2021 में ऐतिहासिक जीत के साथ-साथ सीरीज जीती थी। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिस्बेन टेस्ट में बारिश का अधिक प्रभाव नहीं होगा। शनिवार को बारिश की केवल 20 फीसदी ही संभावना है। वहीं बचे हुए चारों दिन में ये केवल 30 फीसदी ही होगी। बारिश के के कारण पिच पर भी प्रभाव पड़ा है। इससे तेज गेदंबाजों को सहायता मिलेगी। भारतीय टीम के तेज गेंदबाजों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। पांच टेस्ट मैचों की इस टेस्ट सीरीज में अभी दोनों ही टीमें 1-1 से बराबरी पर हैं। ऐसे में बिस्बेन टेस्ट काफी अहम माना जा रहा है । इसमें जीत दर्ज कर दोनो ही टीमें बराबरी हासिल करना चाहेंगी।

प्रो पंजा लीग के शीर्ष एथलीटों ने गुवाहाटी में असम आर्म रेसलिंग राज्य चैम्पियनशिप में लिया हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली। गुवाहाटी में असम आर्मरेसलिंग स्टेट चैंपियनशिप में 500 से अधिक एथलीटों ने हिस्सा लिया। इस टूर्नामेंट का आयोजन पीपुल्स आर्मरेसलिंग एसोसिएशन, असम और पीपुल्स आर्मरेसलिंग फेडरेशन इंडिया (पीएएफआई) द्वारा किया गया था। असम आर्मरेसलिंग स्टेट चैंपियनशिप का आयोजन 6, 7 और 8 दिसंबर को किया गया था। प्रो पंजा लीग (पीपीएल) की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, पीपीएल के कई शीर्ष खिलाड़ियों ने देश के कुछ बेहतरीन आर्म रेसलरों के साथ टूर्नामेंट में हिस्सा लिया, जिनमें

त्रिदीप मेहदी, अमित चौधरी, सिद्धार्थ मालाकार, कानन बोरगोहेन, जगदीश बरुआ, इशान कश्यप और दीपांकर मेश जैसे कुछ उल्लेखनीय नाम शामिल थे। प्रो पंजा लीग के रार बंगाल टाइगर्स से जुड़े अमित चौधरी ने शीर्ष सम्मान जीता और असम आर्म रेसलिंग स्टेट चैंपियनशिप में 'चैंपियन ऑफ चैंपियंस' घोषित किए गए। इसके साथ ही, उन्हें पीएएफआई के तहत आगामी राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए भी चुना गया है। पीएएफआई की अध्यक्ष प्रीति झंगियानी ने इस कार्यक्रम का उद्घाटन किया और उनके साथ पीपुल्स आर्म रेसलिंग एसोसिएशन, असम के अध्यक्ष कैलाश शर्मा, मुख्य संरक्षक पार्थ दत्ता और महासचिव नयन बोरा भी शामिल हुए। असम में इस खेल के प्रति प्रतिभागियों की भारी संख्या और बढ़ते उत्साह को देखते हुए, प्रीति झंगियानी ने कहा कि वह इस टूर्नामेंट में इतनी बड़ी संख्या में एथलीटों को भाग लेते हुए देखकर बेहद खुश हैं।

भारतीय पुरुष और महिला टीमें विश्व स्क्वैश टीम चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में

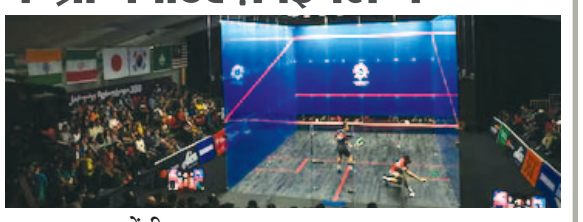

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए विश्व स्क्वैश टीम चैंपियनशिप 2024 के नॉकआउट चरण में प्रवेश कर लिया है। मंगलवार को हांगकांग-चीन में खेले गए मुक़ाबले में दोनों टीमों ने प्री-क्वार्टर फ़ाइनल में प्रवेश किया।
भारतीय महिला टीम ने इटली को 3-0 से हराया जबकि पुरुष टीम कोलंबिया से 1-2 से हार गई, लेकिन कोलंबिया ने आयरलैंड को हराकर नॉकआउट चरण में जगह बनाने में सफलता हासिल की, जिससे भारतीय टीम अपने प्रारंभिक समूह में दूसरे स्थान पर रही। भारतीय पुरुष टीम प्री-क्वार्टर फाइनल में मलेशिया से भिड़ेगी, जबकि महिला टीम अगले चरण में ऑस्ट्रेलिया से खेलेगी। दोनों वर्गों के प्री-क्वार्टर फाइनल में 12 टीमें होंगी, जिनमें से चार को बाई दिया जाएगा।
अपने आखिरी लीग मैच में भारतीय महिला टीम ने इटली को 3-0 से हराया, जिसमें आकांक्षा सालुंखे, अनाहत सिंह और निरुपमा दुबे ने सीधे गेम में अपने-अपने मैच जीते।
स्क्वैश रैंकिंग में 206वें स्थान पर काबिज निरुपमा दुबे ने मुकाबले के शुरुआती मैच में बीट्राइस फिलिप्पी को केवल 15 मिनट में 3-0 (11-4, 11-3, 11-1) से हराया। विश्व की 95वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत सिंह ने विश्व की 131वें नंबर की खिलाड़ी क्रिस्टीना टाटारोन को 3-0 (11-3, 11-9, 11-3) से हराकर इसे और मजबूत किया, वहीं, विश्व की 70वें नंबर की खिलाड़ी आकांक्षा सालुंखे ने फ्लाविया मिसेली को 3-0 (11-3, 11-3, 11-1) से हराया। भारतीय पुरुष टीम कोलंबिया से 2-1 से हार गई, लेकिन बाद में आयरलैंड को हराने के बाद भारतीय पुरुष ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहे और प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए।
विश्व के 54वें नंबर के खिलाड़ी अभय सिंह ने पुरुष रैंकिंग में 17वें स्थान पर रहने वाले मिगुएल रोड्रिग्ज से पहला मैच 3-1 (4-11, 8-11, 11-5, 4-11) से गंवा दिया। वीर चोटरानी ने शानदार परिणाम के साथ भारत को बराबरी पर ला खड़ा किया। 87वें स्थान पर काबिज चोटरानी ने अपने से ऊंची रैंकिंग वाले जुआन कैमिलो वर्गास (39वें स्थान) के खिलाफ 3-1 (11-8, 11-9, 12-14, 11-5) से जीत हासिल की।
सूरज कुमार चंद (159वें स्थान) को टाई के अंतिम मैच में दुनिया के 78वें नंबर के खिलाड़ी रोनाल्ड पालोमिनो के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा और सीधे गेमों (11-5, 11-6, 11-3) में हार का सामना करना पड़ा। कोलंबिया ने 2-1 से जीत दर्ज की और बाद में आयरलैंड को हराकर ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारतीय पुरुषों ने सोमवार को आयरलैंड को 2-1 से हराया था।

एचआईएल जैसी लीग में खेलने का सपना देखा करती थी: वंदना

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय महिला हॉकी टीम में करीब 15 साल के कठिन सफर के बाद, वंदना कटारिया इतिहास का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनने की कगार पर हैं क्योंकि वह अगले साल की शुरुआत में उद्घाटन महिला हॉकी इंडिया लीग में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के लिए मैदान में उतरने के लिए खुद को तैयार कर रही हैं।
वंदना ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, ₹हमारे लिए यह बहुत बड़ी बात है कि महिला एचआईएल आखिरकार शुरू हो रही है। शिविर में उत्साह है क्योंकि सभी खिलाड़ी इस अनुभव का आनंद लेने और उच्च स्तर पर हॉकी खेलने के लिए उत्सुक हैं। हम सभी उम्मीद कर रहे हैं कि महिला एचआईएल एक बड़ी सफलता होगी और पुरुषों की एचआईएल जितनी ही चर्चा बटोरेगी। और हम बेहद उत्साहित हैं और इसे संभव बनाने के लिए हॉकी

इंडिया का जितना धन्यवाद करें, कम है।₹
वंदना भारतीय महिला हॉकी टीम के लिए 317 मैच खेल चुकी हैं और इस दौरान उन्होंने 158 गोल किए हैं। वह उस टीम का भी अहम हिस्सा थीं, जिसने तमाम मुश्किलों के बावजूद टोक्यो 2022 ओलंपिक में चौथा स्थान हासिल किया। फिर भी, एचआईएल में खेलने के विचार ने उनके अंदर जोश भर दिया और वंदना इसका श्रेय एचआईएल के भारतीय पुरुष हॉकी टीम पर पड़ने वाले प्रभाव को देती हैं।
वंदना ने बताया, "पिछले संस्करणों में, पुरुष टीम को अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ घुलने-मिलने, उनके आत्मविश्वास के स्तर को बढ़ाने का मौका मिला और जैसा कि सभी देख सकते हैं, इससे टीम को काफी मदद मिली है और वे अब लगातार पदक जीत रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि इस साल जब महिला एचआईएल चार टीमों के साथ शुरू होगी, तो भी यही प्रभाव होगा। यह उन खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा अवसर होगा, जो राष्ट्रीय शिविर में अपनी क्षमता दिखाने और विभिन्न कोचों के मार्गदर्शन में आगे बढ़ने में विफल रहे। इससे भारतीय महिला हॉकी टीम में आने वाली प्रतिभाओं के बेल्ट को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी।" उन्होंने कहा, जब पहले एचआईएल पुरुषों के लिए चल रहा था, तो मैं उन मैचों को देखती थी और सपना देखता थी कि मैं एक दिन इस तरह की लीग में खेलूंगी। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि यह अब हकीकत है और हम लीग शुरू होने में बस एक महीने से ज़्यादा समय दूर हैं। महिला टीम इसे अपनी क्षमता दिखाने के अवसर के रूप में देख रही है। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने से निस्संदेह हमारे प्रदर्शन और आत्मविश्वास में सुधार होगा।
वंदना के अलावा, श्राची रार बंगाल टाइगर्स में उदिता, लालरेमसियामी, ब्यूटी डुंगडुंग, महिमा चौधरी और सुशीला चानू जैसी मजबूत भारतीय कोर है। वह ओलंपिक कांस्य पदक विजेता फियोना क्रैकल्स और ऑस्ट्रेलिया की तीन बार की ओलंपियन ग्रेस स्टीवर्ट के साथ ड्रेसिंग रूम भी साझा करेंगी। उनकी टीम में ज्योति एडुला, मुमुनी दास और लालरिनपुई जैसी कुछ युवा भारतीय संभावनाएँ भी हैं।
32 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा, ₹महिला एचआईएल मेरे लिए अपनी क्षमताओं को दिखाने का एक मौका है ताकि मैं भारतीय टीम में अपनी जगह बनाए रख सकूं, लेकिन एक फॉरवर्ड के रूप में, मैं टीम के सभी खिलाड़ियों के साथ अच्छा तालमेल बनाने पर भी ध्यान केंद्रित करूंगी। लीग कुछ खिलाड़ियों को उनके खोल से बाहर निकालकर उन्हें अधिक सहज बनाने के लिए भी बाध्य करती है। यह अनुभव अंतरराष्ट्रीय और भारतीय दोनों ही तरह के सभी खिलाड़ियों के लिए सुधार के क्षेत्रों पर भी प्रकाश डालेगा। उन साथियों के खिलाफ खेलना भी दिलचस्प होगा जो आपको सालों से जानते हैं और आपकी सभी आदतों से वाकिफ हैं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हम एक अच्छा टीम प्रदर्शन करना चाहेंगे, पूरे सीजन में सुधार करेंगे और लीग जीतने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे।

संक्षिप्त समाचार

विरोध के बाद पीओजेके सरकार ने वापस लिया विवादास्पद अध्यादेश

मुजफ्फराबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में जनता के भारी विरोध और बंद के बाद सरकार ने विवादास्पद अध्यादेश वापस ले लिया। अध्यादेश के जरिये सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों से पहले सरकार से अनुमति लेना अनिवार्य किया गया था। प्रेसिडेंट बैरिस्टर सुल्तान महमूद ने अध्यादेश वापस लेने की घोषणा की। इसे लेकर एक लिखित समझौता भी हुआ है। इसके तहत प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सभी मामले वापस लिए जाएंगे और 13 मई की गोलीबारी की घटनाओं के पीड़ितों को मुआवजा दिया जाएगा। सरकार के फैसले के बाद एक प्रदर्शनकारी ने कहा, जनता के विरोध ने सरकार व नौकरशाहों को करारा जवाब दिया है। उसने साबित किया है कि पीओजेके का अपना कानून और प्रणाली है। पीओजेके के प्रधानमंत्री अनवर उल हक ने कहा कि अध्यादेश में प्रदर्शनों से पहले सरकार की अनुमति लेने का प्रावधान सुरक्षा चिंताओं को लेकर किया गया था। मालूम हो कि पाकिस्तान सरकार लंबे समय से पीओजेके के लोगों का दमन कर रही है। यहां उनके अधिकारों, बुनियादी जरूरतों और आकांक्षाओं को लगातार नजरअंदाज किया जाता रहा है। इस क्षेत्र के लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंधों, सामाजिक असहमति को लेकर चिंताओं का सामना करना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में सरकार या सत्तारूढ़ अधिकारियों की आलोचना करने वाले व्यक्तियों, मीडिया प्रतिष्ठानों और राजनीतिक कार्यकर्ताओं को उत्पीड़न, धमकी और कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा है।

जॉर्जिया में अभय कुमार अगले भारतीय राजदूत नियुक्त

त्बिलिसी, एजेंसी। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के उप महानिदेशक पद पर कार्यरत अभय कुमार को जॉर्जिया में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोमवार को यह जानकारी दी। कुमार 2003 बैच के भारतीय विदेश सेवा अधिकारी हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह जल्द ही अपना पदभार संभालेंगे।

काश पटेल ने सीनेटरों से मुलाकात की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश की संघीय जांच एजेंसी- एफबीआई के निदेशक के रूप में भारतीय-अमेरिकी काश पटेल को नामित किया है। ताजा घटनाक्रम में पटेल ने उन्होंने कैपिटल हिल में कई प्रभावशाली सीनेटरों से मुलाकात की। कई सीनेटरों ने खुले तौर पर उनका समर्थन किया। बता दें कि अगर अमेरिकी सीनेट काश पटेल की नियुक्ति की पुष्टि करता है, तो पटेल अमेरिका की शक्तिशाली जांच एजेंसी, संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) का नेतृत्व करने वाले पहले भारतीय-अमेरिकी होंगे। पटेल से मुलाक़ात के बाद सीनेट न्यायपालिका समिति के नए अध्यक्ष सीनेटर चक ग्रासली ने कहा, मैंने काश को याद दिलाया कि पारदर्शिता जवाबदेही लाती है, और एफबीआई में यह बेहद जरूरी है। ग्रासली ने कहा कि पूर्व कांग्रेसी जांचकर्ता के रूप में, काश पटेल ये अच्छी तरह समझते हैं कि कांग्रेस के साथ सहयोग वैकल्पिक नहीं है, मुखबिरों की सुरक्षा अहम है।

ग्वाटेमाला : 50 से अधिक प्रवासियों की मौत के आरोपी छह गिरफ्तार

ग्वाटेमाला, एजेंसी। मध्य अमेरिकी देश ग्वाटेमाला में मैक्सिको ट्रक दुर्घटना के दोषियों को गिरफ्तार किया गया है। साल 2021 के इस हादसे में 50 से अधिक प्रवासियों की मौत हो गई थी। ग्वाटेमाला और अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तारी ग्वाटेमाला और टेक्सास दोनों जगहों पर हुई है। गौरतलब है कि कम से कम 160 प्रवासियों को ले जा रहा एक ट्रक चियापास के टक्सटला गुटिरेज़ में दुर्घटना का शिकार हुआ था। ग्वाटेमाला के अधिकारियों ने 36 वर्षीय टॉमस क्विनो कैनिल; 31 वर्षीय अल्बर्टो मार्कारियो चिटिक; 24 वर्षीय ओस्वाल्डो मैनुअल ज़वाला क्विनो; और 42 वर्षीय जोसेफ़ा क्विनो कैनिल डे ज़वाला को हिरासत में लिया। टेक्सास के क्लीवलैंड में जॉर्ज अगापीटो वेंतुरा को उसके घर से पकड़ा गया। छठे अभियुक्त का नाम सामने नहीं आया है।

श्रीलंका ने 21 भारतीय मछुआरों को वापस भेजा

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंकाई नौसेना ने गिरफ्तार किए गए 21 भारतीय मछुआरों को वापस लौटा दिया। कोलंबो में भारतीय उच्चायोग ने एक्स हैंडल पर वापस भेजे गए मछुआरों की तस्वीर भी साझा की। उच्चायोग ने कहा कि रिहाई के बाद सभी मछुआरे अपने घर वापस आ रहे हैं। बता दें कि इससे पहले बीते 8 दिसंबर को, श्रीलंकाई नौसेना ने रामनाथपुरम के तट से आठ भारतीय मछुआरों को पकड़ा था और दो नावों पर कब्जा कर लिया था। मछुआरों के पकड़े जाने पर सीएम स्टालिन ने केंद्र सरकार से हस्तक्षेप और उनकी रिहाई की मांग की थी।

रूस की एफएसबी ने कॉल सेंटरों के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को किया ध्वस्त

मास्को, एजेंसी। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा (एफएसबी) ने 50 से अधिक देशों में एक लाख से अधिक लोगों के साथ धोखाधड़ी करने वाले कॉल सेंटरों के एक बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया। भारत समेत तमाम देश इन कॉल सेंटरों की ओर से की गई धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं। एजेंसी के अनुसार, इन कॉल सेंटरों के जरिये निवेश लेनदेन की आड़ में यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा, ब्राजील, भारत, जापान और अन्य देशों के नागरिकों के खिलाफ बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की जा रही थी।

बशर की कालकोठरियों से विद्रोहियों ने मुक्त कराए कैदी, फांसी की सजा पाए कैदियों ने कई साल बाद देखा सूरज

दश्मिक, एजेंसी। सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल-असद के रूस भागने और देश पर विद्रोहियों का कब्जा होने के बाद राजधानी दमिश्क की सड़कों पर जबरदस्त जश्न मनाया गया। विद्रोहियों ने असद के शासन में कैद किए गए कई कैदियों को भी सोमवार तड़के कालकोठरियों से मुक्त कराया। असद परिवार के करीब 50 वर्षीय शासन को सिर्फ 10 दिनों में विद्रोहियों ने हमला बोलकर खत्म कर दिया और अब राजनीतिक कैदियों को आजाद कराने के लिए जेलों व सुरक्षा सुविधाओं में तोड़फोड़ की। एक ऐसे ही कैदी हैं 63 वर्षीय बशर बरहौम। उन्हें फांसी की सजा दी गई थी और सोमवार को इस पर तामीली होना थी। जब उन्होंने देखा कि दरवाजे पर कुछ लोगों की चहलकदमी हो रही है तो वे समझे कि यह फांसी चढ़ाने के लिए आए हैं। लेकिन सामने देख तो ये लोग असद के कुख्यात सुरक्षा बलों से नहीं थे बल्कि उन्हें मुक्त करा रहे थे। बरहौम ने भी कैद से रिहा होकर जश्न मनाया और कहा, मैंने आज तक सूरज नहीं देखा है, सोमवार को सजा-ए-मौत के बजाय मुझे नया जीवन मिला है। जेल से रिहा हुए कई लोग नंगे पैर या बमुश्किल कपड़े पहने दमिश्क की सड़कों पर अपनी आजादी का जश्न मनाते देखे गए। विद्रोहियों ने जेलों में जाकर बंदियों से कहा, डरो मत...असद का राज खत्म हो चुका है। सड़कों पर आकर कैदी खुशी से चीख रहे थे। उन्हें उम्मीद थी कि अब जल्द ही वे अपने परिवार से मिल सकेंगे। दमिश्क, अलेप्पो, होम्स, हामा समेत कई शहरों में हजारों बंदी

आजाद हुए सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स ने कहा कि दमिश्क, अलेप्पो, होम्स और हामा सहित शहरों में हजारों बंदियों को रिहा कर दिया गया है। असद की इन जेलों में सबसे कुख्यात जेलों में से एक दमिश्क के पास 'सैयदनाया जेल' है जिसे एमनेस्टी इंटरनेशनल ने 'मानव वधशाला' तक कहा है। रिपोर्टों से पता चलता है कि 2011 और 2016 के बीच 13,000 लोगों को यहां गुप्त रूप से मार डाला गया। सैयदनाया में रखी गई महिलाएं, जिनमें से कुछ बच्चों के साथ थीं, असद का तख्तापलट होने की सूचना मिलते ही चिल्लाने लगीं। विद्रोहियों ने उनके सेल के ताले तोड़ दिए।

सीरिया में नया युग शुरू : विद्रोहियों द्वारा राजधानी दमिश्क पर कब्जा करने और राष्ट्रपति बशर अल-असद के रूस भागने के बाद सोमवार को सीरियाई लोगों में आशा की किरण जगी दिखाई दी। हालांकि उनमें अनिश्चित भविष्य को लेकर चिंता भी दिखाई दी। विद्रोहियों द्वारा घोषित कर्फ्यू के कारण दमिश्क में सुबह के बाद शांति रही, दुकानें बंद रहीं और सड़कें काफी हद तक खाली दिखीं। बाहर निकलने वालों में से अधिकांश विद्रोही थे, और कई कारों पर उत्तर-पश्चिमी प्रांत इदलिब की लाइसेंस प्लेटें थीं। इदलिब से ही विद्रोही लड़ाकों ने 12 दिन पहले अपनी बढ़त शुरू की थी। मध्य उमय्यद स्क्वायर में लड़ाकों के एक समूह के बीच, इदलिब के फिरदौस उमर ने कहा कि वह 2011 से असद शासन से लड़ रहे हैं और अब अपने हथियार डालकर किसानी करेंगे। क्रूरता के लिए दुनिया में बदनाम हैं सीरियाई जेलें सीरिया की जेलें लंबे समय से क्रूर हालात के लिए बदनाम हैं। मानवाधिकार संगठनों और दलबदलुओं द्वारा यातना, भुखमरी और गुप्त फांसी को बड़े पैमाने पर प्रलेखित किया गया है। 2013 में, 'सीजर' नामक व्हिसलब्लोअर ने सीरिया से 53,000 तस्वीरों की तस्करी की, जिससे असद की जेलों में बड़े पैमाने पर अत्याचार और अमानवीय स्थिति का खुलासा हुआ। चैथम हाउस में मध्य पूर्व विशेषज्ञ लीना खतीब ने कहा, असद की कुख्यात जेलों में डाले जाने की चिंता ने सीरियाई लोगों में अविश्वास पैदा कर दिया। असद ने सत्ता पर नियंत्रण बनाने और विरोध को कुचलने के लिए डर की इस संस्कृति को बढ़ावा दिया।

रूस ने कहा-असद को राजनीतिक शरण दी रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन ने सोमवार को कहा कि रूस ने सीरिया के पूर्व राष्ट्रपति बशर असद को राजनीतिक शरण दी है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दमित्री पेस्कोव ने संवाददाताओं को बताया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने असद को शरण देने का निर्णय व्यक्तिगत रूप से लिया। हालांकि, पेस्कोव ने इस बारे में नहीं बताया कि असद कहां ठहरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि पुतिन की असद से मिलने की योजना नहीं है। मॉस्को दूतावास पर सीरियाई विद्रोहियों का ध्वज सोमवार को मॉस्को में सीरियाई दूतावास की इमारत पर सीरियाई विद्रोही समूहों का तीन सितारा झंडा लगाया गया है। रूसी समाचार एजेंसियों ने कहा है कि विद्रोही लड़ाकों के दमिश्क में निर्विरोध प्रवेश के बाद बशर अल-असद अपने परिवार के साथ मॉस्को में आ गए हैं।

अंतरराष्ट्रीय-घरेलू स्तर पर बुरे फंसे नेतन्याहू, जंग के बीच पहली बार भ्रष्टाचार मामले में देंगे गवाही

यरुशलम, एजेंसी। इस्त्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू फिलहाल मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। उन पर घरेलू और

अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर कानूनी मामले चल रहे हैं। एक तरफ अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (आईसीसी) ने नेतन्याहू के खिलाफ गाजा में युद्ध अपराध के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। वहीं दूसरी ओर, नेतन्याहू को इस्त्राइल में भी भ्रष्टाचार के एक मुकदमे में गवाही देनी है। अगर वह इस मामले में दोषी पाए गए तो उनका सियासी सफर खत्म हो सकता है। आईसीसी के मुकदमे पर नेतन्याहू को देश में समर्थन मिलता दिख रहा है, लेकिन भ्रष्टाचार के मामले में जनता की राय उन पर बंटी हुई है।

अदालतों के लगाने पड़ सकते हैं कई चक्कर : एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू के खिलाफ इस्त्राइल में लंबे समय से भ्रष्टाचार का मामला चल रहा है। इसी मामले में आज वह अदालत के सामने अपना पक्ष रखने के लिए तैयार हैं। अंदाजा लगाया जा रहा कि उन्हें कई सप्ताह तक अदालत और युद्ध कक्ष के बीच चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। एक साल से हमास के साथ जंग जारी इस्त्राइल पिछले एक साल से भी अधिक समय से गाजा में फलस्तीनी समूह हमास के खिलाफ युद्ध लड़ रहा है, जिसके दौरान नेतन्याहू को अदालत में पेश होने के लिए मोहलत दी गई थी। लेकिन गुरुवार को जजों ने फैसला सुनाया कि उन्हें गवाही देनी होगी।अदालत ने कहा कि रिश्वतखोरी, धोखाधड़ी और विश्वासघात के आरोप में नेतन्याहू सप्ताह में तीन बार गवाही देंगे। नेतन्याहू को 2019 में करोड़पति दोस्तों से उपहार से जुड़े तीन मामलों में और अनुकूल कवरेज के बदले मीडिया टाइकून के लिए कथित तौर पर नियामक पक्ष लेने के लिए दोषी ठहराया गया था। हालांकि, उनका कहना है कि उन्होंने ऐसा कुछ भी गलत काम नहीं किया है। सोमवार रात को प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्होंने अपनी कहानी बताने के लिए आठ साल इंतजार किया।

सीरिया में झटके के बाद अब यूक्रेन पर समझौते के लिए तैयार रूस, शांति की पहल का करेगा स्वागत

मॉस्को, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से यूक्रेन में युद्ध को तुरंत रोकने की मांग को रूस ने गंभीरता से लिया है। क्रेमलिन ने कहा है कि रूस इस पर बातचीत के लिए तैयार है। रूस ने वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) और ब्रिक्स देशों की तरफ से शांति पहलों का भी स्वागत किया है। गौरतलब है कि रूस को हाल ही में सीरिया में बड़ा झटका लगा है। यहां विद्रोही संगठनों ने रूस के समर्थन वाली बशर अल-असद सरकार को हटा दिया। खुद राष्ट्रपति असद को आनन-फानन में सीरिया छोड़कर भागना पड़ा। सीरिया में इन हालात के बाद माना जा रहा है कि यूक्रेन युद्ध में पूरी तरह केंद्रित होने की वजह से रूस अपनी ताकत सीरिया में नहीं दिखा पाया और उसे पश्चिम एशिया में कूटनीतिक तौर पर एक अहम देश गंवाना पड़ा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सोमवार को एक पोस्ट में रूस के विदेश मंत्रालय ने क्रेमलिन (रूस का आधिकारिक कार्यालय) के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव के कथन का जिक्र किया। इसमें कहा गया, हमने अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ मुलाकात के बाद दिया बयान ध्यान से पढ़ा है। रूस, यूक्रेन पर बातचीत के लिए खुला है और शांति पहलों का स्वागत करता है।

रूस ने भारत को सौंपा गाइडेड मिसाइल से लैस आईएनएस-तुशिल

ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज और हाई रेंज मिसाइलों से लैसए, ऐसे 3 युद्धपोत की डिलीवरी बाकी

मॉस्को, एजेंसी। आधुनिक मल्टी-रोल स्टील्थ-गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'आईएनएस तुशिल' को सोमवार को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। न्यूज एजेंसी के मुताबिक यह युद्धपोत रूस के तटीय शहर कैलिनिनग्राद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, एडमिरल दिनेश त्रिपाठी की मौजूदगी में भारत को डिलीवर किया गया।

आईएनएस तुशिल कई उन्नत हथियारों से लैस है। इनमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, सतह से हवा में मार करने वाली हाई रेंज मिसाइल और एंटी एयर क्राफ्ट गन शामिल हैं। इसके अलावा इस युद्धपोत में कंट्रोल्ड क्लोज-रेंज रैपिड फायर गन सिस्टम, सबमरीन का खात्मा करने वाले टॉरपीडो समेत कई एडवांस रॉकेट भी हैं। युद्धपोत का डिजाइन इसे रडार से बचने की क्षमता और बेहतर स्थिरता प्रदान करता है भारत और रूस के बीच 2016 में 4 स्टील्थ फ्रिगेट को लेकर 2.5 बिलियन डॉलर (करीब 21 हजार करोड़ रुपए) की डील हुई थी। इसमें से 2 युद्धपोत का निर्माण रूस (यंतर शिपयार्ड) में और 2 का निर्माण (गोवा शिपयार्ड) में होना है। तुशिल की डिलीवरी करने के बाद रूस भारत को जून-जुलाई 2025 में तमाल सौंपेगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आईएनएस तुशिल से भारत की समुद्री ताकत में इजाफा होगा। उन्होंने इसे रूसी और भारतीय उद्योगों की सफल साझेदारी और दोनों देशों की बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती में मील का पत्थर बताया। रक्षा मंत्री ने जहाजों

में मेड इन इंडिया कंटेंट बढ़ने पर भी खुशी जताई। विदेशी जहाजों में मेड इन इंडिया सामग्री में इजाफा भारतीय नौसेना के विशेषज्ञ इंजीनियरों और रूसी शिप डिजाइन कंपनी सेवरनॉय डिजाइन ब्यूरो के मदद से, आईएनएस तुशिल में स्वदेशी सामग्री को 26 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है। इससे विदेशी जहाजों में भारत निर्मित सिस्टम्स की संख्या बढ़कर 33 हो गई है, जो पहले की तुलना में दोगुनी से अधिक है। इस जहाज के निर्माण में प्रमुख भारतीय कंपनियां ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, केलट्रॉन, नोवा इंटीग्रेटेड सिस्टम, एल्कॉम मरीन, जॉनसन कंट्रोल्स इंडिया और कई दूसरी ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर के रूप में शामिल थीं।

गौरतलब है कि भारत में नौसेना में इस्तेमाल होने वाले अधिकतर पोतों में लगी गैस टर्बाइन का उत्पादन यूक्रेन की कंपनी जोरया-माशप्रोएक्त करती है। इसे वैश्विक स्तर पर जलीय गैस टर्बाइन के उत्पादन के लिए जाना जाता है। इस पूरे ऑर्डर की सबसे बड़ी बात यह है कि युद्ध के बावजूद रूस और यूक्रेन की मदद से भारत को यह पोत मिल गया है।

आईएनएस तुशिल पर 18 अधिकारियों समेत 180 कर्मियों का दल तैनात हो सकता है। जहाज पर 8 ब्रह्मोस वर्टिकल लॉन्च की जाने वाली एंटी-शिप क्रूज मिसाइलें, 24 मध्यम दूरी की और 8 छोटी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एक 100 मिमी की तोप और आने वाली मिसाइलों से बचाव के लिए दो क्लोज-इन हथियार होंगे। तुशिल क्रोवाक-3 कैटगिरी का युद्धपोत है। भारत में फिलहाल 6 ऐसे युद्धपोत सेवा में हैं।

सीरिया पर अमेरिका-इजराइल के बाद तुर्किये का भी हमला : उत्तरी इलाके पर कब्जा किया

दमिश्म, एजेंसी। सीरिया में असद सरकार के पतन के बाद दूसरे देशों के हमले तेज हो गए हैं। इजराइल ने सीरिया के दक्षिणी, अमेरिकी ने मध्य और तुर्किये से जुड़े रिबेल फोर्स ने उत्तरी इलाके पर हमला किया है। रॉयटर्स के मुताबिक तुर्किये के रिबेल फोर्स ने सीरिया के उत्तरी इलाके मनबिज पर कब्जा कर लिया है। कुर्दिश सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्स (एसएफडी) ने 2016 में आईएसआईएस को हराकर मनबिज पर कंट्रोल हासिल किया था। मनबिज में एसएफडी की हार के बाद कुर्द लड़ाकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अमेरिका और तुर्किये के बीच सोमवार को समझौता हुआ है। इस बीच तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप एर्दोगन ने इस जीत पर कहा कि वे मनबीज से 'आतंकियों' के सफाए से खुश हैं। इजराइल ने दमिश्क में 100 से ज्यादा मिसाइल हमले किए इजराइली वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने सोमवार को सीरिया में 100 से ज्यादा हवाई हमले किए। अलजजीरा के मुताबिक ये हमले राजधानी दमिश्क के पास बरजाह साइंटिफिक रिसर्च सेंटर के पास हुए। इजराइली विदेश मंत्री गिदोन सार ने माना है कि इजराइल ने हथियार ठिकानों पर हमला किया

है। दरअसल, पश्चिमी देशों को आशंका है कि असद सरकार ने यही पर रासायनिक हथियार छुपा रखे हैं। अब इजराइल को डर है कि कहीं सीरियाई विद्रोहियों के हाथ ये हथियार न लग जाएं। दमिश्क से सिर्फ 21 किमी दूर पहुंची इजराइली सेना इससे पहले इजराइल ने 50 साल में पहली बार सीरिया बॉर्डर पार कर वहां के गोलान हाइट्स वाले हिस्से में अपनी सेना भेजकर बफर जोन पर कब्जा कर लिया था। अलजजीरा ने लेबनान से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया है कि इजराइली सेना अब बफर जोन की सीमाओं से आगे निकल चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक अब इजराइली सेना दक्षिणी सीरिया के कटाना शहर के पास पहुंच चुके हैं, जो कि राजधानी दमिश्क से सिर्फ 21 किमी की दूरी पर है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इजराइली सैनिक दमिश्क के बाहरी इलाके के कई गांवों में भी घुस गए हैं। इससे पहले अमेरिका ने मध्य सीरिया में आतंकवादी संगठन आईएसआईएस के ठिकानों पर 75 से ज्यादा हवाई हमले किए। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, इस हमले में बी-52 बॉम्बर और एफ-15 ई फाइटस जेट्स का इस्तेमाल हुआ। इन हमलों में आईएसआईएस के कई लड़ाकों और उनके ठिकानों को नष्ट कर दिया गया।

नोबेल विजेताओं ने स्वास्थ्य मंत्री के लिए ट्रंप की पसंद आरएफके जू. का किया विरोध, सीनेट को लिखी चिट्ठी

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनियाभर के 77 नोबेल विजेताओं ने सोमवार को अमेरिकी सीनेट को चिट्ठी लिखकर रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर (आरएफके जू.) की स्वास्थ्य मंत्री के तौर पर नियुक्ति का विरोध किया। गौरतलब है कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप ने चुनाव जीतने के कुछ घंटों बाद ही जिन नेताओं को मंत्री बनाने का एलान किया था, उनमें आरएफके जू. का नाम सबसे ऊपर था। नोबेल विजेताओं ने अपनी चिट्ठी में कहा, कैनेडी जू. के रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें स्वास्थ्य मंत्री बनाने से जनता के लिए मुहैया होने वाली स्वास्थ्य व्यवस्था पर असर पड़ सकता है। इस चिट्ठी में आरएफके जू. के अनुभव और विश्वसनीयता की कमी का मुद्दा उठाया गया है। पत्र में हस्ताक्षर करने वालों में चिकित्सा, रसायन, भौतिकी और अर्थशास्त्र के क्षेत्र में नोबेल पाने वालों के नाम शामिल हैं। जिन लोगों ने कैनेडी जूनियर के खिलाफ पत्र में हस्ताक्षर किए हैं, उनमें ड्रयू वीजमैन का नाम भी शामिल है, जिन्होंने 2023 में कोविड के खिलाफ लड़ाई के लिए एमआरएनए टीका तैयार करने में मदद की थी। उन्हें इसके लिए चिकित्सा का नोबेल मिला था। ट्रंप की पसंद हैं रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर गौरतलब है कि रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी जू. के भतीजे हैं। इस साल हुए अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने भी निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर दावेदारी पेश की थी। हालांकि, बाद में उन्होंने अपना नाम वापस लेते हुए ट्रंप को समर्थन दे दिया था। इसके बदले चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने उन्हें अपना स्वास्थ्य मंत्री बनाने का एलान किया। हालांकि, इस पद पर नियुक्ति के लिए उन्हें अभी अमेरिकी संसद के उच्च सदन- सीनेट की मंजूरी लेनी होगी। पेशे से एक वकील और पर्यावरण मामलों के कार्यकर्ता आरएफके का जन्म 1954 में हुआ था। वह अमेरिका अटॉर्नी जनरल और सीनेटर रॉबर्ट एफ. कैनेडी के बेटे हैं। उनके चाचा जॉन एफ. कैनेडी अमेरिका के राष्ट्रपति भी रहे हैं। कैनेडी ने अपना ग्रैजुएशन आर्ट्स में हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से 1976 में पूरा कर लिया। इसके बाद उन्होंने 1981 में वर्जीनिया स्कूल ऑफ लॉ से ज्यूरिस डॉक्टर डिग्री हासिल की। उनकी कानून की पढ़ाई लंदन स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स में भी चली और बाद में 1987 में उन्होंने पेस यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ लॉ से मास्टर्स डिग्री हासिल की।

खुफिया प्रमुख चुनी गईं तुलसी गबार्ड ने सीनेटरों से की मुलाकात; सीरिया पर डोनाल्ड ट्रंप के रुख को बताया सही

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में हवाई की पूर्व सांसद तुलसी गबार्ड को खुफिया प्रमुख के रूप में चुना है। उसके बाद से, वाशिंगटन में चर्चाओं और विवादों का माहौल गर्म है। गबार्ड की 2017 की सीरिया यात्रा और असद शासन के साथ उनकी कथित निकटता को लेकर कई सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, इन सबके बीच गब्बार्ड ने कैपिटल हिल में प्रमुख सीनेटरों से मुलाकात की और सीरिया पर ट्रंप के विचारों का समर्थन किया।

ट्रंप का किया समर्थन : कैपिटल हिल में सोमवार को अपने नामांकन को लेकर शीर्ष अमेरिकी सीनेटरों से मुलाकात के दौरान 43 वर्षीय गबार्ड ने कहा, मैं सीरिया के घटनाक्रम के संबंध में पिछले कुछ दिनों में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा कही बातों का पूरा समर्थन करती हूं। उनसे पूरी तरह सहमत हूं।

सीनेटरों ने गबार्ड की तारीफों के बांधे पुल : सीनेटर जोनी अर्न्स्ट ने कहा कि तुलसी गबार्ड के साथ मुलाकात काफी शानदार रही। वह एक मजबूत नेता हैं। वहीं, माइक राउंड्स ने कहा कि राष्ट्रीय खुफिया निदेशक के पद के लिए राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा नामित तुलसी गबार्ड के साथ बैठकर अच्छा लगा। इंटेलिजेंस पर सीनेट सेलेक्ट कमेटी के सदस्य के रूप में, मैं उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। पहली मुलाकात बहुत अच्छी रही। हाल के दिनों में कई अन्य सीनेटरों ने गबार्ड की प्रशंसा की है। इनमें सीनेटर रैंड पॉल, सीनेटर मार्कवेन मुलिन, सीनेटर लिंडसे ग्राहम, सीनेटर एरिक श्मिट और सीनेटर बिल हेगर्टी शामिल हैं।

पहली हिंदू सांसद होंगी : इस पर गबार्ड ने आभार जताया। बता दें, अगर अमेरिकी सीनेट से गबार्ड के नाम पर मोहर लग जाती है तो वह

सीआईए और एफबीआई समेत अमेरिका की सभी खुफिया एजेंसियों के प्रभारी शक्तिशाली निकाय का नेतृत्व करने वाली पहली हिंदू अमेरिकी होंगी।

कौन हैं तुलसी गबार्ड : तुलसी गबार्ड करीब दो दशकों तक अमेरिकी सेना की शाखा नेशनल गार्ड में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। तुलसी गबार्ड इराक और कुवैत में भी तैनात रह चुकी हैं। हालांकि उनके पास खुफिया विभाग में काम करने का कोई अनुभव नहीं है। उन्होंने होमलैंड सिक्योरिटी समिति में भी अपनी सेवाएं दी हैं। तुलसी गबार्ड हवाई से साल 2013 से लेकर 2021 तक सांसद रहीं।

डेमोक्रेट पार्टी से राष्ट्रपति पद की कर चुकी हैं दावेदारी : तुलसी गबार्ड का भारत से कोई नाता नहीं हैं, लेकिन उनकी मां ने हिंदू धर्म अपना लिया था, जिसके चलते उन्होंने अपने बच्चों के नाम भी हिंदू धर्म वाले रखे। तुलसी गबार्ड भी हिंदू धर्म को मानती हैं। जब उन्होंने संसद में शपथ ली थी तो भागवत गीता पर हाथ रखकर शपथ ली थी। साल 2020 में तुलसी गबार्ड ने डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के लिए दावेदारी पेश की थी। हालांकि उन्हें पर्याप्त समर्थन न मिलने के बाद अपनी दावेदारी वापस लेनी पड़ी थी। कमला हैरिस के खिलाफ राष्ट्रपति पद की बहस के लिए ट्रंप की कराई थी तैयारी डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच जब राष्ट्रपति पद की बहस हुई थी, उस दौरान ट्रंप की तैयारी तुलसी गबार्ड ने ही कराई थी। इसकी वजह ये थी कि जब तुलसी गबार्ड ने साल 2020 में डेमोक्रेट पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद की दावेदारी पेश की थी तो उस वक्त कमला हैरिस भी दावेदारों की रेस में थी। तुलसी गबार्ड और कमला हैरिस के बीच पार्टी की आंतरिक बहस हुई थी, जिसमें तुलसी गबार्ड भारी पड़ी थीं। तुलसी गबार्ड ने अपने जवाब से कमला हैरिस की बोलती बंद कर दी थी। यही वजह रही कि जब ट्रंप और कमला हैरिस के बीच बहस होने वाली थी तो ट्रंप की तैयारी कराने वाले लोगों में तुलसी गबार्ड भी प्रमुख थीं।

संक्षिप्त खबरें

उप विकास आयुक्त ने पाटन के उताकी पंचायत का किया औचक निरीक्षण

मेदिनीनगर (पलामू)(बिभा) : उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने बुधवार को पाटन प्रखण्ड के उताकी पंचायत का औचक निरीक्षण किया।इस दौरान पाया गया कि पंचायत में बायोमैट्रिक उपस्थिति के लिए पूर्ण व्यवस्था रहने के बावजूद पंचायत में पदस्थापित किसी भी कर्मी द्वारा पंचायत कार्यालय मेंउपस्थिति दर्ज नहीं किया जा रहा है।इसके अलावे जनसेवकों के द्वारा उपस्थिति कहीं दर्ज नहीं की जाती है।इसके लेकर उताकी के मुखिया, पंचायत सचिव,ग्राम पंचायत पर्यवेक्षक बीडीओ को शो-काउज किया गया।उन्होंने सभी को अपने निर्धारित स्थल पर हाजिरी बनाने पर बल दिया।इसके अलावे उताकी पंचायत के पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सेवक का वेतन रोका गया।निरीक्षण के दौरान डीडीसी ने पंचायत में संचालित मनरेगा एवं आवास के योजनाओं की समीक्षा भी की।मौके पर जिला कल्याण पदाधिकारी एवं जिला समाज कल्याण पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने मिशन वात्सल्य के तहत किये जा रहे कार्यों को लेकर संबंधित अधिकारियों को दिये आवश्यक व उचित दिशा-निर्देश

आपसी समन्वय बनाकर बच्चों के बेहतरी की दिशा में कार्य करें

बिभा संवाददाता

देवघर : उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी विशाल सागर की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में मिशन वात्सल्य एवं जिला बाल संरक्षण ईकाई द्वारा किये जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने सर्वप्रथम मिशन वात्सल्य के तहत स्पॉन्सरशिप अन्तर्गत 114 बालिकाओं व 106 बालकों को दी जा रही सुविधाओं की वस्तुस्थिति से अवगत हुए। आगे उपायुक्त ने जिला बाल संरक्षण ईकाई द्वारा संचालित चुल्हिया व चरकी पहाड़ी स्थित बालक व बालिका गृह में रह रहे बच्चों एवं बच्चियों को दी जा रही सुविधाओं की समीक्षा करते हुए जिला बाल संरक्षण ईकाई के अधिकारियों व कर्मियों से उनके कार्यों एवं दायित्वों से अवगत कराते हुए जमीनी स्तर पर कार्य करने का निदेश, ताकि जारूरतमंदों बच्चों को हर संभव सुविधा उपलब्ध करायी जा सके। आगे उपायुक्त ने मिशन वात्सल्य को समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण

कदम बताते हुए कहा कि यह योजना अनाथ बच्चों, मानव तस्करी के शिकार बच्चों, बाल मजदूरी में संलग्न बच्चों और घुमंतू बच्चों को एक सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करने में मील का पत्थर साबित होगी। साथ ही उन्होंने बाल सुरक्षा समितियों और स्थानीय संस्थाओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि बच्चों को उनके अधिकार दिलाने और उनके साथ होने वाली किसी भी प्रकार की उपेक्षा या हिंसा को रोकने के लिए हर स्तर पर संवेदनशीलता और तत्परता दिखाते हुए जमीनी स्तर पर कार्य करने की आवश्यकता है।

इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिला अन्तर्गत बालिका गृह, संप्रेषण गृह बालिका देवघर, विशिष्ट दत्तक ग्रहण देवघर, अनाथालय चुल्हिया मोहनपुर, नारायण सेवा आश्रम में रह रहे बच्चों की सुविधा व सुरक्षा को देखते हुए संबंधित अधिकारियों को निदेशित किया कि इन सभी स्थलों के जांच हेतु नोडल पदाधिकारी प्रतिनियुक्त करें, ताकि इन स्थानों पर बच्चों की सुविधा और आवश्यकता अनुरूप व्यवस्थाओं को बेहतर व सुदृढ़ किया जा सके। साथ ही चरकी पहाड़ी स्थित बालिका संप्रेषण गृह में बच्चियों की सुविधा व सुरक्षा को देखते हुए महिला होमगार्ड की प्रतिनियुक्ति करने का निदेश अपर समाहर्ता को दिया। आगे बैठक के दौरान उपायुक्त ने सीडब्ल्युसी द्वारा किये जा रहे कार्यों, चाईल्ड हेल्पलाईन सेवा, बाल मजदूरी एवं बाल विवाह के रोकथाम को लेकर किये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया। साथ ही उपायुक्त ने सीसीआई के बच्चों को कौशल से जुड़े प्रशिक्षण के अलावा चुल्हिया व चरकी पहाड़ी स्थित केन्द्रों में रहने वाले बच्चों को कार्यशाला, प्रशिक्षण एवं अन्य फिजिकल एक्टिविटि से जोड़ने का निदेश संबंधित अधिकारियों को दिया।

बैठक में उपरोक्त के अलावे उप विकास आयुक्त नीवन कुमार, अपर समाहर्ता हीरा कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती कुमारी रंजना, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी श्रीमती मीरा कुमारी, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, जिला बाल संरक्षण ईकाई देवघर से आशुतोष झा एवं संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

उपायुक्त ने जनता दरबार के माध्यम से ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के लोगों से की मुलाकात

देवघर : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी विशाल सागर की अध्यक्षता में आज दिनांक 11.12.2024 को जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों से मुलाकात कर उनके समस्याओं से अवगत हुए। साथ ही उपायुक्त द्वारा उपस्थित सभी लोगों से एक-एक कर उनकी समस्याएँ सुनी गयी एवं आश्वस्त किया गया कि संज्ञान में आए हुए सभी शिकायतों की जाँच कराते हुए जल्द से जल्द सभी का समाधान किया जाएगा। इसके अलावे जनता दरबार के दौरान विभिन्न आवेदन शिकायत के रूप में आये, जो कि जिले के विभिन्न विभागों एवं अन्य समस्याओं से संबंधित थे। ऐसे में जनता दरबार में सभी शिकायतकर्ता की समस्याएँ को सुनने के पश्चात उपायुक्त श्री विशाल सागर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निदेशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक जांच करते हुए, उसका समाधान जल्द से जल्द करें। इसके अलावे उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि इन शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक सप्ताह के अंदर अपना प्रतिपुष्टि उपायुक्त कार्यालय को समर्पित करें।

उद्यानिकी फसलों में आत्मनिर्भर हो सकते हैं पलामू के किसान : आयुक्त

बिभा संवाददाता

पलामू : प्रमंडलीय आयुक्त बाल किशुन मुंडा क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र (जोनल रिसर्च सेंटर/जेड.आर.एस), चियांकी परिसर में अवस्थित संतरा बागान का भ्रमण कर संतरा के पेड़ों एवं उसमें लगे फलों का अवलोकन किया। कम बारिश एवं उच्च तापमान वाले पलामू जैसे स्थान पर संतरा के फलों को देखकर वे काफी प्रभावित हुए। भ्रमण के दौरान उपस्थित जेड.आर.एस. के सह निदेशक डॉ. अखिलेश साह ने आयुक्त को जेड. आर.एस. द्वारा किये जा रहे कार्यों एवं अनुसंधान के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। आयुक्त ने संतरा बागान के साथ-साथ वहां मेढ़ विधि में लगे अरहर की खेती एवं विभिन्न प्रजातियों के गेहूं की लग रही फसलों का अवलोकन किया। उन्होंने संतरा का स्वाद का नागपुरी संतरा के स्वाद से तुलनात्मक जानकारी ली। इसके अलावा अनुसंधान केन्द्र में तैयार की जा रही पौधे, पॉली हाउस के माध्यम से खेती की विधि, उनके गुणवत्ता एवं उपज, आम, आंवला, अमरूद की बागवानी के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने किसानों को यहां भ्रमण कराते हुए अधिक उत्पादन वाले खेती करने एवं उद्यानिकी फसलों को लगाने की दिशा में प्रेरित कराने की सलाह दी। इधर, पिछले दिनों आयुक्त ने हरिहरगंज प्रखंड क्षेत्र के कटकोंबा गांव में बंजर भूमि पर किसान अजय मेहता द्वारा की गई अमरूद की खेती सहित मौसंबी एवं अन्य उद्यानिकी फसलों का अवलोकन कर जानकारी ली। किसान अजय मेहता सैकड़ों एकड़ भूमि पर उद्यानिकी फसलों को लगाया है। आयुक्त को किसान अजय मेहता ने बताया कि उनके बागान में उत्पादित थाई प्रजाति की अमरूद बिहार के पटना, गया एवं अन्य दूसरे शहरों में भेजा जाता है।

आयुक्त ने कहा कि उद्यानिकी फसलों में पलामू प्रमंडल के किसान आत्मनिर्भर हो सकते हैं। पलामू में कृषि विज्ञान केन्द्र, क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान केन्द्र स्थापित है। यहां के किसान भी इनोवेटिव हैं, जो कृषि एवं उद्यानिकी फसलों में प्रयोग कर अपनी पहचान बनाए हुए हैं।

इसके अलावा सरकार के द्वारा किसानों को जागरूक एवं प्रेरित किया जाता रहा है। साथ की किसानों को उन्नत प्रभेद की बीज उपलब्ध कराया जाता है। उन्होंने कहा कि सरकार की बिरसा हरित ग्राम योजना से भी बागवानी कर किसान अपनी जिंदगी बदल रहे हैं। उन्होंने पलामू प्रमंडल के किसानों से भी कृषि वैज्ञानिकों से सलाह एवं मिट्टी की जांच कराकर तथा ट्रायल के उपरांत फसलों का विस्तार देने की सलाह दी है।

आयुक्त के भ्रमण के दौरान जेड.आर.एस. के सह निदेशक अखिलेश साह, प्रमंडलीय जनसंपर्क कार्यालय के सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी बिजय कुमार ठाकुर आदि उपस्थित थे।

भरत फूड एंड वेजिटेबल कंपनी सिमडेगा ने सम्मान समारोह का किया आयोजन

टीबी पीड़ितों के लिए पोषक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराना सराहनीय कदम: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

सिमडेगा: कृषि बाजार समिति परिसर में भरत प्रसाद, भरत फूड एंड वेजिटेबल कंपनी सिमडेगा के संचालक द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

भरत फूड एंड वेजिटेबल कंपनी सिमडेगा द्वारा आयोजित सम्मान समारोह का उपायुक्त सिमडेगा अजय कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त संदीप कुमार दोराईबुरु, अपर समाहर्ता ज्ञानेन्द्र, सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बैजु उरांव द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर प्रारंभ किया गया। यह सम्मान समारोह भरत फूड एंड वेजिटेबल कंपनी के संचालक भरत प्रसाद द्वारा आयोजित किया गया।इस दौरान उन्होंने भरत फूड एंड वेजिटेबल कंपनी थोक में सब्जी एवं फल खरीद कर मार्केट में बिक्री करने

सभी व्यापारियों को सम्मानित करते कई बहुमूल्य उपहार भेंट किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने पड़ोसियों को उनके बुरे वक्त में साथ देने एवं जीवन में आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन करने हेतु सभी पड़ोसियों का आभार व्यक्त करते हुए उन्होंने भी भेंट प्रदान कर सम्मानित किया। साथ ही उन्होंने सब्जियों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर पहुंचाने वाले वाहन चालक को भी सम्मानित किया। इसके अलावा उन्होंने प्रेस मीडिया के प्रतिनिधियों को भेंट देते हुए सम्मानित किया। तथा कार्यक्रम में काफी संख्या में उपस्थित टमाटर, कटहल और अन्य सब्जी उत्पादक किसानों को भी सम्मानित किया गया। इस दौरान बीरू राजवंश की उमा भवानी जी, पाकरटाँड़ निवासी 117 वर्षीय जब्बार खान, धार्मिक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने वाले रामविलास शर्मा सहित कई गणमान्य लोगों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपायुक्त, सिमडेगा अजय कुमार सिंह ने भरत वेजिटेबल्स एंड फ्रूट्स के संचालक भरत प्रसाद के समाज सेवा के कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि अन्न और जल का दान बहुत बड़ा दान है। उन्होंने कहा कि भारत प्रसाद की ओर से जिले के लगभग 382 से अधिक टी.बी. पीड़ितों के लिए पोषक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराया जाता है, जो बहुत ही सराहनीय है। उन्होंने कहा कि धर्म और पुण्य का कार्य कभी व्यर्थ नहीं जाता है। उन्होंने कहा कि सभी लोगों को समाज सेवा से जुड़ना चाहिए।

भरत वेजिटेबल्स एंड फ्रूट्स के संचालक भरत ने कहा कि बचपन में उनके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी और वह बहुत अधिक बीमार थे। तब समाज के लोगों ने चंदा करके उनकी जान बचाई थी। इस बात को वह भूले नहीं है और समाज का ऋण चुकाने की कोशिश करते रहते हैं।

अयोग्य राशन कार्डधारी 20 दिसंबर तक कार्ड सरेंडर करें : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू): पलामू के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी शशि रंजन ने जिले के आर्थिक रूप से सम्पन्न राशन कार्डधारियों को अपना कार्ड आगामी 20 दिसंबर आपुर्ति विभाग के समक्ष सरेंडर करने की अपील की है, ऐसा नहीं करने पर संबंधितों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने एवं वसूली करने की बात कही है। उन्होंने कहा कि जिले में कई ऐसे संपन्न परिवार हैं जो आर्थिक रूप से मजबूत होने के बावजूद राशन कार्ड रखकर राशन का उठाव कर रहे हैं,जिसके कारण जिले के कई योग्य व्यक्ति राशन कार्ड योजना से वंचित है साथ ही विभाग को आर्थिक हानि भी हो रही है।उन्होंने कहा कि जिले के लिये राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 अंतर्गत कुल 1828926 सदस्यों को आच्छादित किए जाने हेतु लक्ष्य निर्धारित है, जिसके विरूद्ध वर्तमान में शत-प्रतिशत लाभुक परिवार के सदस्य आच्छादित हो चुके हैं,ऐसी स्थिति में राशन कार्ड में छूटे हुए लाभुक परिवार के सदस्यों का नाम जोड़ने हेतु प्राप्त आवेदनों की स्वीकृति नहीं हो पा रही है।सरकार द्वारा निर्धारित अपवर्जन मानक के अन्तर्गत आने वाले राशन कार्डधारियों को राशन कार्ड सरेंडर करना अनिवार्य है।उन्होंने वैसे कार्डधारी जो आर्थिक रूप से सम्पन्न हैं,उनसे स्वेच्छा से आगामी 20 दिसंबर तक राशन कार्ड का सरेंडर हेतु आवेदन (प्रपत्र-10 जी) में अपने राशन डीलर के जरिये संबंधित प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी को समर्पित करने की अपील की है।यदि अयोग्य कार्डधारी 20 दिसंबर तक अपना राशन कार्ड सरेंडर नहीं करतें हैं तो ऐसी स्थिति में उनके विरुद्ध जन वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2024 के कंडिका-7 (11) और (111)के तहत कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

सभी बीडीओ को निगरानी सतर्कता समिति की बैठक कर 20 दिसंबर तक अयोग्य कार्ड सरेंडर कराने के निर्देश

उपायुक्त ने जिले के सभी बीडीओ को अपने क्षेत्र अंतर्गत प्रखंड आपुर्ति पदाधिकारी/निगरानी सतर्कता समिति की उपस्थित में बैठक आयोजित कराते हुए दिनांक 20 दिसंबर तक अयोग्य कार्ड सरेंडर करवाने की बात कही है।उन्होंने कहा है कि वैसे अपात्र लाभुक जो अपना राशन कार्ड स्वतः सरेंडर नहीं करते हैं तो उनकी सूची सुस्पष्ट कारण सहित तैयार कराते हुए,25 दिसंबर तक अनिवार्य रूप से संबंधित प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी एवं संबंधित पंचायत के मुखिया के अनुशंसा के साथ डिलिशन हेतु प्रखंड कार्यालय में जन वितरण प्रणाली विक्रेताओं के माध्यम से समर्पित किया जाना सुनिश्चित होना चाहिये।

आयुक्त ने किया केन्दु पत्ती सलाहकार समिति की बैठक

दुमका(बिभा) : प्रमण्डलीय आयुक्त, संथाल परगना प्रमण्डल, दुमका की अध्यक्षता में वर्ष 2025 मौसम हेतु केन्दू पत्ती का संग्रहण दर निर्धारण हेतु केन्दु पत्ती सलाहकार समिति की बैठक हुई। वर्ष-2024 मौसम के लिए संथाल परगना प्रमण्डल क्षेत्र हेतु गत बैठक में केन्दू पत्ती के संग्रहण दर निर्धारण हेतु राज्य सरकार को दिये गये परामर्श के बिन्दु पर विस्तार से चर्चा की गयी गयी। गत वर्ष राज्य सरकार द्वारा केन्दु पत्ती संग्रहण दर रैयती एवं वन भूमि से 1750/-रू0 प्रतिमानक बोरा स्वीकृत किया गया था। बैठक में उपस्थित सदस्य फ्राँसिस हाँसदा द्वारा संथाल परगना से मजदूरों के पलायन को रोकने के लिए गत वर्ष निर्धारित दर से बढ़ाकर 2,000/-रू0 निर्धारित करने का प्रस्ताव दिया गया। वर्त्तमान में महँगाई दर में हुई वृद्धि एवं जनवरी, 2025 में सम्भावित वृद्धि को आधार मानते हुए श्रमिकों के हित में 10 प्रतिशत वृद्धि करने पर सहमति बनी और सर्वसम्मति से 1925 / रू०प्रति मानक बोरा दर निर्धारण हेतु प्रस्ताव पारित किया गया।

जिले में सेविका व सहिया के रिक्त पदों पर जल्द से जल्द सुयोग्य अभ्यर्थियों की करें नियुक्ति : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

देवघर : उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी विशाल सागर की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में समाज कल्याण विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने समाज कल्याण विभाग द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों की समीक्षा करते हुए पोषण ट्रैकर के माध्यम से जिला, प्रखण्ड व पंचायत स्तर पर की जा रही गतिविधियों एवं अपलोड किये जा रहे आंकड़ों की समीक्षा करते हुए सभी आंकड़ों का समय-समय पर क्रॉस वेरिफिकेशन कराने का निदेश संबंधित अधिकारी को दिया। आगे उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों, सीडीपीओ, महिला परिवीक्षा को क्षेत्र निरीक्षण कर आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को दी जा रही सुविधा, खेल के समान, पूरक पोषाहार की स्थिति को बेहतर बनाने का निर्देश दिया।

इसके अलावा बैठक के दौरान उपायुक्त विशाल सागर ने सावित्री बाई फूले किशोरी समृद्धि योजना, पोषाहार वितरण, मुख्यमंत्री कन्यादान योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, बच्चों व महिलाओं को टीकाकरण तहत किये जा रहे कार्यों की समीक्षा करते हुए जिला समाज कल्याण पदाधिकारी के साथ-साथ सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षकों को कड़े शब्दों में निदेशित किया कि जमीनी स्तर पर कार्य करते हुए शत प्रतिशत कार्यों का पालन सुनिश्चित करें। साथ ही उपायुक्त ने जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों को ससमय खोलने एवं सेविका, सहिया द्वारा किये जा रहे कार्यों का निरीक्षण व क्षेत्र भ्रमण सुनिश्चित करें। इसके अलावे बैठक के दौरान उपायुक्त ने जिले के कुपोषण उपचार केंद्र (एमटीसी) की वास्तुस्थिति से अवगत हुए और कुपोषित बच्चों को कुपोषण उपचार केंद्र में भर्ती कराते हुए आवश्यक सभी सुविधा मुहैया कराने का निदेश अधिकारियों को दिया।

समीक्षा बैठक के दौरान उपायुक्त विशाल सागर ने समाज कल्याण से संचालित विभिन्न योजनाओं के शिथिलता पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को बेहतर कार्यशैली के साथ जमीनी स्तर पर कार्य करने का निदेश दिया, ताकि महिलाओं एवं बच्चों के लिए संचालित योजनाओं का लाभ पारदर्शी तरीके से मिल सके। वहीं उन्होंने सभी प्रखण्डों के बाल परियोजना पदाधिकारी एवं महिला पर्यवेक्षिकाओं को क्षेत्र निरीक्षण कर योजनाओं की गति से उपायुक्त कार्यालय को अवगत कराने का निदेश दिया। साथ हीं उपायुक्त द्वारा जिले को कुपोषण मुक्त बनाने के उदेश्य से गर्भवती महिलाओं को समय पर पौष्टिक आहार वितरण व टीकाकरण कराने का निदेश दिया गया। आगे उन्होंने संबंधित अधिकारियों व कर्मियों को निदेशित करते हुए कहा कि समाज के निर्माण व कुपोषण को दूर करने में जिला समाज कल्याण विभाग का बेहद महत्वपूर्ण योगदान है। इस लिए आवश्यक है कि आप सभी अपने द्वारा किये जाने वाले कार्यों को गंभीरता से लें, ताकि निर्धारित समय पर कार्यों को पूर्ण करते हुए संबंधित लाभूकों को लाभ देना सुनिश्चित किया जा सके। आगे उपायुक्त ने जिला अन्तर्गत सरकारी भवनों, पंचायत भवनों एवं निजी भवनों में चलने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों की स्थिति की समीक्षा करते हुए जिन क्षेत्रों में नये आंगनबाड़ी केन्द्र बनाने हेतु प्रस्ताव है वहां सरकारी जमीन चिन्हित कर उपायुक्त कार्यालय को अवगत कराने का निदेश दिया, ताकि नये आंगनबाड़ी केन्द्रों का निर्माण कराया जा सके। साथ ही उपायुक्त ने जिले में सेविका, सहिया से जुड़े खाली पदों पर जल्द से जल्द नियुक्ति करने का निदेश संबंधित अधिकारी को दिया।

बैठक में उपरोक्त के अलावे उप विकास आयुक्त नवीन कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कुमारी रंजना, सभी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी, सहायक जनसम्पर्क पदाधिकारी रोहित कुमार विद्यार्थी, सभी महिला पर्यवेक्षक एवं संबंधित विभाग के अधिकारी व कर्मी आदि उपस्थित थे।

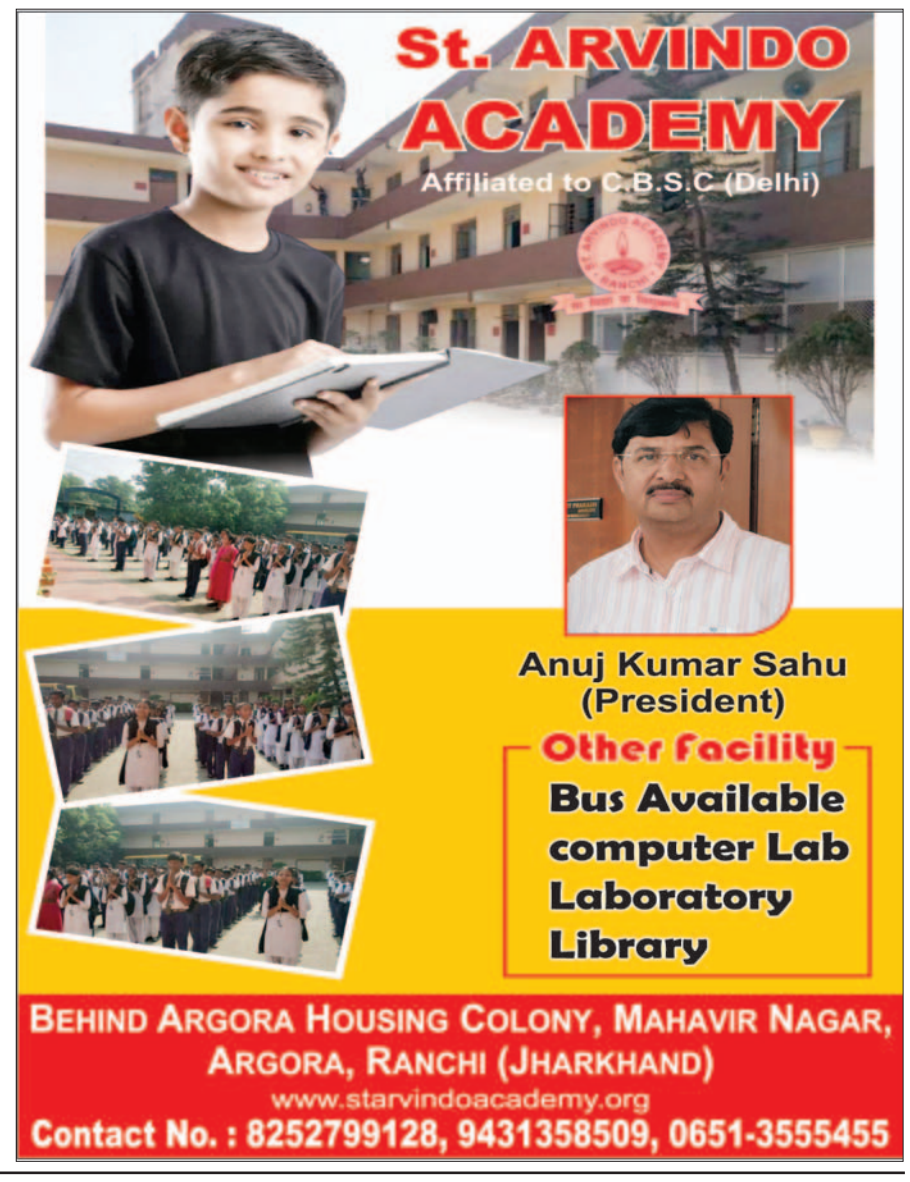

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक संजय कुमार के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। संपादक कविता साहू *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com